जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The "Netflix Look"

When productions follow similar technical specifications, they begin to resemble one another, even when their stories, budgets, and casts are different

The Aztec Warrior of Gold

The Science Behind Banana's Curved Shape

ओम बिड़ला वैकल्पिक मुख्यमंत्री के रूप में अपने आपको तैयार कर रहे हैं?

बिड़ला का मानना है कि अमित शाह कमज़ोर हो गए हैं तो राजस्थान में भी परिवर्तन संभव है और वे खुद को मुख्यमंत्री पद के लिए उपयुक्त मानते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। भाजपा और आरएसएस में यह चर्चा अब जोरों पर है कि संघ की नजर अमित शाह के एक और करीबी व्यक्ति पर है।

कहा जा रहा है कि अमित शाह से नजदीकी के कारण भजनलाल शर्मा भी संकट में है।

और चर्चा है कि उनकी जगह लेने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भारी जोड़तोड़ कर रहे हैं और पूरी ताकत लगा रहे हैं?

ओम बिड़ला भी कभी अमित शाह के करीबी माने जाते थे, लेकिन अब उनकी निष्ठा अमित शाह की तुलना में नरेन्द्र मोदी के प्रति अधिक दिख रही है।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि आरएसएस के शीर्ष स्तर पर केन्द्रीय मंत्रिमंडल के कामकाज और मुख्यमंत्रियों के प्रदर्शन की समीक्षा को लेकर चर्चा और गहन विचार-विमर्श चल रहा है।

- राजनैतिक हलकों में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अमित शाह का करीबी माना जाता है और शाह ने ही मुख्यमंत्री पद के लिए शर्मा को चुना था, जबकि तब शर्मा राजनीति में नए थे।
- ओम बिड़ला, जो कभी वसुंधरा राजे के करीबी थे, बाद में अमित शाह के करीबी हो गए और अब उनकी निष्ठा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ ज्यादा है।
- सूत्रों ने बताया कि संघ में उच्चतम स्तर पर केन्द्रीय मंत्रिमंडल और मुख्यमंत्रियों के कामकाज पर गहन विचार मंथन हो रहा है। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के संबंध में भी संघ चर्चा कर रहा है और ओम बिड़ला का नाम भी चर्चा में है।
- सूत्रों ने कहा, हाल ही में भाजपा संगठन में हुए भारी फेरबदल भी इस बात का संकेत हैं कि संघ ने शाह को निशाने पर ले लिया है।
- ये फेरदल संकेत हैं कि संघ किस दिशा में और क्यों आगे बढ़ रहा है। चर्चा यह भी है कि संघ प्रधानमंत्री के लिए नया चेहरा तलाश रहा है और बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि उत्तर प्रदेश के चुनावी रूझान क्या रहते हैं।

अमित शाह ने जब भजनलाल को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना था, तब वे राजनीति में एकदम नए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गांधी, नेहरू और पटेल के खिलाफ एफआईआर करें'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम् के गायन को लेकर बढ़ते विवाद के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस द्वारा गाए गए संस्करण का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केन्द्र सरकार पर कटाक्ष किया।

यह वही संस्करण है, जिसे ऐतिहासिक रूप से महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल सहित, देश के प्रमुख नेता गाया करते थे।

खड़गे ने कटाक्ष किया कि यदि "वंदे मातरम्" के कांग्रेस द्वारा अपनाए गए संस्करण को गाना अपराध है, तो सरकार को उन दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं, महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरु व सरदार पटेल के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करनी चाहिए, जिन्होंने इसी संस्करण को गाया था। खड़गे की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब वंदे मातरम् के पूर्ण गायन को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक विवाद लगातार तेज होता जा रहा है।

भारत सरकार ने पाक उच्चायोग के अतिक्रमण पर बुलडोज़र चलाया

पाकिस्तान में तीन दिन पहले भारतीय उच्चायोग के सुरक्षा बैरिकेड्स हटाने के जवाब में यह कार्यवाही की गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर बने कुछ ढांचों को गुरुवार को बुलडोज़र से ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, जांच में पाया गया कि ये ढांचे उच्चायोग के लिए स्वीकृत सीमा से बाहर बनाए गए थे।

संबंधित एजेंसियों ने जेसीबी मशीन की मदद से यह कार्रवाई की। उच्चायोग परिसर के बाहर लेन में बनाए गए ढांचों और बैरिकेड्स को हटा दिया गया। इनमें वीजा अनुभाग के पास लगाए गए कतार प्रबंधन से जुड़े इंतजाम भी शामिल थे।

अधिकारियों ने पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर बने बाहरी सुरक्षा घेरे को भी हटा दिया। इसके तहत ट्रैफिक बोलार्ड और बैरिकेड्स को हटाया गया, जो पहले राजनयिक परिसर के आसपास सुरक्षा घेरा बनाए हुए थे।

यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब इसके ठीक तीन दिन पहले पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर लगाए गए

- भारतीय अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान उच्चायोग ने स्वीकृत सीमा के बाहर अनाधिकृत निर्माण कर रखा था।
- सरकार ने पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर बने बाहरी सुरक्षा घेरे और बैरिकेड्स को भी हटा दिया।
- सरकार ने इस प्रक्रिया की तस्वीरें और वीडियो भी जारी किए हैं, जिनमें उच्चायोग के बाहर पड़ा मलबा नज़र आ रहा है।

सुरक्षा बैरिकेड्स हटाए जाने की खबर सामने आई थी।

पाकिस्तान उच्चायोग से सामने आए दृश्यों में परिसर के बाहर मलबा बिखरा दिखाई दिया। टूटे हुए धातु के रेलिंग और गेट, मुड़े हुए धातु के फ्रेम तथा कंक्रीट के टुकड़े सड़क पर पड़े थे।

इसके अलावा, घटनास्थल के दृश्यों में बाहरी ढांचों के कई हिस्से पूरी तरह ध्वस्त दिखाई दिए। इनमें टिन की छत और सफेद धातु की बाड़ भी शामिल थी। सेवा खिड़कियों के आसपास का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त नजर आया और प्लास्टर तथा चिनाई के कुछ हिस्से टूटे हुए थे।

टूटे हुए बैरिकेड्स और निर्माण सामग्री भी काउंटरों के आसपास बिखरी दिखाई दी।

हालांकि, पाकिस्तान उच्चायोग का मुख्य प्रवेश द्वार, जिसकी सफेद दीवारें, गुंबदनुमा संरचना और पाकिस्तानी प्रतीक वाला बड़ा धातु का गेट है, सुरक्षित रहा। परिसर की सीमा के कुछ हिस्सों पर कंटीले तारों वाली बाड़ भी दिखाई दी।

इससे एक दिन पहले पाकिस्तान ने कश्मीर को लेकर अमेरिकी राजदूत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अभयारण्य के पास एन.एच.ए.आई. "रैस्ट एरिया" का निर्माण नहीं कर सकती'

हाईकोर्ट ने सरिस्का अभयारण्य के एक किलोमीटर के भीतर, नेशनल हाईवे 248ए पर "रैस्ट एरिया" बनाने के लिए जमीन अवाप्त करने के फैसले पर रोक लगाई

-यादवेन्द शर्मा-

जयपुर, 20 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने नेशनल हाईवे अथोरिटी इंडिया (एन.एच.ए.आई.) द्वारा अलवर जिले में द्वारमाला गांव में अलग-अलग खसरों की जमीन अवाप्त कर वहां "रैस्ट ऐरिया", जिसमें पेट्रोलपंप तथा खाने व अन्य वस्तुओं को बेचने के लिए "कियोस्क" स्थापित करने का प्रावधान किया जा रहा था, के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायाधीश आनंद शर्मा ने यह आदेश बुद्धालाल व अन्य याचिकाकर्ताओं दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये। अदालत ने अपने आदेश में माना कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मामले में याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता अक्षय शर्मा द्वारा बताया गया कि जिस जमीन को अवाप्त करने के आदेश थे, वह सरिस्का अभयारण्य से एक किलोमीटर के भीतर है और जहां व्यवसायिक गतिविधि करना निषेध है।
- यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वन विभाग के द्वारा आपत्ति दर्ज करने के बाद स्थानीय जिला कलैक्टर ने एक कमेटी का गठन किया था, जो रैस्ट एरिया के निर्माण के लिए विकल्प के तौर पर कोई अन्य जमीन की सिफारिश प्रस्तुत करें। इस कमेटी ने बांधरोल गांव के खसरा नं. 1933 को रैस्ट एरिया के निर्माण के लिए ज्यादा उपयुक्त स्थान बताया था।

सोनिया गांधी अपने संस्मरण लिख रही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। दशकों से सोनिया गांधी भारतीय राजनीति की सर्वाधिक "प्राइवेट" और गूढ़ शख्सियतों में से एक रही हैं। राजनीति, सत्ता और 10 जनपथ के

- इसमें विश्व युद्ध के बाद के, इटली में गुजरे उनके बचपन, राजीव गांधी से उनके प्रेम और विवाह से जुड़ी यादे हैं, साथ ही राजनीति में उन्होंने कितना कुछ खोया, उन भावनाओं का भी ब्यौरा है।

अलावा, उनके निजी जीवन के बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत कम जानकारी रही है। उनकी आगामी संस्मरण पुस्तक "बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने ईरान को "इकोनॉमिक डी-डे" देने का वादा किया

ट्रंप ने कहा कि वे ईरान को पूरी दुनिया में अलग-थलग कर उसकी अर्थव्यवस्था को खत्म कर देंगे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। ईरान को सैन्य हमलों से झुकाने में नाकाम रहने के बाद अमेरिका अब अपनी रणनीति बदल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को घुटने टेकने पर मजबूर करने के लिए उस पर अभूतपूर्व आर्थिक दबाव डालने का ऐलान किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के लिए "इकोनॉमिक डी-डे" का वादा किया है। यह शब्द द्वितीय विश्व युद्ध के उस दौर की याद दिलाता है, जब मित्र देशों की सेनाएं फ्रांस के नॉरमैंडी तट पर उतरी थीं। यूरोप की मुख्य भूमि पर मित्र देशों की सेनाओं द्वारा किए गए उस जल-थल हमले ने ही जर्मनी के पतन की शुरुआत की थी।

ट्रंप ईरान के बाकी दुनिया के साथ सभी संबंधों को काटना चाहते हैं और इस तरह देश की अर्थव्यवस्था का दम घोंटना चाहते हैं।

- ईरान को सैन्य हमलों से झुकाने में असफल ट्रंप ने आर्थिक हमले करने का नया दांव खेला है, इसमें उन्होंने उन देशों पर भी प्रतिबंध लगाने की धमकी दी, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से ईरान के साथ व्यापार कर रहे हैं।
- अमेरिका के सामने सबसे बड़ी बाधा चीन है, जो कि ईरानी सामान और तेल का सबसे बड़ा खरीदार है और ईरान को जरूरत का सामान उपलब्ध कराता है और युद्ध के दौर में चीन की अहम भूमिका रही, ईरान को ताकत देने में।
- अमेरिका, चीन की कंपनियों पर प्रतिबंध लगा सकता है। पर, ऐसा करना अमेरिका में भारी महंगाई ला सकता है और चुनावी मौसम में यह ट्रंप के लिए अच्छा नहीं होगा।

विडंबना यह है कि ईरान के विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे कदमों से ईरान झुकेगा नहीं, बल्कि और कड़े जवाबी कदम उठाएगा। उनका कहना है कि पिछले चार दशकों के अधिकतर समय में ईरान पर अमेरिका और यूरोपीय देशों का भारी आर्थिक दबाव रहा है।

हालांकि, ईरान को अलग-थलग करने और वैश्विक बाजारों तक उसकी पहुंच कम करने के इन कदमों का नतीजा यह हुआ है कि देश, विदेशों से जरूरी सामान खरीदने के लिए नए-नए गुप्त तरीके तलाश कर रहा है। साथ ही, वह तेल बेचकर कमाई करने के लिए अपने तथाकथित "डार्क फ्लीट", यानी गुप्त जहाजों के बेड़े का इस्तेमाल भी जारी रखे हुए है।

प्रतिबंधों से बचने के इन तरीकों से परेशान होकर अमेरिका अब उन दूसरे देशों के खिलाफ भी कार्रवाई की धमकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट का जंतर-मंतर प्रोटैस्ट संबंधी पैनल घोषित

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। इस सप्ताह की शुरुआत में किए गए अपने वादे के अनुसार, जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ

- सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज, जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी के नेतृत्व वाला पैनल जंतर-मंतर के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के बल प्रयोग की जाँच करेगा।

पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने आज गुरुवार को पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित करने की घोषणा की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वंदे मातरम् के दो अंतरे गाने के निर्णय पर शाह ने कांग्रेस को घेरा

अमित शाह ने कहा, कांग्रेस ने राष्ट्र विरोधी फैसला किया है और बंकिम बाबू की इस रचना का अपमान किया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। असली राष्ट्रवादी कौन है? इसको लेकर सत्तारूढ़ आरएसएस-भाजपा और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के बीच जारी तीखी जंग अब जनता की अदालत में पहुंच गई है। सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान इस बात को लेकर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करने की पूरी कोशिश कर रहा है कि राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" को पूरा गाया जाना चाहिए या अब तक चली आ रही परंपरा के अनुसार, केवल उसके पहले दो अंतरे गाए जाने चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के उस फैसले की कड़ी आलोचना की, जिसमें 1937 में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) द्वारा स्थापित परंपरा को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। उस परंपरा के तहत, मोदी सरकार द्वारा नया कानून बनाए जाने तक, कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरे गाए जाते रहे हैं।

शाह ने कांग्रेस के इस फैसले को राष्ट्र विरोधी निर्णय करार दिया है। इसके जवाब में कांग्रेस कार्यसमिति ने प्रस्ताव पारित कर स्पष्ट किया है कि वह 1937 में तय की गई परंपरा का ही पालन जारी रखेगी।

देशभर में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति को लेकर जारी युवा आंदोलनों के बीच मोदी सरकार दबाव में है और अब वंदे मातरम् के मुद्दे के जरिए राजनीतिक विमर्श को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है।

लेकिन इस रणनीति में कई मुश्किलें भी हैं। वंदे मातरम् को लेकर सार्वजनिक बहस तेज होने के साथ स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हिंदू महासभा और आरएसएस की भूमिका से जुड़े कई सवाल भी चर्चा के केन्द्र में आ गए हैं।

आलोचकों का कहना है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान और उसके बाद कई दशकों तक न तो आरएसएस और न हिंदू महासभा ने वंदे मातरम् का गायन किया था।

- शाह ने कहा, 1937 में तुष्टीकरण की नीति के तहत कांग्रेस ने दो अंतरे गाने का फैसला किया था, और देश के विभाजन की नींव रखी थी। मोदी सरकार ने इस गलती को सुधारा, कानूनी आधार दिया, पर कांग्रेस इसका उल्लंघन कर रही है।
- वंदे मातरम् पर चली इस बहस ने "राष्ट्रवादी कौन" पर नई सार्वजनिक बहस छेड़ दी है। इसी के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस तथा हिंदू महासभा की भूमिका पर भी चर्चा हो रही है।

समाचार एजेंसियों के अनुसार, अमित शाह ने कहा, कल कांग्रेस कार्य समिति ने एक राष्ट्र विरोधी फैसला लिया। अपने 1937 के प्रस्ताव का पालन करते हुए कांग्रेस ने वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाने का फैसला किया है। मैं देश को याद दिलाना चाहता हूं कि 1937 में मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए वंदे मातरम् को विभाजित करके कांग्रेस ने देश के विभाजन की नींव रखी थी। आज नरेन्द्र मोदी सरकार ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की उस गलती को सुधारा है और इसे कानूनी आधार भी दिया है। कांग्रेस का फैसला उसकी तुष्टीकरण की नीति की पुष्टि करता है।"

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने "न केवल बंकिम बाबू की इस रचना का अपमान किया है, बल्कि देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले लाखों लोगों का भी अपमान किया है।"

उन्होंने कहा, "आज कांग्रेस पार्टी अपने 1937 के प्रस्ताव को लागू कर रही है, लेकिन संसद द्वारा बनाए गए कानून को खारिज कर रही है। मुझे आश्चर्य है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर तुष्टीकरण की राजनीति को आगे बढ़ा रही है। देश पहले वंदे मातरम् को दो हिस्सों में बांटने की गलती कर चुका है और इसके परिणाम भी भुगत चुका है। अब देश को कांग्रेस के इस फैसले के खिलाफ एकजुट होकर कहना चाहिए कि उसकी तुष्टीकरण की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व सांसद सज्जन कुमार का निधन

नई दिल्ली, 20 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे और 1984 के सिख विरोधी दंगों के तीन में से दो मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद दिल्ली की तिहाड़ जेल में उम्रकैद

- वे दिल्ली के तिहाड़ जेल में 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में उम्र कैद की सजा काट रहे थे।

की सजा काट रहे थे। उन्हें एक केस में बरी कर दिया गया था। सज्जन कुमार के करीबी नेताओं के मुताबिक, तिहाड़ जेल में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सज्जन कुमार का जन्म 23 सितंबर 1945 को दिल्ली में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अकर्मण्यता के जीवन से यशस्वी जीवन और यशस्वी मृत्यु श्रेष्ठ होती है।
–चंद्रशेखर वेंकट रमण

मेवाड़ : शौर्य की विरासत, विकास का अधिकार

15 अगस्त केवल भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता का पर्व नहीं है, बल्कि यह उन अनगिनत बलिदानों, त्याग और राष्ट्रभक्ति का स्मरण दिवस है, जिनके कारण भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित हुआ। यह दिन हमें केवल तिरंगा फहराने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह आत्ममंथन करने की भी प्रेरणा देता है कि क्या स्वतंत्रता का वास्तविक उद्देश्य–समान अवसर, न्यायपूर्ण विकास और प्रत्येक क्षेत्र की सम्मानजनक भागीदारी–देश के हर कोने तक समान रूप से पहुँच पाया है। जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, तब उन क्षेत्रों की भूमिका और अपेक्षाओं पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए जिन्होंने राष्ट्र की अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा में ऐतिहासिक योगदान दिया। राजस्थान का मेवाड़ ऐसा ही एक गौरवशाली क्षेत्र है।

मेवाड़ भारतीय इतिहास में केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत प्रतीक है। महाराणा प्रताप का जीवन हमें यह संदेश देता है कि स्वतंत्रता केवल शासन परिवर्तन का नाम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प है। हल्दीघाटी का युद्ध भले ही सैन्य दृष्टि से निर्णायक न रहा हो, किन्तु उसने भारतीय मानस में स्वतंत्रता की ऐसी ज्योति प्रज्वलित की जो कभी बुझी नहीं। यही कारण है कि महाराणा प्रताप आज भी राष्ट्रीय अस्मिता के अमर प्रतीक हैं। स्वतंत्रता दिवस पर मेवाड़ का स्मरण केवल इतिहास का सम्मान नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का सम्मान है।

राजस्थान के निर्माण में मेवाड़ की निर्णायक भूमिका

स्वतंत्र भारत के निर्माण में भी मेवाड़ का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। राजस्थान के एकीकरण की प्रक्रिया में 18 अप्रैल 1948 को उदयपुर में संयुक्त राजस्थान का गठन हुआ। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की उपस्थिति में महाराणा भूपाल सिंह ने व्यापक राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए एकीकृत राजस्थान के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। उन्हें प्रथम राजप्रमुख बनाया गया और उदयपुर को प्रारम्भिक राजधानी का गौरव प्राप्त हुआ। मेवाड़ ने अपने ऐतिहासिक गौरव से ऊपर उठकर एक सशक्त राजस्थान के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई। यह योगदान राजस्थान के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। किन्तु स्वतंत्रता के लगभग आठ दशक बाद यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या मेवाड़–वागड़ क्षेत्र को उसके योगदान और सामर्थ्य के अनुरूप विकास प्राप्त हुआ? यह प्रश्न किसी एक सरकार अथवा किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में भी इस क्षेत्र की अनेक न्यायोचित माँगें वर्षों तक लंबित रही हैं। इसलिए यह राजनीतिक विवाद का नहीं, बल्कि संतुलित क्षेत्रीय विकास और सुशासन का विषय है।

संसाधनों से समृद्ध, फिर भी विकास की चुनौतियाँ

मेवाड़–वागड़ क्षेत्र प्राकृतिक और आर्थिक दृष्टि से राजस्थान के सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्रों में से एक है। अरावली की पर्वतमालाएँ, उदयपुर की विश्वविख्यात झीलें, जावर की सीसा–जस्ता खदानें, राजसमंद का संगमरमर, समृद्ध वन सम्पदा, जल संसाधन और आदिवासी सांस्कृतिक विरासत इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान हैं। पर्यटन, खनिज उत्पादन, वन सम्पदा और जल संरक्षण के क्षेत्र में मेवाड़ का योगदान उल्लेखनीय है। यदि इन संसाधनों का वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग किया जाए तो यह क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था का सबसे सशक्त विकास इंजन बन सकता है।

इसके बावजूद क्षेत्रीय असंतुलन की भावना आज भी बनी हुई है। पिछले तीन दशकों में राजस्थान में अनेक राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक, चिकित्सा और तकनीकी संस्थान स्थापित हुए। जयपुर प्रशासनिक और उच्च शिक्षा का प्रमुख केन्द्र बन गया। जोधपुर में एम्स, आईआईटी, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पुलिस विश्वविद्यालय तथा अनेक राष्ट्रीय संस्थान स्थापित हुए। कोटा शिक्षा का राष्ट्रीय केन्द्र बनकर उभरा। इसके विपरीत उदयपुर जैसे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक नगर को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के अतिरिक्त कोई बड़ा राष्ट्रीय संस्थान प्राप्त नहीं हो सका। यदि विकास का उद्देश्य क्षेत्रीय संतुलन है, तो दक्षिण राजस्थान को भी समान अवसर मिलना चाहिए।

मेवाड़-वागड़ क्षेत्र प्राकृतिक और आर्थिक दृष्टि से राजस्थान के सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्रों में से एक है। अरावली की पर्वतमालाएँ, उदयपुर की विश्वविख्यात झीलें, जावर की सीसा-जस्ता खदानें, राजसमंद का संगमरमर, समृद्ध वन सम्पदा, जल संसाधन और आदिवासी सांस्कृतिक विरासत इस क्षेत्र की विशिष्ट पहचान हैं। पर्यटन, खनिज उत्पादन, वन सम्पदा और जल संरक्षण के क्षेत्र में मेवाड़ का योगदान उल्लेखनीय है। यदि इन संसाधनों का वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग किया जाए तो यह क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था का सबसे सशक्त विकास इंजन बन सकता है।

न्याय की दूरी भी विकास का प्रश्न है

न्यायपालिका के क्षेत्र में भी दक्षिण राजस्थान की समस्या दशकों से बनी हुई है। उदयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय की पीठ की माँग लगभग चार दशक पुरानी है। उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद और चित्तौड़गढ़ जैसे जिलों के लाखों नागरिकों को न्याय प्राप्त करने के लिए जोधपुर तक लंबी यात्रा करनी पड़ती है। आदिवासी, ग्रामीण, महिला और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के लिए यह व्यवस्था न्याय को कठिन और महँगा बना देती है। लोकतंत्र में न्याय तभी प्रभावी माना जाता है जब वह सुलभ, समयबद्ध और सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हो।

परिवहन और आधारभूत ढाँचे की चुनौती

परिवहन अवसंरचना के क्षेत्र में भी अनेक परियोजनाएँ वर्षों से अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ सकी हैं। बांसवाड़ा–रतलाम रेल परियोजना, दक्षिण राजस्थान की रेल संपर्क व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत परियोजनाएँ अभी भी पूर्ण होने की प्रतीक्षा कर रही हैं। जबकि मजबूत सड़क और रेल नेटवर्क किसी भी क्षेत्र में निवेश, उद्योग, पर्यटन और रोजगार का आधार होता है। यदि दक्षिण राजस्थान को विकास की मुख्यधारा में लाना है तो इन परियोजनाओं को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।

कृषि और जनजातीय विकास को मिले नई दिशा

कृषि और जनजातीय विकास मेवाड़–वागड़ की पहचान हैं। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कृषि अनुसंधान और शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान दिया है, परन्तु वर्षों से शिक्षकों और वैज्ञानिकों के अनेक पद रिक्त रहने से इसकी क्षमता प्रभावित हुई है। दूसरी ओर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन और अन्य वैधानिक देयों के भुगतान में होने वाली देरी चिंताजनक है। कृषि प्रधान राज्य में कृषि विश्वविद्यालयों को मजबूत करना केवल शिक्षा का नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि और खाद्य सुरक्षा का भी प्रश्न है। दक्षिण राजस्थान का आदिवासी समाज इस क्षेत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, कौशल विकास, स्थानीय उद्योग, वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन और पर्यटन आधारित रोजगार पर विशेष ध्यान दिया जाए तो यह क्षेत्र आत्मनिर्भर विकास का राष्ट्रीय मॉडल बन सकता है। जैविक कृषि, फलोत्पादन, औषधीय पौधों की खेती, खनिज आधारित उद्योग और इको–टूरिज्म जैसी संभावनाएँ लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर सकती हैं। यही विकसित राजस्थान और विकसित भारत की दिशा में वास्तविक योगदान होगा।

मेवाड़–वागड़ के लिए समन्वित विकास नीति

आज आवश्यकता किसी क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा या टकराव की नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण और संतुलित विकास की है। राज्य सरकार को मेवाड़–वागड़ के लिए एक समर्पित क्षेत्रीय विकास परिषद का गठन करना चाहिए, जो आधारभूत संरचना, शिक्षा, उद्योग, पर्यटन और आदिवासी विकास की योजनाओं का समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा, राजस्थान) जहाँ 17 नवंबर 1913 को संत गोविंद गुरु के नेतृत्व में एकत्र हुए लगभग 1,500 भील आदिवासी अंग्रेजों की गोलीबारी में शहीद हुए थे, को राष्ट्रीय स्मारक बनाया जाये। उदयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय की पीठ की स्थापना पर सकारात्मक निर्णय लिया जाए। दक्षिण राजस्थान में राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों की स्थापना की जाए। लंबित रेल परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा किया जाए तथा कृषि विश्वविद्यालयों और जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष वित्तीय पैकेज उपलब्ध कराया जाए। यह किसी क्षेत्र विशेष पर कृपा नहीं, बल्कि संतुलित विकास की संवैधानिक जिम्मेदारी होगी।

शौर्य की विरासत से विकास के अधिकार तक

प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत "विकसित भारत–2047" का संकल्प तभी साकार होगा जब विकास का लाभ देश के प्रत्येक क्षेत्र तक समान रूप से पहुँचे। मेवाड़–वागड़ जैसे संसाधन सम्पन्न, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और राष्ट्रीय चेतना से ओतप्रोत क्षेत्र को यदि उसकी क्षमता के अनुरूप अवसर मिलें, तो वह केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। भारत की प्रगति तभी पूर्ण होगी जब उसकी विकास यात्रा में कोई क्षेत्र स्वयं को उपेक्षित महसूस न करे।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

उभरते भारत की आवश्यकता : समान नागरिक संहिता

पंकज मीणा

भारत की विकास यात्रा केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है। एक मजबूत, आधुनिक और विकसित भारत के लिए सामाजिक समानता, समान अधिकार और प्रत्येक नागरिक के लिए समान अवसर भी उतने ही आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसकी सफलता के लिए जरूरी है कि देश की 150 करोड़ से अधिक आबादी एक समान अधिकारों और अवसरों के साथ राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में सहभागी बने। इसी दृष्टि से समान नागरिक संहिता आज भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है।

भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा राजनीतिक दल है, जो देश की प्रगति के साथ सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रीय एकता से जुड़े विषयों को भी लगातार राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाता रहा है। भाजपा की स्थापना के समय से ही तीन प्रमुख विषय उसके वैचारिक एजेंडे में रहे–जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 का प्रावधान समाप्त करना, अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण और समान नागरिक संहिता लागू करना। इन तीनों विषयों को लेकर भाजपा ने लंबे समय तक जनजागरण, आंदोलन और संघर्ष किया। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना जीवन तक न्योछावर कर दिया।

लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने इस आंदोलन को आगे बढ़ाया। आज अनुच्छेद 370 का प्रावधान समाप्त हो चुका है। करोड़ों भारतीयों की आस्था के केंद्र अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर भी बन चुका है। अब तीसरे प्रमुख संकल्प समान नागरिक संहिता को साकार करने की दिशा में देश आगे बढ़ रहा है। उत्तराखंड और गुजरात इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा चुके हैं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान भी समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ा रहे हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समान नागरिक संहिता पर विधेयक तैयार करने के लिए प्रारूप समिति का गठन किया था। समिति ने अपना प्रारूप मुख्यमंत्री को सौंप दिया है। इस प्रकार राजस्थान में भी समान नागरिक संहिता की दिशा में महत्वपूर्ण चरण पूरा हो चुका है।

समान नागरिक संहिता का विचार आज का नहीं है। संविधान निर्माण के समय संविधान सभा में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी। संविधान सभा के अनेक सदस्य चाहते थे कि देश में नागरिकों के लिए समान कानून की व्यवस्था हो। हालांकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का मत था कि विभाजन के बाद भारत में रह गए मुसलमानों के लिए तत्काल समान नागरिक संहिता लागू करना उनके साथ अन्याय होगा। नेहरू की इस राजनीतिक सोच के कारण उस समय समान नागरिक संहिता लागू नहीं हो सकी। लेकिन संविधान निर्माताओं ने इस विषय को पूरी तरह छोड़ा भी नहीं। संविधान के नीति–निर्देशक तत्वों में अनुच्छेद 44 को शामिल किया गया। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया कि राज्य भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा। अर्थात संविधान ने समान नागरिक संहिता को देश के भविष्य के लिए एक संवैधानिक लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया। आज जब भारत सामाजिक और आर्थिक रूप से एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, तब सात दशक पुराने इस संवैधानिक संकल्प को पूरा करने का समय आ गया है।

भारत विभिन्नताओं वाला देश है। यहां हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी सहित अनेक धर्मों और मत–संप्रदायों को मानने वाले लोग रहते हैं। धार्मिक आस्था और परंपराओं के आधार पर विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण और परिवार से जुड़े विषयों में अलग–अलग व्यक्तिगत कानून और व्यवस्थाएं हैं। प्रश्न यह है कि जब संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देने की बात करता है, तो नागरिक जीवन के महत्वपूर्ण विषयों में कानून अलग–अलग क्यों हों?

हिंदू समाज में भी सामाजिक सुधार की प्रक्रिया आसान नहीं रही। राजा राममोहन राय, ज्योतिबा फुले और स्वामी दयानंद सरस्वती जैसे महापुरुषों ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया। बाल विवाह, सती प्रथा और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ हुए आंदोलनों ने समाज में सुधार का रास्ता खोला। इससे यह स्पष्ट होता है कि सामाजिक और धार्मिक परंपराओं के नाम पर चली आ रही व्यवस्थाओं में समय रहते सुधार होना चाहिए। अंग्रेजी शासन ने भारत में अपनी 'बांटो और राज करो' की नीति के तहत समुदाय आधारित अलग–अलग कानूनी व्यवस्थाओं को बढ़ावा दिया। वर्ष 1937 में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरियत) एप्लीकेशन एक्ट लाया गया। जिसे स्वतंत्र भारत के संविधान में अनुच्छेद 372 और अनुच्छेद 25 के माध्यम से संरक्षित किया गया।

आजादी के बाद व्यक्तिगत कानूनों में सुधार को लेकर अलग–अलग दृष्टिकोण सामने आए। कांठोस ने हिंदू समाज के व्यक्तिगत कानूनों में परिवर्तन के लिए 1941 में हिंदू लॉ कमेटी 1944 में हिंदू कोड बिल समिति बनाई। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू केवल हिंदू समाज के व्यक्तिगत कानूनों में व्यापक सुधार के पक्षधर थे। लेकिन संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद, प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर और सरदार वल्लभभाई पटेल सहित कई प्रमुख नेताओं ने हिंदू कोड बिल के स्वरूप और प्रक्रिया को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई थीं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि इतनी महत्वपूर्ण सामाजिक व्यवस्था में बदलाव व्यापक सहमति से होना चाहिए। डॉ. अंबेडकर भी हिंदू कोड बिल को लेकर संसद और समाज में व्यापक चर्चा के पक्षधर थे। अंततः हिंदू व्यक्तिगत कानूनों में व्यापक बदलाव 1955–56 में हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, हिंदू अल्पसंख्यक एवं संरक्षकता अधिनियम तथा हिंदू दत्तक ठाहण एवं भरण–पोषण अधिनियम जैसे कानून के रूप में आए। यहां मूल प्रश्न यह है कि जब हिंदू समाज के व्यक्तिगत कानूनों में सुधार कर आधुनिक व्यवस्था बनाई जा सकती है, तो नागरिक अधिकारों के क्षेत्र में सभी समुदायों के लिए समान कानून की दिशा में आगे बढ़ने में संकोच क्यों होना चाहिए?

सबसे बड़ा सवाल महिलाओं के समान अधिकार का है। समान नागरिक संहिता की आवश्यकता का सबसे महत्वपूर्ण आधार महिलाओं के अधिकार हैं। विवाह, तलाक, भरण–पोषण, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे विषय सीधे महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा से जुड़े हैं। यदि किसी महिला के अधिकार केवल उसके धर्म के आधार पर अलग निर्धारित होते हैं तो संविधान की समानता की भावना के सामने यह गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। एक आधुनिक लोकतांत्रिक राष्ट्र में महिला को समान अधिकार और समान कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। समान नागरिक संहिता किसी धर्म की पूजा–पद्धित, धार्मिक आस्था या उपासना के तरीके में हस्तक्षेप का माध्यम नहीं है। इसका संबंध नागरिक जीवन से जुड़े उन विषयों से है, जिनका नियमन राज्य के कानूनों द्वारा होता है। धार्मिक स्वतंत्रता अपनी जगह सुरक्षित रह सकती है, लेकिन नागरिक अधिकारों में समानता भी सुनिश्चित की जा सकती है।

भारतीय संविधान की उद्देशिका के प्रथम तीन शब्द हैं–हम भारत के लोग। यह केवल संविधान की शुरुआत में लिखे तीन शब्द नहीं हैं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक चरित्र की मूल भावना हैं। इसका अर्थ है कि भारत का संविधान किसी एक जाति, धर्म या संप्रदाय के लिए नहीं, बल्कि समस्त भारतीय नागरिकों के लिए है।

भारत की विविधता हमारी शक्ति है। अलग–अलग धर्म, भाषाएं, परंपराएं और संस्कृतियां भारत की पहचान हैं और उनका सम्मान होना चाहिए। लेकिन विविधता के नाम पर नागरिक अधिकारों में स्थायी असमानता स्वीकार नहीं की जा सकती।

विकसित भारत के लिए समान नागरिक संहिता

आज भारत विश्व के सामने एक उभरती हुई शक्ति के रूप में खड़ा है। अर्थव्यवस्था, तकनीक, रक्षा, अंतरिक्ष, आधारभूत ढांचे और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में सामाजिक और कानूनी व्यवस्था को भी आधुनिक भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाना आवश्यक है।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य तभी सफल होगा, जब समाज का प्रत्येक वर्ग समान अवसर और समान अधिकार के साथ विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़े। नागरिकों की पहचान उनके धर्म से पहले भारतीय नागरिक के रूप में हो और कानून की नजर में सभी समान हों।

समान नागरिक संहिता इसी सोच को आगे बढ़ाने का माध्यम है। इसका उद्देश्य किसी धर्म को कमजोर करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को समान कानूनी अधिकार देना है। इसका उद्देश्य धार्मिक आस्था को समाप्त करना नहीं, बल्कि नागरिक कानूनों में समानता स्थापित करना है। भारत को अपनी विविधता को बनाए रखते हुए समानता की ओर आगे बढ़ना होगा। अलग–अलग आस्थाएं और परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान बनी रहें, लेकिन विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और दत्तक ठाहण जैसे नागरिक विषयों में कानून सबके लिए समान हो–यही आधुनिक भारत की आवश्यकता है।

पंकज मीणा
प्रवक्ता, भाजपा राजस्थान

प्रकृति से जुड़ी चिकित्सा पद्धति

डॉ. अरुणा व्यास

आयुर्वेद के साथ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपैथी आदि रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सक्षम बनाने में अद्भुत परिणाम दिखाएं हैं। इस संबंध में पूर्णतः हर्बल चिकित्सा पद्धति इलैक्ट्रोपैथी का भी विशेष महत्व है। इलेक्ट्रोपैथी में दवाओं का निर्माण नॉन पॉइजन वनस्पति से किया जाता है। करीब 114 पौधों से इसकी दवा बनती है। पेड़–पौधों से प्राप्त रस में उपस्थित धनात्मक व ऋणात्मक शक्तियों के द्वारा इस पद्धति में इलाज किया जाता है।

परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों के साथ ही इलेक्ट्रोपैथी जैसी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। इसके लिए जरूरी यह भी है कि ऐसी चिकित्सा पद्धतियों के सकारात्मक परिणामों पर गहन शोध और अनुसंधान किया जाए। इसी आधार पर फिर उन्हें बढ़ावा दिए जाने पर भी कार्य हो।

यह समय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का है। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से सूचना और संचार तकनीक आगे बढ़ रही है, यह जरूरी है कि वैकल्पिक चिकित्सा पद्धितयों से जुड़े बेहतरीन परिणामों को विश्व स्तर पर साझा किये जाएं ताकि ऐसे ज्ञान की ऐसी संस्कृति विकसित हो जिसमें परस्पर आदान–प्रदान से रोगमुक्त विश्व की ओर हम आगे बढ़ सकें। हमारे यहां तो कहा भी गया है–"सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुख भागभवेत। अर्थात् सभी सुखी होवें। सभी रोगमुक्त रहें। और सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बनें और किसी को भी दुःख का भागी न बनना पड़े। विश्वकल्याण की इसी भावना के तहत वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का मानव कल्याण में उपयोग किए जाने की वैश्विक सोच पर कार्य करने की आज अधिक जरूरत है।

कोरोना के दौर में हमने यह भी देखा है कि आर्युर्वेद ने बेहद कारगर भूमिका निभायी। विश्व स्तर पर आर्युर्वेद की भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व को स्वीकार किया गया। इसी तरह होम्यौपैथी और इलेक्ट्रोपैथी जैसी पद्धतियों में भारत विश्व का बड़ा केन्द्र बने। इलेक्ट्रौपैथी ने बहुत से स्तरों पर रोग निदान में कारगर भूमिका निभायी है। वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ईलाज बढ़ावा देने के साथ ही इससे जुड़े ज्ञान और नुस्खों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ते हुए भी वृहद स्तर पर कार्य किया जाए। शोध और अनुसंधान के ऐसे कार्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में किए जाएं जिनसे पूरी मानवता का भला हो सके। कम से कम साइड इफेक्ट्स वाली विधाओं को अगर इलाज में सम्मिलित कर सकें तो यह जनसामान्य के स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत अच्छा रहेगा।

इससे सरल, सस्ती पद्धति की महत्ता एवं उपयोगिता को हम बड़े स्तर पर सामने ला सकेंगें। केन्द्र सरकार ने कोविड से लड़ने के लिए पहली बार सभी आयुष चिकित्सा पद्धतियों को अनुमति प्रदान कर इन्हे प्रोत्साहित करने का कार्य किया। केन्द्र सरकार का यह कदम लोक उसके कल्याणकारी दृष्टिकोण को प्रकट करता है।

–डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

विराटनगर के सूरजपुरा में शराब ठेके के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश

■ **ठेका हटाने की मांग को लेकर महिलाओं और छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया**

पावटा, (निसं)। विराटनगर तहसील क्षेत्र की जयसिंहपुरा ग्राम पंचायत के सूरजपुरा गांव में आबादी क्षेत्र में संचालित शराब के ठेके को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। शराब का ठेका हटाने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं और स्कूली छात्र–छात्राओं ने एकजुट होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ठेके के बाहर नारेबाजी करते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की आबादी के बीच शराब की दुकान संचालित होने से यहां दिनभर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है। इसके चलते आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने विशेष रूप से महिलाओं और स्कूल आने–जाने वाली छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं और ग्रामीणों का कहना था कि शैक्षणिक माहौल वाले क्षेत्र में शराब का ठेका किसी भी सूरत में उचित नहीं है। स्कूल जाने वाली छात्राओं को रास्ते में असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिससे अभिभावकों में भी चिंता बढ़ रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने सरकार और स्थानीय प्रशासन से शराब के ठेके को आबादी क्षेत्र से हटाकर अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को मामले में तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शराब के ठेके को जल्द बंद या आबादी क्षेत्र से स्थानांतरित नहीं किया गया, तो ग्रामीण आंदोलन को और व्यापक करेंगे। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि समस्या का समाधान नहीं होने तक उनका विरोध जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन में बोदूराम खटीक, मालीराम, गणपत रैगर, कैलाश बलाई, शंकर सिंह, यशपाल सिंह, लाल सिंह, सीताराम धोबी, कौशिक, रामसिंह, लक्ष्मण सिंह, शिंभू सिंह, सुरेंद्र सिंह, सजन सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और विद्यालय के छात्र–छात्राएं भी शामिल हुए।

खाद्य सुरक्षा टीम ने खराब तेल व दूषित खाद्य सामग्री नष्ट करवाई

खाद्य नमूनों को राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, अजमेर भेजा गया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा मिलावटखोरी एवं अस्वच्छ खाद्य सामग्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को भीलवाड़ा शहर में सघन कार्रवाई की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि विभागीय टीम ने मैसर्स निकिता फूड प्रोडक्ट्स, रीको एरिया, भीलवाड़ा से नमकीन का नमूना लिया तथा मौके पर लगभग 50 लीटर खराब तेल जनहित में नष्ट करवाया। इसी प्रकार मैसर्स सुखवाल बेकरी, रीको एरिया से बिस्किट का नमूना लिया गया तथा लगभग 20 किलोग्राम दूषित खाद्य सामग्री मौके पर ही नष्ट करवाई गई। इसके अतिरिक्त मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भण्डार, मीरा सर्किल, भीलवाड़ा से पेड़े का नमूना लिया गया। सभी लिए गए खाद्य नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, अजमेर भेजा गया है। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव, साक्षी जैन व एफएसओ नीरज मीणा मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने कहा कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा जनस्वास्थ्य के हित में जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 21 अगस्त, 2026

सावन मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, अनुराधा नक्षत्र दिन 11:53 तक, वैधृति योग शनिवार प्रातः 5:18 तक, बालव करण दिन 10:28 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–मिथुन, बुध–कर्क, गुरू–कर्क, शुक्र–कन्या, शनि–मीन राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:53 तक है। रवियोग दिन 11:53 से आरम्भ होगा। आज श्री हरि जयन्ती, जीवंतिका पूजन, वैधृति पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:41 तक, लाभ–अमृत 4:41 से 10:54 तक, शुभ 12:30 से 2:06 तक, चर 5:19 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:54

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। मन का भय दूर होगा।

कर्क
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में बाहर जाना पड़ सकता है।

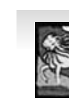

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। उच्चाधिकारियों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

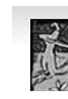

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। कानूनी मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक–मांगलिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

पायलट, जूली और डोटासरा ने सड़कों पर उतरकर राज्य सरकार को घेरा

प्रदेश में जर्जर स्कूलों और विद्यालयों में मीडिया एंट्री बंद करने पर भड़का विपक्ष, शिक्षा मंत्री दिलावर का इस्तीफा मांगा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायकों ने सदन का बायकॉट (बहिष्कार) करके सड़कों पर उतरकर पैदल मार्च और उग्र प्रदर्शन किया। गुरूवार को सदन की कार्यवाही जब शुरू हुई तो विपक्ष का एक भी विधायक सदन के भीतर नहीं पहुंचा। कांग्रेस विधायकों ने प्रदेश में जर्जर स्कूलों, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली तथा स्कूलों में मीडिया की एंट्री बंद करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में विपक्षी विधायकों ने विधानसभा गेट के बाहर धरना देकर नाराजगी जाहिर की।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने गुरूवार को राजस्थान विधानसभा के गेट के बाहर धरना देकर विरोध जताया।

- मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा में सदन की कार्यवाही में नहीं पहुंचा एक भी विपक्षी विधायक
- कांग्रेस विधायकों ने मूक बधिर स्कूल से विधानसभा तक 3 कि.मी. रैली निकालकर जताया विरोध
- विधानसभा में प्रवेश करने से रोकने पर पुलिस और कांग्रेस नेताओं में हुई नोंकझोंक, काली पट्टी बांधकर धरने पर बैठे विधायक

इससे पहले विपक्षी विधायक पोद्दार मूक-बधिर स्कूल से 3 कि.मी. का पैदल मार्च करते हुए विधानसभा तक पहुंचे थे। पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग की।

पोद्दार स्कूल से पैदल मार्च करते हुए कांग्रेस विधायक विधानसभा के पश्चिमी द्वार पर पहुंचे। यहां उन्होंने अंदर जाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच इस दौरान नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। कुछ कांग्रेस नेता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। पुलिस द्वारा गेट बंद किए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विधानसभा के बाहर ही धरने पर बैठ गए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट ने भी राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पत्रकारों को प्रवेश नहीं दिया जा सकता, फोटो और वीडियो नहीं बनाए जा सकते तो इससे पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। प्रदेश में कई स्कूलों की स्थिति खराब है और बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी कमियों को सामने आने से रोकने के बजाय उन्हें दूर करने पर ध्यान दे। पायलट ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस विधायक सदन की कार्यवाही में शामिल होने के लिए आए थे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में विधायक लंबे समय से निर्धारित रास्ते से प्रवेश करते रहे हैं, ऐसे में अचानक गेट बंद करना समझ से परे है। जूली ने पूरे मामले में विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने की बात कही। धरने को संबोधित करते हुए जूली ने कहा कि सरकार स्कूलों की वास्तविक स्थिति जनता और मीडिया से छिपाना चाहती है।

कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी और प्रदेश के स्कूलों में जाकर वहां की स्थिति सामने लाएगी। जूली ने दावा किया कि प्रदेश में 3768 स्कूल जर्जर घोषित किए गए हैं और करीब 85 हजार स्कूलों के कमरे क्षतिग्रस्त हैं। कई स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक तक नहीं हैं। हालात ऐसे हैं कि बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल छोड़ रहे हैं। जूली ने कहा कि कांग्रेस सदन के भीतर और सड़क पर दोनों जगह शिक्षा के मुद्दे पर सरकार को घेरती रहेगी। जूली ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए नियम-कायदे बदल रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था की बदहाली, कथित भ्रष्टाचार, शिक्षकों की कमी, कृषि और चिकित्सा व्यवस्था सहित कई मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगना चाहते हैं। शिक्षा विभाग में तबादलों और अन्य मामलों को लेकर गंभीर सवाल है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने कांग्रेस में गुटबाजी के सवालों को खारिज किया।

उन्होंने कहा कि पार्टी एकजुट है और नेताओं के बीच छोटी-मोटी राजनीतिक गतिविधियों या मुलाकातों को खींचतान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

कांग्रेस के पैदल मार्च का असर जयपुर की यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा। मार्च त्रिमूर्ति सर्किल से शुरू होकर अंबेडकर सर्किल, रामबाग और अमर जवान ज्योति होते हुए विधानसभा पहुंचा। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शामिल होने से कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने स्थिति संभालने के लिए कई स्थानों पर यातायात को रोककर डायवर्ट किया।

पूर्व शिक्षिका को 20 लाख रुपए क्षतिपूर्ति देने के निर्देश

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने गैर सरकारी शैक्षिणक संस्थान अधिकारी के 16 अप्रैल 2024 को दिए आदेश को संशोधित करते हुए अजमेर की माहेश्वरी पब्लिक स्कूल प्रबंध समिति को निर्देश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता पूर्व शिक्षिका को क्षतिपूर्ति के तौर पर एक मुश्त 20 लाख रुपए का भुगतान करे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दो माह बाद भी स्कूल प्रबंध समिति यह राशि देने में असफल रहती है तो इस आदेश की तिथि से 9 फीसदी ब्याज भी देना होगा। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश रानी गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता सुनील समदडिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता माहेश्वरी स्कूल में शिक्षिका के तौर पर साल 1995 में नियुक्त हुई थी। वहीं साल 1998 में उसे हिंद विषय की व्याख्याता के तौर पर पदोन्नत कर जुलाई, 2000 में इस पद पर स्थायी किया गया।

वी. श्रीनिवास को मिला 6 महीने का एक्सटेंशन

- अब 28 फरवरी 2027 तक रहेंगे मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास को केंद्र सरकार ने छह महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। वी. श्रीनिवास 31 अगस्त को रिटायर होने वाले थे। अब केंद्र से 6 महीने का एक्स्टेंशन मंजूर होने से श्रीनिवास 28 फरवरी 2027 तक मुख्य सचिव के पद पर रहेंगे। ज्ञात रहे कि राज्य सरकार ने पिछले दिनों मुख्य सचिव के एक्सटेंशन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भिजवाया था, जिसे मंजूरी दे दी गई। वी. श्रीनिवास ने 17 नवंबर 2025 को राजस्थान के मुख्य सचिव का पदभार संभाला था। मुख्य सचिव बनने से पहले वह सेंट्रल डेपुटेशन पर थे। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार ने 23 जुलाई को केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय को सीएस वी. श्रीनिवास को एक्स्टेंशन देने का प्रस्ताव भिजवाया था। अब मंत्रालय ने इसे मंजूरी देने के साथ ही राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग को एक्सटेंशन का लेटर भेज दिया है। वी. श्रीनिवास 1989 बैच के आईएएस अफसर हैं। पिछले साल 16 नवंबर को वी-श्रीनिवास को सीएस के पद पर नियुक्ति के आदेश जारी किए थे। तत्कालीन मुख्य सचिव सुधांश पंत कार्यकाल के बीच अचानक सेंट्रल डेपुटेशन पर गए थे। पंत की जगह श्रीनिवास ने 17 नवंबर को चार्ज लिया था। इससे पहले श्रीनिवास 7 साल से केंद्रीय डेपुटेशन पर थे। उन्हें सीएस बनने से पहले 14 नवंबर 2026 की शाम को ही केंद्रीय डेपुटेशन से राजस्थान के लिए रिलीव किया गया था। सीएस बनने से पहले वे केंद्रीय प्रशासनिक सुधार, लोक शिकायत, पेंशन्स और पेंशनर्स कल्याण विभाग के सचिव थे।

12 जिलों में 48 परीक्षा केन्द्रों पर 30 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों पर चर्चा की

जयपुर (कासं)। आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा प्रदेश के 12 जिलों में 48 परीक्षा केन्द्रों पर आगामी 30 अगस्त को नीट पीजी परीक्षा-2026 आयोजित की जाएगी। परीक्षा के सुचारू एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर गुरुवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने संबंधित विभागों के प्रशासनिक सचिवों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें तथा एनबीईएमएस के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात, विद्युत सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नीट पीजी जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षा के आयोजन में राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए तथा परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने निर्धारित प्रोटोकॉल एवं एनबीईएमएस के दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बाबूलाल गोयल सहित संबंधित विभागों के प्रशासनिक सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी संभागीय आयुक्त, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं एनबीईएमएस के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

आज स्थगित हो सकता है विधानसभा सत्र, यूसीसी पर बढ़ेगा सियासी पारा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार की कार्यवाही के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने की संभावना है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में फिलहाल शुक्रवार तक का ही कामकाज तय किया गया। हालांकि सत्रावसान नहीं होगा, इसलिए संवैधानिक रूप से यही सत्र आगे भी जारी माना जाएगा।

- बीएसी ने शुक्रवार तक का कामकाज किया तय, अनुपूरक अनुदान होंगे पारित
- नवंबर में चुनाव के बाद फिर शुरू होगा विधानसभा का अगला चरण

शुक्रवार को सदन में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किए जाने की संभावना है। इसके साथ ही अनुपूरक अनुदान की मांगें सदन में रखी जाएंगी और उन्हें पारित कराया जाएगा।

सीमित समय के चलते यूसीसी विधेयक पर विस्तृत चर्चा और इसके पारित होने की प्रक्रिया अगले चरण में आगे बढ़ने की संभावना है।

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने संकेत दिए कि विधानसभा के अगले चरण की बैठक नवंबर के दूसरे सप्ताह में हो सकती है।

तब तक प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव संपन्न होने की संभावना है। चुनावों के बाद विधानसभा में महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार के बाद सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया जा सकता है, लेकिन सत्रावसान नहीं होने के कारण नवंबर में इसी सत्र का अगला चरण बुलाया जा सकेगा।

शुक्रवार को विधानसभा में यूसीसी विधेयक की पेशी महत्वपूर्ण रहेगी। हालांकि मौजूदा चरण में समय कम होने के कारण इसके तुरंत पारित होने को लेकर संशय है। माना जा रहा है कि सरकार अगले चरण में विधेयक पर विस्तृत चर्चा कराकर इसे पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

वहीं अनुपूरक अनुदान की मांगों पर शुक्रवार को कार्रवाई पूरी करने की तैयारी है। ऐसे में एक दिन में सिमटता यह विधानसभा चरण यूसीसी और वित्तीय प्रस्तावों के कारण राजनीतिक रूप से खासा महत्वपूर्ण रहने वाला है।

टैक्सटाइल और डेटा सेंटर को मिलेगा फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल का लाभ

जयपुर। राज्य में टैक्सटाइल एवं अपैरल, हस्तशिल्प और फूड प्रोसेसिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने के लिये रीको ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रीको के फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल के अंतर्गत अब टैक्सटाइल एवं अपैरल, हस्तशिल्प, एग्रो एवं मिल्क प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग, वूल (ऊन) प्रोसेसिंग, सेरेमिक्स एवं ग्लास, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग, पेट्रोकेमिकल उत्पाद तथा डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों को भी भूखण्ड की राशि के भुगतान हेतु 10 वर्षों की किश्त सुविधा प्रदान की जायेगी।

रीको द्वारा पूर्व में लॉजिस्टिक्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस एंड डिफेंस तथा वेस्ट प्रोसेसिंग एवं रीसाइक्लिंग क्षेत्रों के लिए फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल की सुविधा प्रदान की गई थी।फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल के अंतर्गत, आवंटित भूमि के प्रीमियम की 10 प्रतिशत राशि, जिसमें आवेदन के साथ जमा 5 प्रतिशत ईएमडी राशि समायोजित की जाती है, लेटर ऑफ ऑफर जारी होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर जमा कराना होता है। शेष 90 प्रतिशत प्रीमियम राशि का भुगतान 10 वर्षों की अवधि में 8.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के साथ वार्षिक किश्तों में किया जा सकता है। राज्य सरकार द्वारा निवेश आकर्षित करने और नए औद्योगिक अवसर विकसित करने के उद्देश्य से राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025, राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025, राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025, राजस्थान व्हीकल स्क्रैपिंग पॉलिसी-2025 तथा राजस्थान एयरोस्पेस एवं डिफेंस पॉलिसी-2026 जैसी महत्वपूर्ण नीतियां लागू की गई हैं। इन नीतियों का फायदा उठाते हुए निवेशक इन विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करने के लिये प्रोत्साहित हों, इसलिये फ्लेक्सिबल लैंड पेमेंट मॉडल में नए क्षेत्र जोड़े गये हैं।

भाजपा विधायकों का आरोप ''वंदे मातरम् के सम्मान से भागी कांग्रेस'

सदन से गायब होकर कांग्रेस कर रही है लोकतंत्र का भी अपमान : सत्ता पक्ष

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस द्वारा सदन की कार्यवाही से दूरी बनाना और वंदे मातरम् के पूर्ण गायन के दौरान सदन में उपस्थित नहीं रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म और विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस के इस रवैये को देश, मातृभूमि और लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति उसकी सोच का परिचायक बताते हुए कहा कि कांग्रेस को राष्ट्र और लोकतंत्र से अधिक केवल सत्ता से प्रेम रह गया है।

- मंत्री खर्रा, बेढ़म और पटेल ने सदन में कांग्रेस की अनुपस्थिति पर निशाना साधा

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां और वंदे मातरम् तथा मातृभूमि के प्रति उसका आचार-विचार अब पूरी तरह जनता के सामने आ गया है। वंदे मातरम् जैसे राष्ट्रभाव से जुड़े गीत के पूर्ण गायन के समय सदन से बाहर रहना कांग्रेस की राजनीतिक सोच और उसके आचरण को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इस आचरण से साफ हो गया है कि उसे मातृभूमि से प्यार नहीं है, उसे सिर्फ सत्ता में बने रहने से प्यार है। देश की जनता सब देख रही है और कांग्रेस को आने वाले समय में इसका जवाब भी देगी।

खर्रा ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का पूरा अधिकार है। विपक्ष को अपनी किसी भी नीति, विचार या मांग पर सरकार को घेरना है तो वह सदन में आए और शालीनता एवं तथ्यों के साथ अपनी बात रखे। सदन में तथ्यात्मक और तार्किक तरीके से बात रखी जाएगी तो सरकार को उस पर विचार करने के लिए विवश होना पड़ेगा, लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य चर्चा करना नहीं, केवल हंगामा खड़ा करना दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस प्रकार सदन से दूरी बनाई और बाहर प्रदर्शन का रास्ता अपनाया, उससे उसकी नीयत स्पष्ट हो गई है। जनता ने कांग्रेस को सदन में अपनी बात रखने के लिए चुना है, सदन से भागने के लिए नहीं।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि आज कांग्रेस का चाल, चेहरा और चरित्र पूरी तरह खुलकर सामने आ गया है। कांग्रेस को मालूम था कि विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही वंदे मातरम् का पूरा गीत गाना पडेगा, इसलिए उसने एक तरह से इसका बहिष्कार किया है। राष्ट्रीय गीत न गाना पड़े, इसके लिए कांग्रेस तुष्टिकरण की नीति अपनाकर एक वर्ग विशेष को खुश करने और राजस्थान की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है।

निकाय चुनाव में दम दिखाओ, राजनीतिक नियुक्तियों में मिलेगा लाभ : भजनलाल शर्मा

309 नगरीय निकायों में चुनाव से पहले भाजपा ने पार्टी नेताओं को दिया स्पष्ट संदेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में 309 नगरीय निकायों के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही भाजपा ने टिकट वितरण से लेकर चुनावी रणनीति तक पूरी मशीनरी सक्रिय कर दी है। गुरुवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व विधायक प्रत्याशियों और पार्टी के प्रमुख नेताओं से संवाद कर निकाय चुनाव को लेकर स्पष्ट संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निकाय चुनाव में जिसका प्रदर्शन बेहतर रहेगा, भविष्य में राजनीतिक नियुक्तियों में उसे प्राथमिकता मिल सकती है। उन्होंने कहा कि बोर्ड और आयोगों में नियुक्तियां इसलिए रोकी गई हैं, क्योंकि कई नेताओं की निकाय चुनाव में भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पूर्व विधायक प्रत्याशियों और पार्टी के प्रमुख नेताओं से संवाद कर निकाय चुनाव को लेकर बातचीत की।

- आगामी तीन दिन में हर वार्ड से 3 नामों का पैनल; सर्वे के बाद तय होगा टिकट
- टिकट के लिए दावेदार को देने होंगे खुद के अलावा तीन नाम, 19 बिंदुओं का प्रोफार्मा तैयार

मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायक प्रत्याशियों से कहा कि संबंधित विधानसभा क्षेत्र में वे भाजपा के लिए विधायक ही हैं। ऐसे में निकाय चुनाव को पूरी गंभीरता से लेते हुए अपने क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने और बेहतर परिणाम दिलाने के लिए पूरी ताकत झोंकें। उन्होंने संकेत दिया कि निकाय चुनाव में संगठन और पार्टी के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाने वाले नेताओं के राजनीतिक भविष्य में इसका लाभ मिल सकता है।

भाजपा ने पार्षद प्रत्याशियों के चयन के लिए इस बार अलग फॉर्मूला तैयार किया है। पार्टी ने दावेदारों के लिए 19 बिंदुओं का प्रोफार्मा तैयार किया है। इसमें टिकट मांगने वाले कार्यकर्ता को अपने नाम के साथ उसी वार्ड से तीन अन्य योग्य दावेदारों के नाम भी प्राथमिकता क्रम में देने होंगे।

पार्टी तीन दिन में सभी वार्डों से नामों का पैनल तैयार करेगी। इसके बाद इन नामों पर संगठन की रिपोर्ट, स्थानीय फीडबैक और पार्टी के सर्वे को आधार बनाकर जीतने योग्य प्रत्याशी का चयन किया जाएगा। इस प्रक्रिया के जरिए पार्टी एक ही दावेदार पर निर्भर रहने के बजाय प्रत्येक वार्ड में उपलब्ध मजबूत चेहरों का तुलनात्मक आकलन करेगी।

संगठन से लेकर आपराधिक रिकॉर्ड तक की होगी जांच

दावेदारों से संगठन में सक्रियता, भाजपा की सदस्यता, पूर्व दायित्व, चुनाव लड़ने का अनुभव, स्थानीय पकड़ और संगठन के प्रति योगदान सहित कई जानकारियां मांगी गई हैं। इसके साथ ही आपराधिक प्रकरणों का भी पूरा विवरण देना होगा। वर्तमान में कोई मुकदमा चल रहा है या पूर्व में कोई मामला दर्ज रहा है तो उसकी जानकारी भी प्रोफार्मा में देनी होगी। निकाय से संबंधित किसी बकाया राशि और पार्टी की ओर से पूर्व में की गई कार्रवाई का विवरण भी मांगा गया है। यानी टिकट देने से पहले पार्टी दावेदार की संगठनात्मक छवि के साथ उसके व्यक्तिगत रिकॉर्ड की भी पड़ताल करेगी।

'वार्ड का प्रत्याशी वार्ड में' पर जोर रहेगा

भाजपा ने स्थानीय पकड़ को टिकट चयन का महत्वपूर्ण आधार बनाने के संकेत दिए हैं। दावेदार को यह साबित करना होगा कि वह संबंधित वार्ड का निवासी है।

इसके लिए मतदाता पहचान पत्र अथवा मतदाता सूची क्रमांक की जानकारी मांगी गई है। पार्टी की कोशिश रहेगी कि जो कार्यकर्ता जिस वार्ड में रहता है, उसे सामान्य परिस्थितियों में उसी वार्ड से चुनाव लडाया जाए। हालांकि किसी अन्य वार्ड में उसकी उपयोगिता अधिक होने पर पार्टी परिस्थितियों के अनुसार फैसला कर सकती है।

पूर्व प्रत्याशियों को मिलेगी चुनावी जिम्मेदारी

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि भाजपा के पास बड़ी संख्या में ऐसे नेता और कार्यकर्ता हैं, जो पहले विधानसभा या अन्य चुनाव लड़ चुके हैं। इनके पास बूथ से लेकर वार्ड स्तर तक संगठन को समझने का अनुभव है। पार्टी निकाय चुनाव में इन नेताओं के अनुभव और संपर्कों का पूरा उपयोग करेगी। पटेल ने कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की तर्ज पर राजस्थान में भी भाजपा निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

विकास बनेगा भाजपा का मुख्य हथियार

भाजपा निकाय चुनाव में भजनलाल सरकार के कामकाज को चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। पार्टी पेयजल, रोजगार, रिफाइनरी, जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण, जल परियोजनाओं, किसान सम्मान निधि और एससी-एसटी क्षेत्रों में किए गए कार्यों को जनता तक पहुंचाएगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस के आरोपों का जवाब विकास कार्यों के आंकड़ों और उपलब्धियों के जरिए दिया जाएगा। जयपुर, जोधपुर, कोटा और अजमेर जैसे प्रमुख शहरी निकायों पर भाजपा का विशेष फोकस रहेगा।

हर निकाय के लिए अलग घोषणापत्र

प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि निकाय चुनाव के लिए घनश्याम तिवाड़ी की अध्यक्षता में 13 सदस्यीय घोषणा पत्र समिति बनाई गई है। समिति प्रत्येक निकाय की स्थानीय जरूरतों के अनुसार घोषणापत्र तैयार करेगी। पानी, सड़क, सफाई, सीवरेज, यातायात और शहरी विकास से जुड़े मुद्दों को इसमें प्राथमिकता दी जाएगी। हर निकाय में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। ये प्रभारी स्थानीय कोर कमेटी के साथ बैठक कर वार्डवार संभावित प्रत्याशियों के नाम जुटाएंगे। तीन दिन में पैनल तैयार होने के बाद सर्वे और संगठनात्मक रिपोर्ट के आधार पर टिकट वितरण की अगली प्रक्रिया शुरू होगी।

निकाय चुनाव से तय होगी अगली पारी

भाजपा के लिए इस बार निकाय चुनाव सिर्फ बोर्ड बनाने तक सीमित नहीं दिख रहा है। मुख्यमंत्री के राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर दिए संकेतों ने चुनाव की अहमियत और बढ़ा दी है। ऐसे में पूर्व विधायक प्रत्याशी, पार्टी के वरिष्ठ नेता और संगठन से जुड़े कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर कराने के लिए सक्रिय होंगे। निकाय चुनाव के बाद पंचायत चुनाव भी होने हैं। ऐसे में भाजपा निकाय चुनाव को संगठन की जमीनी ताकत परखने, नेताओं की सक्रियता मापने और आगामी पंचायत चुनाव के लिए मजबूत आधार तैयार करने के अवसर के रूप में देख रही है। टिकट की दावेदारी से ज्यादा महत्वपूर्ण वार्ड में जीत दिलाने की क्षमता होगी, निकाय चुनाव का प्रदर्शन कई नेताओं का सियासी भविष्य तय करेगा।

अधिवक्ता की सुरक्षा वापस लेने पर पुलिस कमिश्नर को नोटिस

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश पर वकील को मिली हुई सुरक्षा को वापस लेने के मामले में जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल को अवमानना नोटिस जारी कर 2 सितंबर तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह निर्देश अधिवक्ता आरएस राघव की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याचिका में बताया कि याचिकाकर्ता अधिवक्ता 2014 से मार्च 2019 तक हाईकोर्ट में लोक अभियोजक के तौर पर कार्यरत रहे थे। उस दौरान एक जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान उनके विरोध करने पर आरोपी पक्ष ने उन्हें धमकी दी थी। जिस पर राघव ने हाईकोर्ट से उन्हें सुरक्षा दिलवाए जाने का आग्रह किया। हाईकोर्ट ने 20 अगस्त 2015 के आदेश से प्रार्थी को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कहा, लेकिन अदालत के उन्हें सुरक्षा जारी रखने के स्पष्ट निर्देश होने के बावजूद उनकी सुरक्षा वापस ली गई। जबकि सुरक्षा संबंधी आदेश बाद में न तो संशोधित किया गया है और न ही वापस लिया गया।

इस संबंध में 5 जून 2026 को पुलिस को अभ्यावेदन देने पर भी उनकी सुरक्षा बहाल नहीं की गई। इसके बावजूद याचिकाकर्ता की सुरक्षा बहाल नहीं की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने पुलिस कमिश्नर को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

कोटपूतली थाने का एसआई 3500 रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

सत्यापन के दौरान आरोपी उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने परिवादी से 1500 रुपये एडवांस के रूप में ले लिए थे

कोटपूतली, (निसं)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरूवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर अलवर प्रथम चौकी की टीम ने कोटपूतली पुलिस थाने में तैनात उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह को परिवादी से 3500 रुपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह पूरी कार्रवाई एसीबी के डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन में अंजाम दी गई।

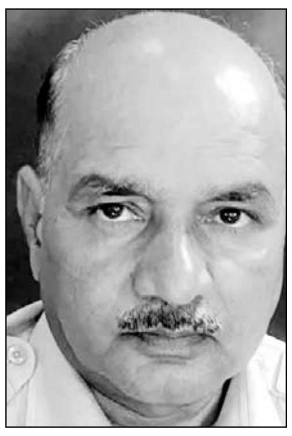

आरोपी उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह

- बैंक के खिलाफ थाने में दर्ज मुकदमे में कार्रवाई करने और मदद की एवज में एसआई ने परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी

परिवादी ने अदालत के माध्यम से बैंक के खिलाफ कोटपूतली थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मामले की जांच आरोपी उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह के पास थी। प्रकरण में आगे की कानूनी कार्रवाई करने और मदद की एवज में आरोपी एसआई परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत मांगकर लगातार परेशान कर रहा था। परेशान होकर परिवादी ने इसकी शिकायत एसीबी चौकी अलवर में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर बुधवार को रिश्वत की मांग का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान आरोपी राजेंद्र सिंह ने परिवादी से 1500 रुपये एडवांस के रूप में ले लिए और शेष 3500 रुपये गुरुवार को देना तय हुआ। गुरूवार को जैसे ही परिवादी बकाया राशि देने पहुंचा, उप अधीक्षक पुलिस शब्बीर खान के नेतृत्व में गठित एसीबी टीम ने आरोपी एसआई को 3500 की नकदी के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई है और थाने में अग्रिम अनुसंधान जारी है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में कोटपूतली-बहरोड़ ईलाके में इस सप्ताह यह दूसरी बड़ी ट्रैप कार्यवाही की गई है। इससे पहले एसीबी ने विराटनगर में तहसीलदार संजय कुमार, कनिष्ठ सहायक देवीलाल व एक दलाल अशोक को 55 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था।

अजमेर के दर्जी को आयकर विभाग ने 975 करोड़ की देनदारी का नोटिस दिया

62 वर्षीय दर्जी रेखराज के नाम सूरत की हीरा कंपनियों में निदेशक होने का दावा, पैन कार्ड के दुरुपयोग का आरोप

अजमेर, (कासं)। महीने में करीब 15 हजार रुपये कमाने वाले अजमेर के 62 वर्षीय दर्जी को आयकर विभाग की ओर से 974.97 करोड़ रुपये की कर वसूली का नोटिस मिलने से हड़कंप मच गया। गोविंदगढ़ निवासी रेखराज ठाड़ा का दावा है कि किसी ने उनके पैन कार्ड का दुरुपयोग कर सूरत में फर्जी कंपनियां बनाई और उन्हें कंपनियों का निदेशक बना दिया।

- दर्जी रेखराज ने बताया कि वे वर्ष 2009 से जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता हैं और आयकर विभाग से उन्हें हर साल करीब पांच हजार रुपये का रिफंड मिलता रहा है
- रेखराज का कहना है कि वे अपने पूरे जीवन में गुजरात तक नहीं गए, उन्होंने जब अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट से मामले की जानकारी कराई तो पता चला कि सूरत की एक अन्य हीरा कंपनी 'जय बाबेरी डायम' में भी उनका नाम निदेशक के रूप में दर्ज है

रेखराज गोविंदगढ़ के बड़ा बाजार में किराये की छोटी दुकान में सिलाई का काम करते हैं। इसके अलावा वे जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता भी हैं। दोनों कामों से उन्हें कुल मिलाकर करीब 15 हजार रुपये प्रतिमाह की आय होती है। ऐसे में जब 13 अगस्त को सूरत आयकर विभाग का नोटिस उनके घर पहुंचा तो पूरा परिवार हैरान रह गया। नोटिस में उन्हें सूरत की 'रूप रजत डायम' नामक हीरा कंपनी का निदेशक बताया गया और करीब 975 करोड़ रुपये की कर देनदारी का उल्लेख किया गया। रेखराज का कहना है कि वे अपने पूरे जीवन में गुजरात तक नहीं गए। उन्होंने जब अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट से मामले की जानकारी कराई तो पता चला कि सूरत की एक अन्य हीरा कंपनी 'जय बाबेरी डायम' में भी उनका नाम निदेशक के रूप में दर्ज है।

रेखराज के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके पैन कार्ड का गलत इस्तेमाल कर फर्जी कंपनियां बनाई हैं। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 2009 से जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता हैं और आयकर विभाग से उन्हें हर साल करीब पांच हजार रुपये का रिफंड मिलता रहा है। ऐसे में अचानक इतनी बड़ी कर देनदारी का नोटिस मिलने से वे और उनका परिवार सदमे में हैं। उन्होंने नोटिस का जवाब ई-मेल के माध्यम से भेज दिया है। इसके बाद रेखराज अपने बेटों के साथ पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने अजमेर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण से मदद की गुहार लगाई। पुलिस ने शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अजमेर के पूर्व महापौर धर्मेंद्र गहलोत ने भाजपा छोड़ी

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के पूर्व महापौर धर्मेंद्र गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर जिले की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। गहलोत ने आगामी नगर परिषद चुनाव के तहत नागौर चुनाव प्रबंधन प्रभारी का दायित्व संभालने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने वीडियो बयान जारी कर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष व अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी पर राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग कर दबाव बनाने और उनकी छवि खराब करने के आरोप लगाए हैं।

- धर्मेंद्र गहलोत ने वीडियो बयान जारी कर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पर राजनीतिक प्रभाव का दुरुपयोग कर दबाव बनाने और छवि खराब करने के आरोप लगाए
- गहलोत ने आगामी नगर परिषद चुनाव के तहत नागौर चुनाव प्रबंधन प्रभारी का दायित्व संभालने से भी इनकार किया

धर्मेंद्र गहलोत ने कहा कि स्वायत्त शासन विभाग की ओर से हाल ही में उनके खिलाफ दो मामलों में कार्रवाई से संबंधित पत्र जारी किए गए हैं। इनमें एक मामले में धारा 17-ए के तहत अभियोजन और जांच की अनुमति दी गई है, जबकि दूसरे मामले में नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। पूर्व महापौर के अनुसार इनमें से एक शिकायत वर्ष 2021 की है, जब वे महापौर पद पर भी नहीं थे। दूसरा मामला उनके महापौर कार्यकाल से जुड़ा करीब छह से सात वर्ष पुराना है। उनका आरोप है कि चुनावी माहौल के बीच पुराने मामलों को सामने लाकर उनके ऊपर राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि उनके और वासुदेव देवनानी के बीच लंबे समय से वैचारिक और राजनीतिक मतभेद रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देवनानी की कार्यशैली विरोधियों को दबाने की रही है। गहलोत ने कहा कि वे किसी भी दबाव के आगे झुकने वाले नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि भाजपा संगठन ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें नागौर चुनाव का प्रबंधन प्रभारी बनाया था, जिसके लिए उन्होंने प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया। हालांकि उनका कहना है कि सरकारी विभाग की ओर से जारी पत्रों और जांच के चलते आगामी चुनाव में विपक्ष को भाजपा पर सवाल उठाने का अवसर मिल सकता है। इसी को देखते हुए उन्होंने कहा कि दो नेताओं की आपसी राजनीतिक लड़ाई के कारण पार्टी कटघरे में न खड़ी हो, इसलिए उन्होंने भारी मन से भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। साथ ही प्रदेश नेतृत्व से अनुरोध किया है कि मामलों का निस्तारण होने तक उन्हें नागौर प्रभारी सहित संगठन के सभी दायित्वों से मुक्त रखा जाए।

गड्ढे में भरे पानी में बच्चा डूबा, मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में भूखण्ड में खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में डूबने से बच्चे की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम की मदद से मृतक बच्चे को बाहर निकाला।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार सांय सुखेर थाना क्षेत्र केशव नगर रूपसागर रोड़ पर स्थित भूखण्ड पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान खोदे गए गड्ढे में भरे बरसाती पानी में डूबने से खाकड़ झाड़ोल हॉल उदयपुर निवासी तेजाराम गमेती (7) पुत्र रतन गमेती की मौत हो गई। मौके पर निर्माणाधीन काम्प्लेक्स के लिए गड्ढा खोद रखा था। जिसमें बरसाती पानी भरा हुआ था।

वहां खेलते-खेलते बच्चा तेजाराम गया तो पांव फिसलने पर वह पानी में गिरने के बाद डूब गया। इसको देख उसकी बहन ने परिजनों को सूचना दी। जहां सुखेर थाना एसआई अमरसिंह ने मौके पर पहुंच कर नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम की मदद से मृतक बच्चे को बाहर निकाल एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया, जिसका शुक्रवार को पोस्टमार्टम होगा।

बूंदी में डिलीवरी के बाद प्रसूता की तबियत बिगड़ी, कोटा में उपचार के दौरान मौत

कोटा, (निसं)। बूंदी अस्पताल में डिलीवरी के बाद महिला की तबीयत बिगड़ने पर कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रैफर किया गया, जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

- महिला की तबीयत बिगड़ने पर कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रैफर किया था
- मृतका के परिजनों ने बूंदी में ऑपरेशन के दौरान उपचार में लापरवाही का आरोप लगा शिकायत दी है

जानकारी के अनुसार पनवाड़ निवासी महिला को 17 अगस्त को बूंदी के चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां ऑपरेशन के जरिये डिलीवरी के दौरान महिला ने बच्ची को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद महिला की तबीयत बिगड़ने लगी, जिस पर महिला को उपचार के लिये कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिये रैफर किया गया, जहां महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

बूंदी कोतवाली के एएसआई देशराज चौधरी ने बताया कि मृतका टोंक जिले के पनवाड़ निवासी सोनिया सैनी (24) थी। एएसआई ने बताया कि 17 अगस्त को महिला सोनिया सैनी को परिजनों ने डिलीवरी के लिये बूंदी के चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां 18 अगस्त को ऑपरेशन के जरिये डिलीवरी कराई गई और महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद तबीयत बिगड़ने पर महिला को कोटा रैफर कर न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल मे भर्ती किया गया था, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। एएसआई ने बताया कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के परिजनों ने बूंदी में ऑपरेशन के दौरान उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दी है। परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

साइबर ठगी के मामले दर्ज

उदयपुर, (निसं)। साइबर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में आरोपियों के खिलाफ पीड़ित के बैंक खाते से नकदी निकाल हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित रमेश पुत्र नाथजी कलाल निवासी भुदरवर्दा ऋषभदेव ने साइबर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 9 अगस्त से 11 अगस्त तक मेरे बैंक खाते से यूपीआई से 2 लाख 89 हजार 996 रूपये निकाल लिए गए। कुछ दिन बाद बैंक बैलेंस चैक करने के दौरान इसका खुलासा हुआ।

- साइबर पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरु की

इसी तरह डॉ. जियाउद्दीन शेख पुत्र जिर्मीउद्दीन कुरैशी निवासी किशनपोल गोवर्मेंट प्रेस के पास सूरजपोल ने प्रकरण दर्ज करवाया कि मैंने एक्सीस बैंक क्रेडिट कार्ड से लिमीट ले रखी थी। जिसका उपयोग नहीं करने पर किसी व्यक्ति ने फोन कर एतराज किया। इस दौरान 11 अगस्त को उसने मैसेज भेजा उसे अपडेट करने के बाद मेरे खाते से 2 लाख 49 हजार 109 रूपये मेरे खाते से निकल गए। मैसेज मिलने पर साइबर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया।

आठ माह से लापता बालिका भीलवाड़ा से दस्तयाब

कोटा, (निसं)। मानव तस्करी विरोधी यूनिट ने कार्यवाही करते हुए आठ माह से लापता 17 वर्षीय नाबालिग को भीलवाड़ा से दस्तयाब किया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 10 जनवरी को फरियादी ने अपनी नाबालिग पुत्री के घर से बिना बताये चले जाने के सम्बन्ध में शहर के एक थाने में रिपोर्ट दी।

शहर एसपी ने बताया कि नाबालिग बालिका की तलाश के लिये मानव तस्करी विरोधी यूनिट प्रभारी मीनाक्षी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, टीम द्वारा बालिका की तलाश कर तकनीकी अनुसंधान के आधार पर कोटा, हिन्डोली, निवाई, जयपुर में लगातार तलाश किया गया। 19 अगस्त को तकनीकी अनुसंधान से बालिका के भीलवाड़ा में होने की जानकारी मिलने पर टीम को रवाना किया गया। टीम द्वारा भीलवाड़ा पहुंचकर शहर में सभी संभावित स्थानों पर निरन्तर तलाश किया गया। तलाश में अपहृता बालिका के माली खेड़ा क्षेत्र में मिलने पर साथ लेकर आये तथा प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान कार्यवाही हेतु थानाधिकारी को सुपुर्द किया गया।

त्योहारों से पहले पावटा में खाद्य विभाग की कार्रवाई

पावटा, (निसं)। त्योहारों के सीजन में आमजन की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। जिला कलेक्टर के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम ने पावटा क्षेत्र में मिठाई की दुकानों और खाद्य कारोबार प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कई खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। कार्रवाई के दौरान 25 किलोग्राम पुरानी एवं दूषित मिठाइयां मिलने पर उन्हें मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

- 25 किलो पुरानी व दूषित मिठाइयां मौके पर ही नष्ट कराई
- खाद्य विभाग की टीम ने कई प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

खाद्य सुरक्षा टीम ने पावटा में मैसर्स शिवम बेकरी रसगुल्ला भंडार का निरीक्षण कर रसगुल्ले के नमूने लिए। वहीं मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार से मलाई बर्फी, मिल्क केक और मिश्री मावा के नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर संबंधित मिष्ठान कारोबारियों को नोटिस जारी किए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य कारोबारियों को नियमों का पालन करना अनिवार्य है और बिना खाद्य अनुज्ञा-पत्र या रजिस्ट्रेशन के कारोबार करते पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक व नकदी चोरी, मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ बाइक मय नकदी चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया। पीड़ित सुरेश पुत्र खुमा पूर्बीया निवासी आजना डबोक ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि सांगवा खेमली में श्रीसांवरिया नाम से ढाबा का संचालन करता हूं। 18 अगस्त को मेरी बाइक ढाबे पर खड़ी थी तथा बाइक के बैग में नकदी रखी थी। कुछ समय बाद देखा तो बाइक मय नकदी गायब थी। वहीं शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने पीड़िता सज्जन देवी पत्नी शिवलाल सुहालका निवासी सुन्दरवास की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ मकान का ताला तोड़ कर सामान व जेवर चुराने का प्रकरण दर्ज किया।

दो बहनों को जोधपुर के होटल में ले गई युवती, तीन युवकों ने रेप किया

युवती ने दोनों बहनों को ननिहाल छोड़ने और सस्ते कपड़ों की सेल में ले जाने का झांसा दिया था

बीकानेर, (निसं)। एक युवती स्कूल में पढ़ने वाली दो नाबालिग बहनों को ननिहाल छोड़ने और सस्ते कपड़ों की सेल में ले जाने का झांसा देकर जोधपुर ले गई। वहां होटल में दोनों बहनों के साथ कई युवकों ने दुष्कर्म किया। उनका अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया। यह सनसनीखेज मामला सामने आने पर जोधपुर के महामंदिर पुलिस थाने में जीरो नंबरी एफआईआर दर्ज कर नोखा थाने में भेजी गई है।

- मामला सामने आने पर जोधपुर के महामंदिर पुलिस थाने में जीरो नंबरी एफआईआर दर्ज कर नोखा थाने में भेजी गई

पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि 19 जुलाई को नोखा क्षेत्र निवासी एक युवती अपनी परिचित और स्कूल में पढ़ने वाली 14 और 15 साल की बहनों को अपने साथ ले गई। दोनों को घुमाने और कपड़ों की सेल में खरीदारी का लालच देकर ट्रेन से जोधपुर पहुंची। जोधपुर के एक होटल में युवती ने अपने तीन परिचित युवकों को पहले से बुला रखा था। होटल के कमरे में दोनों बहनों को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया, जिससे वे बेसुध हो गईं। उसके बाद आरोपियों ने दोनों नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म किया और आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बना लिए। होश में आने पर आरोपियों ने दोनों बहनों को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर डराया-धमकाया। इसके बाद पीड़िताएं किसी तरह अपने घर पहुंचीं। कुछ दिन बाद मुख्य आरोपी युवती ने दोनों बहनों पर दोबारा जोधपुर आकर युवकों से मिलने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और बात न मानने पर अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दी। डरी-सहमी पीड़ित बहनों ने पूरी आपबीती अपनी रिश्तेदार को बताई और उसके बाद परिजनों ने जोधपुर के महामंदिर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। वहां जीरो नंबरी एफआईआर दर्ज कर नोखा पुलिस थाने भेजी गई है।

एसएचओ गोविन्दसिंह चारण ने बताया कि नामजद युवती व अन्य युवकों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं सहित पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सीकाउ के डीवाईएसपी दीपचंद करेंगे। पुलिस टीम संदिग्धों की तलाश और साक्ष्य जुटाने में लगी है।

हाईकोर्ट ने शारीरिक परीक्षा से वंचित अभ्यर्थियों को राहत दी

उपनिरीक्षक और प्लाटून कमांडर भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल नहीं हो पाने का मामला

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने उपनिरीक्षक और प्लाटून कमांडर भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल नहीं हो पाने वाले अभ्यर्थियों को एक बार फिर परीक्षा देने का मौका दिया। अदालत ने बीमारी, शारीरिक चोट, गर्भावस्था और भारी बारिश जैसी वास्तविक और अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण परीक्षा से वंचित रहे अभ्यर्थियों के लिए सितंबर 2026 में दोबारा शारीरिक दक्षता परीक्षा कराने का निर्देश दिया।

- बीमारी, गर्भावस्था और भारी बारिश के कारण शारीरिक परीक्षा छूटी तो राजस्थान हाईकोर्ट ने एक और मौका दिया
- दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को आयोजन से होने वाले खर्च के लिए 10 हजार रुपये जमा करने होंगे

जस्टिस समीर जैन की पीठ ने स्पष्ट किया कि यह राहत केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगी, जो निर्धारित तारीख पर वास्तविक और उचित कारणों से परीक्षा में उपस्थित नहीं हो सके। दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को आयोजन से होने वाले खर्च के लिए 10 हजार रुपये जमा करने होंगे। हालांकि, वैध गरीबी रेखा से नीचे की श्रेणी के अभ्यर्थियों को इस राशि से छूट दी गई।

अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया के पहले चरण में सफलता हासिल कर ली थी लेकिन वास्तविक और अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण निर्धारित तारीख पर शारीरिक दक्षता परीक्षा में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा सके थे। अभ्यर्थियों ने एक और अवसर देने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी बताया गया कि इन पदों पर भर्ती करीब नौ साल बाद हो रही है। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था, उन्हें केवल ऐसी परिस्थितियों के कारण बाहर करना उचित नहीं होगा, जिन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था। राज्य सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर दोबारा परीक्षा कराने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं करनी पड़ेंगी और भारी खर्च होगा। राज्य की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि सार्वजनिक परीक्षाओं में व्यक्तिगत मामलों को व्यापक जनहित पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसा करने से चयन प्रक्रिया लगातार चलने वाली प्रक्रिया बन सकती है।

हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करते हुए भर्ती में करीब नौ साल के अंतराल और इस तथ्य को महत्वपूर्ण माना कि भर्ती प्रक्रिया का तीसरा चरण अभी शुरू नहीं हुआ। ऐसे में किसी तीसरे पक्ष के अधिकार भी अंतिम रूप से तय नहीं हुए। अदालत ने यह भी माना कि याचिकाकर्ताओं पर जानबूझकर परीक्षा से अनुपस्थित रहने का कोई आरोप नहीं है। इसके अलावा, उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में जानबूझकर अनुपस्थित रहने से कोई लाभ मिलने वाला भी नहीं था। जस्टिस समीर जैन ने कहा, न्याय के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संतुलित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। अदालत ने माना कि अभ्यर्थियों की अनुपस्थिति वास्तविक और अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण हुई। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि शारीरिक दक्षता परीक्षा दोबारा आयोजित करने का केवल एक अवसर दिया जाता है तो इससे किसी पक्ष को कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा। हालांकि, इससे आयोजन करने वाले प्राधिकरण पर अतिरिक्त प्रशासनिक और आर्थिक बोझ पड़ेगा। इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए अदालत ने दोबारा परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों पर 10 हजार रुपये का खर्च डालने का फैसला किया। अदालत ने निर्देश दिया कि शारीरिक दक्षता परीक्षा सितंबर 2026 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित केंद्र पर दोबारा आयोजित की जाए। इस अवसर का लाभ केवल वे याचिकाकर्ता उठा सकेंगे, जो निर्धारित समय के भीतर संबंधित प्राधिकरण से संपर्क करेंगे।

डूंगरपुर में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पीहर पक्ष ने मौत पर संदेह जताया, 5 साल पहले हुई थी शादी

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के भेहणा गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पीहर पक्ष ने इस मौत पर संदेह जताया है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जांच अब उपखंड अधिकारी द्वारा की जाएगी।

- पुलिस ने मामला दर्ज किया, आगे की जांच एसडीएम द्वारा की जाएगी

बिछीवाड़ा थाने के संतोष कुमार ने बताया कि जुड़ा गांव निवासी बेचर आमलिया ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपनी 27 वर्षीय बेटी नर्वदा की शादी वर्ष 2021 में भेहणा निवासी देवीलाल डामोर के साथ की थी। बेचर आमलिया ने बताया कि उन्हें अचानक फोन पर सूचना मिली कि उनकी बेटी की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई है। मृतका के पिता का आरोप है कि घटना की सही सूचना पीहर पक्ष को समय पर नहीं दी गई। जब वे डूंगरपुर अस्पताल पहुंचे, तो परिजनों के आने से पहले ही ससुराल पक्ष के लोगों ने नर्वदा के शव को मुर्दाघर में रखवा दिया था। परिजनों का कहना है कि ससुराल पक्ष के इस रवैये और जानकारी छिपाने के कारण उन्हें किसी बड़ी अनहोनी या साजिश का अंदेशा है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम करवाया और फिर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जिसकी आगे की पड़ताल एसडीएम द्वारा की जाएगी।

सीकर और खाटूश्यामजी से तीन बाइक चोरी

सीकर। सीकर में प्रिंस हॉस्पिटल के सामने से बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। सांवरमल गुर्जर ने गोकुलपुरा पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया, जिसमें उन्होंने बताया कि 16 अगस्त की शाम उनकी बाइक चोरी हो गई। घटना 16 अगस्त शाम की है। मामले में पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। वहीं खाटूश्यामजी में तोरण द्वार सहित दो जगह से बाइक चोरी की वारदात सामने आई है। लवलेश सामरिया की बाइक तोरण द्वार के पास से 16 अगस्त की शाम को गायब हो गई थी, जबकि रोहिताश जाट की बाइक शनि मंदिर के पास से 18 अगस्त की सुबह गायब मिली। दोनों ने इस मामले में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corp.
Kaushal Bhawan, J-8-B, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004

Notice Inviting RFP for Selection of Service provider for providing services of the Migration Support Centre to Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation (RSLDC) under DDU-GKY

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation (RSLDC) invites proposals from eligible organizations agencies against RFP for Selection of Service provider for providing services of the Migration Support Centre under Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana (DDUGKY). The last date for submission of online proposal is 07-Sept.-2026 till 18:00 Hrs on **https://eproc.rajasthan.gov.in/ nicgep/app** and submit original hard copy of Bid security Demand Draft to RSLDC office by 08-Sept.-2026 till 12:00 Hrs. For further details of RFP and Process visit and RSLDC website- **https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/#/home/dptHome, https://eproc.rajasthan.gov.in/nicgep/app** and **https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/index.php.**

Raj.Samwad/C/26/10366 — Managing Director, RSLDC

घरेलू विवाद में कुल्हाड़ी से हमला कर पिता की हत्या

सांगानेर सदर क्षेत्र के गोविंदपुरा इलाके का मामला, शव ठिकाने लगाने से पहले बेटा-मां पुलिस के हत्थे चढ़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सांगानेर सदर थाना इलाके के गोविंदपुरा में घरेलू विवाद के चलते 45 वर्षीय बेटे सवाई राम जाट ने अपने 75 वर्षीय पिता जगदीश जाट की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को करीब एक दिन घर में छिपाए रखा। दूसरे दिन गांव टोडारायसिंह ले जाकर अंतिम संस्कार करने के लिए टैक्सी बुलाई, लेकिन शव से बदबू आने पर चालक को शक हो गया और उसने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी शव को घर के पास खाली प्लॉट में ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था।

डीसीपी दक्षिण राजर्षिराज वर्मा ने बताया कि मृतक जगदीश जाट टोडारायसिंह का रहने वाला था और गोविंदपुरा में पत्नी सजनी व छोटे बेटे सवाई राम के साथ रहता था। पुलिस ने सवाई राम और मौके पर मौजूद उसकी मां सजनी को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सवाई राम ने हत्या करना स्वीकार किया है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पिता शराब पीने के बाद आए दिन परिवार से झगड़ा करते थे। 18 अगस्त की रात भी दोनों के बीच कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर गुस्से में सवाई राम ने कुल्हाड़ी से पिता के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। उस समय मां सजनी भी घर पर मौजूद थी। हत्या के बाद सवाई राम ने शव को कंबल में बांधकर घर में छिपा दिया। शव ठिकाने लगाने के लिए जगह नहीं मिलने पर उसने गांव ले जाकर अंतिम संस्कार करने की योजना बनाई। गुरुवार सुबह टैक्सी बुलाकर चालक को पिता की मौत की बात बताई। शव से बदबू आने पर चालक को संदेह हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी शव को पास के खाली प्लॉट में फेंकने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। मौके पर एफएसएल टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि जगदीश, उसकी पत्नी सजनी और दोनों बेटे पहले भी परिवार की बहू की हत्या के मामले में आरोपी रह चुके हैं। पुलिस के अनुसार वर्ष 2022/2024 में दर्ज इस मामले में परिवार के चारों सदस्य जेल गए थे। जगदीश, सजनी और सवाई राम करीब चार माह पहले जमानत पर बाहर आए थे, जबकि बड़ा बेटा अभी जेल में है। पुलिस मौजूदा हत्या के साथ पुराने मामले की भी विस्तृत जांच कर रही है।

■ शव कंबल में बांधकर गांव ले जाकर अंतिम संस्कार करने की तैयारी थी, टैक्सी चालक ने शक होने पर पुलिस को सूचना दी तो मामला खुला

‘पिछले चार वर्ष में प्रदेश में टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या 29 से बढ़कर 6547 हुई’

स्क्रीनिंग, जांच-उपचार में तेजी लाकर ‘‘टीबी मुक्त राजस्थान’’ का लक्ष्य हासिल करें : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के प्रयासों को और गति दी जाए। इसके लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार को सघन करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जिला स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव गुरुवार को शासन सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने टीबी की समय पर पहचान के लिए एक्स-रे मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की कार्यप्रणाली से सीख लेते हुए अन्य जिलों में भी प्रभावी कार्ययोजना के साथ परिणामों में सुधार लाया जाए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने माय भारत स्वयंसेवकों को अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने, एनसीसी कैडेट्स की ब्लॉक स्तर तक भागीदारी बढ़ाने तथा एएनएम, आशा सहयोगिनी और सीएचओ सहित जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्मिकों की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार कर कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग गायत्री राठौड ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 29 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई थीं। यह संख्या वर्ष 2023 में बढ़कर 586, वर्ष 2024 में 3350 तथा वर्ष 2025 में 6547 तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश में 2 करोड़ 38 लाख 43 हजार 583 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है तथा टीबी रोगियों को 2 लाख 4 हजार 888 पोषण किट वितरित की गई हैं। वर्ष 2026 में एक्स-रे उपयोग लक्ष्य के मुकाबले 83 प्रतिशत तक पहुंचा है। राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में टीबी जांच के लिए 643 लैब, 132 हैंड-हेल्ड एक्स-रे यूनिट और 652 फिक्स्ड एक्स-रे मशीनें उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान 3 लाख 29 हजार से अधिक टेस्ट और 35 लाख 87 हजार से अधिक एक्स-रे किए गए हैं। बैठक में एनएचएम के मिशन निदेशक डॉ. जोगा राम सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती की 3 साल पुरानी विसंगति दूर

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती से जुड़ी करीब तीन वर्ष पुरानी तकनीकी विसंगति के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अधिकारियों को पात्र अभ्यर्थियों के हित सुरक्षित रखते हुए भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं नियमसम्मत तरीके से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, सितंबर 2023 में सेवा नियमों में संशोधन के दौरान डीजीटी के 30 जून 2023 के दिशा-निर्देश शामिल नहीं किए जाने से कुछ ट्रेडों में सीआईटीएस योग्यता को लेकर पात्रता की स्थिति स्पष्ट नहीं रही। इसके चलते भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुछ अभ्यर्थियों की नियुक्ति को लेकर कानूनी जटिलता उत्पन्न हुई। राज्य सरकार ने पूरे मामले की कानूनी समीक्षा के बाद 19 अगस्त 2026 को आदेश जारी कर आगे की प्रक्रिया निर्धारित की है। सीआईटीएस योग्यता अनिवार्य वाले ट्रेडों में पहले सीआईटीएस धारक अथवा डीजीटी से अनुमोदित समकक्ष प्रमाण-पत्र रखने वाले अभ्यर्थियों को आरएसएसबी की ट्रेडवार, टीएसपी/नॉन-टीएसपी और श्रेणीवार मेरिट के आधार पर दस्तावेज एवं पात्रता सत्यापन के बाद नियुक्ति का अवसर मिलेगा। मुख्य सूची के बाद प्रतीक्षा सूची से भी नियुक्तियां की जाएंगी। यदि इसके बाद भी रिक्तियां बचती हैं तो डीजीटी दिशा-निर्देशों के अनुरूप गैर-सीआईटीएस अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर अनंतिम नियुक्ति का अवसर दिया जाएगा।

करीब 2500 जूनियर इंस्ट्रक्टर पदों की भर्ती में अब तक लगभग 1,160 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जा चुकी है। करीब 450 अभ्यर्थियों की अनुशंसा आरएसएसबी को भेजी गई थी, जिनमें से लगभग 110 अभ्यर्थियों का परिणाम 17 अगस्त को जारी हुआ है। नई व्यवस्था से करीब 400 अभ्यर्थियों के चयन की संभावना है। इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 850 युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। विभाग ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित नियुक्तियां संबंधित न्यायिक प्रकरणों के अंतिम परिणाम के अधीन रहेंगी। सरकार का प्रयास है कि तकनीकी या प्रशासनिक विसंगति का खामियाजा पात्र युवाओं को न भुगतना पड़े और न्यायालय के निर्देशों का सम्मान करते हुए भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाए।

रोडवेज के तत्कालीन प्रबंध निदेशक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश

श्रम न्यायालय ने दो आई.ए.एस. का वेतन रोकने के आदेश भी दिए

जयपुर (कासं)। जयपुर मेट्रो-द्वितीय के श्रम न्यायालय-1 ने रोडवेज बस कंडक्टर के साप्ताहिक अवकाश पर किए काम व ओवरटाइम का बकाया नहीं देने पर सख्ती दिखाते हुए रोडवेज के तत्कालीन प्रबंध निदेशक (जुलाई-2021 से जून 2022) के खिलाफ संबंधित एसएचओ को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वे कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के वेतन से सीधे कटौती कर मूल बकाया का 12 फीसदी वार्षिक ब्याज व्यक्तिगत रूप से वसूलें और पूरी बकाया राशि की वसूली नहीं होने तक उनका वेतन रोके।

अदालत ने आरएसआरटीसी के मौजूदा प्रबंध निदेशक के वेतन से भी कटौती कर अतिरिक्त 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की वसूली की जाए व वसूली पूरी होने तक उनका वेतन भी रोके। श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता ने यह आदेश सीताराम की ओर से दायर याचिका पर दिए।

■ मामले के अनुसार याचिकाकर्ता सीताराम ने साल 1996 से 2013 के बीच के 124 साप्ताहिक अवकाश के दिनों में काम किया था। जिसका नियमानुसार दोगुना ओवरटाइम भुगतान देय था, लेकिन रोडवेज ने उसे राशि का भुगतान नहीं किया।

न्यायालय ने आदेश की कॉपी केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजकर तत्कालीन प्रबंध निदेशक के खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने और हाईकोर्ट को रेफरेंस भेजकर उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के लिए भी कहा है। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी श्रमिक से निर्धारित मजदूरी का भुगतान किए बिना ओवरटाइम काम कराना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत बेगार और जबरन श्रम के समान है। न्यायालय ने पालना रिपोर्ट एक सितंबर 2026 को पेश करने के लिए कहा है।

मामले के अनुसार याचिकाकर्ता सीताराम ने साल 1996 से 2013 के बीच के 124 साप्ताहिक अवकाश के दिनों में काम किया था। जिसका नियमानुसार दोगुना ओवरटाइम भुगतान देय था, लेकिन रोडवेज ने उसे राशि का भुगतान नहीं किया। भुगतान दिलवाने के लिए उसने 2018 में श्रम न्यायालय में गुहार लगाई। जून 2026 में न्यायालय ने 109740 रुपए ब्याज सहित भुगतान के आदेश दिए थे। लेकिन रोडवेज ने उसे केवल 13,076 रुपए का ही आंशिक भुगतान किया।

चंडीगढ़ से गुजरात जा रही 60 लाख की शराब पकड़ी

जयपुर । अवैध शराब तस्करी पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कार्रवाई करते हुए चित्तौड़गढ़ के मंगलवाड़ थाना क्षेत्र में 60 लाख रुपए की शराब जब्त की है। टीम ने शराब से भरे मिनी ट्रक को पकड़कर चालक को गिरफ्तार किया।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी की टीम को सूचना मिली थी कि चंडीगढ़ से दिल्ली होते हुए गुजरात के लिए अवैध शराब की बड़ी खेप भेजी जा रही है। इस पर 18 अगस्त को मंगलवाड़ क्षेत्र में संदिग्ध मिनी ट्रक की घेराबंदी कर तलाशी ली गई। ट्रक से विभिन्न ब्रांड की 505 कार्टन शराब बरामद हुई। इनमें रॉयल चैलेंजर के 173, पार्टी स्पेशल के 180, किंगफिशर बीयर के 120, चार्ली व्हिस्की के 25 और ऑल सिजन के 7 कार्टन शामिल हैं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपए बताई गई है। एसओजी की टीम ने ट्रक चालक रिंकू (25) निवासी भिवानी हरियाणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर शराब तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

बावड़ी में डूबे पदयात्री को कांस्टेबल ने बचाया

जयपुर (कासं)। श्री डिग्गी कल्याण जी महाराज की 61वीं लक्खी पदयात्रा के दौरान गुरुवार को जयपुर ग्रामीण जिले के फागी में बड़ा हादसा टल गया। जहां सीतारामजी मंदिर के पास बावड़ी में नहाते समय पैर फिसलने से 18 वर्षीय पदयात्री गहरे पानी में डूबने लगा। वहां मौके पर तैनात कांस्टेबल ने वर्दी में ही बावड़ी में छलांग लगाकर उसकी जान बचा ली।

कांस्टेबल मुकेश कुमार

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि गोविंदगढ़ के निवाना निवासी दिव्यांश (18) पदयात्रा में शामिल था। फागी में सीताराम जी मंदिर के पास बावड़ी की सीढ़ियों पर नहाते समय अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में जा गिरा। उसे डूबता देखकर पदयात्रियों ने शोर मचाकर मदद मांगी। आवाज सुनकर पदयात्रा की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय दूदू के कांस्टेबल मुकेश कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए वर्दी सहित बावड़ी में छलांग लगा दी और कड़ी मशक्कत के बाद दिव्यांश को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कांस्टेबल की तत्परता और साहस की मौके पर मौजूद पदयात्रियों और दिव्यांश के परिजनों ने सराहना की। पदयात्रा की सुरक्षा व्यवस्था अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा, वृत्ताधिकारी फागी अनिल कुमार डोरिया और थानाधिकारी पुष्पेन्द्र बंसीवाल की निगरानी में की जा रही है। गौरतलब है कि 61वीं डिग्गी पदयात्रा 18 अगस्त को जयपुर के ताड़केश्वर मंदिर से रवाना हुई थी और 22 अगस्त को टोंक जिले के श्री डिग्गी कल्याण मंदिर पहुंचेगी।

हरियाणा में 23 को गूंजेगा ‘‘संगठन शक्ति’’ का संदेश

चंडीगढ़/गुरुग्राम । हरियाणा भाजपा 23 अगस्त को प्रदेश के सभी शक्ति केंद्रों पर एक साथ ‘‘टिफिन बैठक’’ आयोजित करेगी। दोपहर 12 से 3 बजे तक होने वाली इन बैठकों में प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी ने इसे बूथ सशक्तीकरण, कार्यकर्ता संवाद और संगठन विस्तार के अभियान के रूप में तैयार किया है।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक हुई। इसमें भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं हरियाणा-पंजाब प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां और प्रदेश संगठन महामंत्री फणिंद्रनाथ शर्मा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन और मजबूत भाजपा की आधारशिला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि टिफिन बैठकों को केवल औपचारिक कार्यक्रम न बनाकर संगठन विस्तार और जनसंपर्क का माध्यम बनाया जाए। केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की नायब सैनी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जाए। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि टिफिन बैठकें कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीय संवाद और आपसी समन्वय बढ़ाने का माध्यम हैं। प्रत्येक शक्ति केंद्र पर बूथ अध्यक्ष, बूथ पालक, बीएलए-2 और वरिष्ठ पदाधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में प्रत्येक शक्ति केंद्र की गतिविधि ‘सरल’ पोर्टल पर दर्ज करने, मतदाता सूची में पात्र लोगों को जोड़ने और गलत प्रविष्टियों को नियमानुसार दुरुस्त कराने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा संत रविदास जी की जन्मस्थली की पवित्र माटी को गांव-गांव पहुंचाने के बारे में जानकारी दी गई।

जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर गोविंददेवजी मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन में खींचतान

कलेक्टर की बैठक में मंदिर प्रशासन नहीं पहुंचा, 2 घंटे पहले सूचना देने पर नाराजगी जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । गुलाबी नगरी के आराध्यदेव श्री गोविंद देवजी मंदिर में जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों को लेकर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के बीच खींचतान सामने आई है। जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर की ओर से बुलाई गई बैठक में मंदिर प्रशासन ने हिस्सा नहीं लिया। मंदिर प्रशासन ने बैठक की सूचना ऐन वक्त पर दिए जाने और पहले से भेजे गए पत्रों के बावजूद व्यवस्थाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं देने पर नाराजगी जताई है।

मंदिर प्रशासन का कहना है कि जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों को लेकर करीब एक माह पहले ही जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को पत्र भेजकर आवश्यक व्यवस्थाएं करने का आग्रह किया गया था। मंदिर तक आने वाले रास्तों में कई जगह सड़क मरम्मत, यातायात व्यवस्था और अन्य सुविधाओं को लेकर भी प्रशासन को अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक इन व्यवस्थाओं पर अपेक्षित काम नहीं हुआ।

मंदिर प्रशासन के अनुसार जिला प्रशासन ने गुरुवार को बैठक बुलाई, लेकिन इसकी सूचना बैठक से महज दो घंटे पहले व्हाट्सऐप के माध्यम से दी गई। मंदिर प्रशासन का कहना है कि इतने कम समय में बैठक की सूचना देना उचित नहीं है। इसी कारण मंदिर प्रशासन बैठक में शामिल नहीं हुआ। श्री गोविंद देवजी मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व हर साल भव्य रूप से मनाया जाता है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक पर्व के दौरान पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में यातायात, सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, पेयजल, सफाई और दर्शन व्यवस्था को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां करनी होती हैं।

गोविंददेवजी मंदिर में सजी झांकी।

जन्माष्टमी के दौरान मंदिर प्रशासन की ओर से नियमित रूप से आने वाले भक्तों के लिए वीआईपी पास जारी किए जाने की व्यवस्था भी रहती है। इन पासों को लेकर मंदिर प्रशासन और पुलिस प्रशासन के बीच मतभेद सामने आए हैं। पुलिस व्यवस्था और मंदिर की दर्शन व्यवस्था में समन्वय को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। जन्माष्टमी पर्व में अब करीब दो सप्ताह का समय शेष है। ऐसे में मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के सामने सुरक्षा, यातायात, दर्शन, सड़क मरम्मत और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करने की चुनौती है। दोनों पक्षों के बीच बेहतर समन्वय के बिना लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। उधर जन्माष्टमी को लेकर मंदिर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

सार-समाचार

‘द राइज ऑफ फेमिनिन लीडरशिप’ के तृतीय संस्करण का विमोचन

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में ‘द राइज ऑफ फेमिनिन लीडरशिप’ के तृतीय संस्करण का विमोचन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। पुस्तक का संपादन एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. स्वायत्त महाविद्यालय, जयपुर के इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. श्वेता शर्मा ने किया है। पुस्तक में महिला नेतृत्व, सशक्तीकरण, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य तथा न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने डॉ. श्वेता शर्मा के अकादमिक एवं संपादकीय कार्यों की सराहना की और उन्हें आगे भी शोध एवं अकादमिक कार्य जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. श्वेता शर्मा ने पुस्तक के सह-संपादक, लेखकों एवं सभी योगदानकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और सामूहिक प्रयासों से यह महत्वपूर्ण संस्करण संभव हो सका। उन्होंने इस उपलब्धि को अपनी अकादमिक एवं संपादकीय यात्रा का गौरवपूर्ण पड़ाव बताया।

लीडर सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर । जयपुर के 13 गांवों से 12 युवा महिलाओं का चयन कर स्माइल संस्था द्वारा 10 माह तक इनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें प्रति माह 2 दिन का प्रशिक्षण, नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर दिया गया। इनमें से प्रत्येक ने अपने अपने गाँव में 20- 25 महिलाओं के समूह बनाए और उन्हें संगठित कर अपनी समस्याओं का निराकरण करने हेतु प्रशिक्षित किया ताकि सरकार की सारी योजनाओं का लाभ वंचित महिलाओं तक पहुंच सके। कार्यक्रम से जुड़ी लगभग 200 महिलाओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। स्माइल की अध्यक्ष अनिता भाणावत ने बताया कि स्माइल संस्था 2003 से वंचित वर्ग की महिलाओं और बालिकाओं के लिए शिक्षण, जीवन कौशल प्रशिक्षण, काउंसलिंग, व्यावसायिक प्रशिक्षण आदि का कार्य कर रही है। अब तक लगभग 10000 महिलाएं स्माइल संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों से लाभान्वित हो चुकी हैं। स्माइल की सचिव कामिनी शुक्ला और डॉक्टर प्रीतम ने लीडर शिप कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई और 10 माह तक इसका संचालन किया। सम्मान समारोह में पूर्व आईएएस राजेंद्र भाणावत, अध्यक्ष राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति राजेंद्र बोड़ा, पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त रेणु अमिताभ, पूर्व महाविद्यालय प्राचार्य कौशल्या भंडारी, पूर्व मुख्य प्रबंधक एस बी आई माधवी, रीको की पूर्व वित्तीय सलाहकार अपर्णा सहाय, निदेशक संधान सुनील शेखर मौजूद थे।

एसकेआईटी में ओरिएंटेशन कार्यक्रम

जयपुर (कासं)। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान (एसकेआईटी), जगतपुरा में बीटेक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ‘‘शुभागमन-ओरिएंटेशन कार्यक्रम’’ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी पिलानी डॉ. पी.सी. पंचारिया रहे। डॉ. पंचारिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की देश के विकास में भूमिका बताई और युवा इंजीनियरों से तकनीकी क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान में करने का आ ान किया। विशिष्ट वक्ता इंडियन एक्सप्रेस के हेड ऑफ हिंदी डिजिटल एंड वीडियो स्ट्रेटेजी सौरभ द्विवेदी ने व्यक्तिगत विकास, आत्मविश्वास, संवाद कौशल, अनुशासन और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन सुरजाराम मील, वाइस चेयरमैन अनिल बाफना, डायरेक्टर जयपाल मील, डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. एस.एल. सुराना, रजिस्ट्रार रचना मील, प्रिंसिपल डॉ. रमेश पचार, डीन डॉ. आर.के. जैन एवं बीटेक प्रथम वर्ष इंचार्ज डॉ. संगीता चौधरी सहित शिक्षक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

युवक ने ट्रेन के आगे छलांग लगाई

जयपुर । चौमूं इलाके में 27 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले युवक ने करीब एक मिनट का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए कथित तौर पर माता-पिता और भाई को जिम्मेदार बताया है। पुलिस वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जीआरपी की एएसआई संतोष के अनुसार मृतक विकास कौशिक झुंझुनू के बुहाना गांव का रहने वाला था और चौमू क्षेत्र के एक होटल में काम करता था। उसने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया। वीडियो की जानकारी मिलने पर परिजनों ने चौमूं थाने में शिकायत दी। पुलिस के मुताबिक वीडियो बनाने के करीब आधे घंटे बाद विकास ने चौमू के पाच्यांवाली ढाणी अंडरपास के पास ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि वह कुछ देर रेलवे ट्रैक पर बैठा रहा और ट्रेन आते ही उसके आगे कूद गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। जीआरपी ने शव की पहचान के बाद पोस्टमार्टम के लिए चौमू सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस को मिले वीडियो में युवक ने मानसिक परेशानी का जिक्र करते हुए अपनी मौत के लिए परिवार के तीन सदस्यों को जिम्मेदार बताया। वीडियो में उसने अपना नाम और पता भी बताया था। पुलिस वीडियो नोट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है।

आन्ध्रप्रदेश के पत्रकारों ने देखी विधानसभा

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से गुरुवार को यहां राजस्थान विधान सभा में आन्ध्र प्रदेश के विभिन्न समाचार पत्रों के सम्पादकों और वरिष्ठ पत्रकारों के दल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री शर्मा और स्पीकर देवनानी ने पत्रकारों से परिचय लिया और उन्हें राजस्थान यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। पत्रकार दल ने मुख्यमंत्री शर्मा और स्पीकर देवनानी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम के तहत पत्रकार दल ने राजस्थान विधान सभा के भवन, सदन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया। इस मौके पर पत्र सूचना कार्यालय जयपुर के निदेशक अनुभव बैरवा, आशीष वर्मा और आन्ध्र प्रदेश पत्र सूचना कार्यालय के आर. रमेश चन्द्रा और श्री वाई उपेन्द्र भी मौजूद रहे।

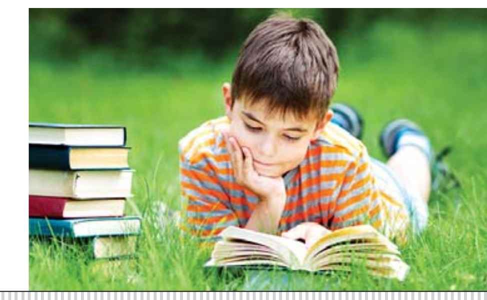

Poet's Day

Poet's Day is celebrated today to honour poets and their valuable contributions to literature and society. Poets use beautiful words to express thoughts, emotions, and ideas that inspire people. On this day, schools and cultural organizations arrange poetry recitations, writing competitions, and literary events. Students are encouraged to read and write poems to develop their creativity and language skills. Famous poets and their works are remembered for their lasting impact on culture and history. Poet's Day reminds us to appreciate the beauty of poetry and the power of words to educate, entertain, and bring people together.

#CRAFTSMANSHIP

The Aztec Warrior of Gold

This Aztec warrior figure is more than a piece of precious metal. It is a storyteller, a preserved echo of a civilization that once thrived

Over 700 years ago, in the heart of Central Mexico, a master artisan shaped a striking figure of a warrior, an artifact that today offers us a rare glimpse into the elite military class of the Aztec world. Created during the Post-Classic Period (900-1521 AD), this figure is a powerful symbol of the artistry, symbolism, and military culture of ancient Mesoamerica.

Origin and Cultural Significance

Attributed to the Aztec culture or possibly originating from Tetzcoco, one of the most important city-states of the Aztec Triple Alliance, the figure represents a richly adorned warrior, possibly of noble or elite status. Tetzcoco was a renowned center of learning and culture, and artifacts from this region often reflect a high degree of sophistication.

The warrior is shown wielding a dart-thrower (atlatl), darts, and a shield, classic symbols of Aztec warfare. The atlatl, a spear-throwing device, gave Aztec warriors a formidable advantage in battle. These tools, along with his decorated jewelry and sandals, suggest this figure may represent a high-ranking individual, perhaps even one tied to the military or religious elite.

Material and Craftsmanship

The sculpture is cast from a gold-silver-copper alloy, a technique that demonstrates advanced metallurgical skills. Mesoamerican goldwork often held both material and spiritual value, symbolizing divine power, solar energy, and elite status. Despite being only 11.2 × 6.1 cm (4.4 × 2.4 in) in size, the detail is extraordinary, from the texture of the warrior's gear to the carefully rendered facial features.

The calendar glyphs etched on the figure's back read "2 Rabbit, 3 Water," corresponding to dates or ceremonial cycles in the Aztec calendar system, which included two interlocking cycles: the 260-day ritual calendar (Tonalpohualli) and the 365-day solar calendar (Xiuhpohualli). These glyphs may provide insight into the object's ritual purpose or the identity of the figure.

Scientific Dating and Historical Context

The artifact's casting core has undergone thermoluminescence dating, a scientific method used to determine the last time ceramic or earthen materials were heated. Results date the figure to 1345-1575 AD, aligning it with the height and decline of the Aztec Empire, from its early expansion under rulers like Itzcoatl to its fall during the Spanish conquest in the early 16th century.

This date range places the figure squarely within one of the most dynamic and tumultuous eras in Mesoamerican history, when warfare, politics, and spiritual rituals were deeply intertwined.

Modern Journey: From Private Hands to Public Display

The figure's modern provenance adds to its mystique. It was part of a private collection as early as the 1960s, before being acquired in 1984 by the Cleveland Museum of Art through the Leonard C. Hanna Jr. Fund, a fund dedicated to expanding the museum's world-class collection. Today, it remains on display in Cleveland, Ohio, where it captivates visitors with its historical depth and artistic beauty.

A Lasting Legacy

This Aztec warrior figure is more than a piece of precious metal. It is a storyteller, a preserved echo of a civilization that once thrived with complexity, order, and reverence for both the earthly and divine. As we look upon its finely wrought form today, we are reminded of the incredible richness of Mesoamerican cultures and the importance of preserving their legacy.

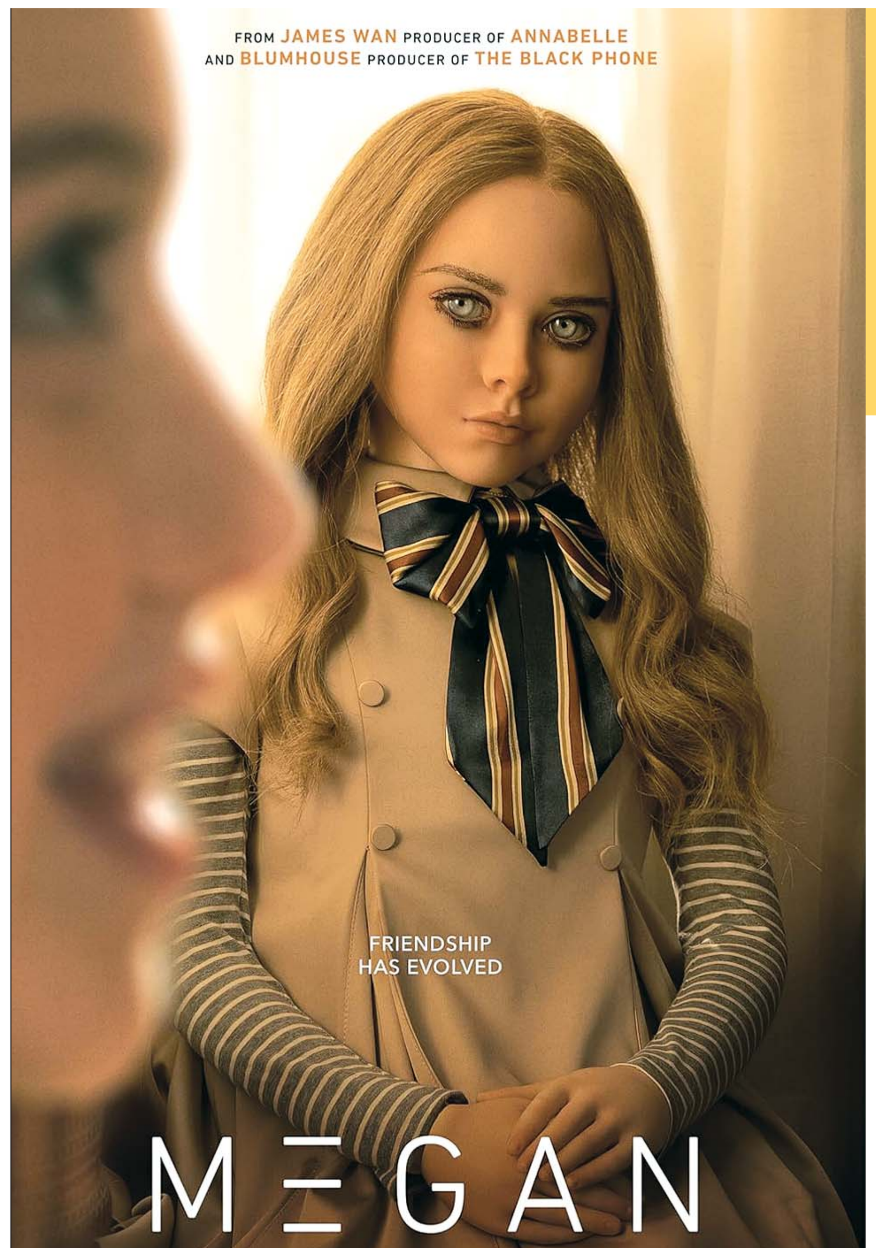

If you've ever watched a brand-new blockbuster or an expensive streaming series and thought it somehow looked flatter, cleaner, or strangely artificial, you're not alone. Online, people often call this aesthetic "the Netflix look." The phrase doesn't necessarily mean bad cinematography or lazy directing. In fact, many of these productions are made by some of the world's best filmmakers using enormous budgets and A-list casts. Yet, they often share a surprisingly similar visual style.

The "Netflix Look"

● Verna Mohon

Last week, I saw M3GAN, the new horror-comedy starring Allison Williams and a robot-doll in a blond wig. I liked it enough. The doll character is genuinely well-done, a seemingly hard-to-nail mix of creepy and campy, but I walked out of the theater with a vaguely empty feeling. I couldn't quite place it until I started talking with my friends about where the movie was set, and I realized I had no idea. One answer is somewhere in Silicon Valley, given its bald critique of big tech. It didn't actually feel like Silicon Valley, though. It didn't feel like anywhere at all. (Update: I've been informed it's set in Seattle, although it didn't feel like there either.) Every backdrop was generic and crisp: the scrubbed tech-compound where Gemma (Allison Williams) works; the bland, Wayfair-decorated house she lives in; the clean, non-specific streets she drives on. I thought little of this while watching. The movie looked expensive and professional, or at least had the hallmarks of those things: glossy, filtered, smooth. Only after it ended did it occur to me that it seemed, like so many other contemporary movies and shows, to exist in a phony parallel universe we've come to accept as relevant to our own.

To be clear, this isn't about whether the movie was "realistic." Movies with absurd, surreal, or fantastical plots can still communicate something honest and true. It's actually, specifically, about how movies these days look. That is, more flat, more fake, over-saturated, or else over-filtered, like an Instagram photo in 2012, but rendered in commercial-like high-def. This applies to prestige television, too. There are more green screens and sound stages, more CGI, more fixing-it-in-post. As these production tools have gotten slicker and cheaper and thus more widely abused, it's not that everything looks obviously shitty or too good to feel true, it's actually that most things look mid in the exact same way. The ubiquity of the look is making it harder to spot, and the overall result is weightless and uncanny. An endless stream of glossy vehicles that are easy to watch and easier to forget. I call it the "Netflix shine," inspired by one of the worst offenders, although some reading on the topic revealed that others call it (more boringly) the "Netflix look."

If you've ever watched a brand-new blockbuster or an expensive streaming series and thought it somehow looked flatter, cleaner, or strangely artificial, you're not alone. Online, people often call this aesthetic "the Netflix look." The phrase doesn't necessarily mean bad cinematography or lazy directing. In fact, many of these productions are made by some of the world's best filmmakers using enormous budgets and A-list casts. Yet, they often share a surprisingly similar visual style. So why? The answer has less to do with artistic talent and more to do with technology, standardization, and one company's approach to building a global streaming platform.

#HOW MOVIES LOOK

A Company Built Around Distribution

Netflix wasn't founded as a film studio. It was founded to solve a distribution problem.

First, it mailed DVDs, then, it pioneered large-scale video streaming. Unlike traditional Hollywood studios, Netflix's biggest engineering challenge wasn't making movies, it was delivering millions of hours of video reliably to viewers using thousands of different devices around the world.

That engineering-first mindset would eventually shape how Netflix made films as well.

Treating Movies Like Software

One of Netflix's key executives was Neil Hunt, a computer scientist with a Ph.D. in image processing. Rather than approaching film purely as an artistic medium, Netflix increasingly approached it as a technology product.

Software products are built to be standardized, scalable, and future-proof. Netflix applied similar thinking to filmmaking.

Instead of every production making completely independent technical decisions, Netflix created detailed production specifications designed to ensure that every original title could be archived, remastered, streamed, and adapted for future technologies.

The goal wasn't simply to make movies, it was to build a library that would still work decades later.

The Approved Camera List

Perhaps, the clearest example is Netflix's famous approved camera list.

Unlike many traditional productions, Netflix doesn't simply ask cinematographers to use whatever camera they prefer. Original productions are generally expected to shoot on cameras that meet Netflix's technical standards.

Those standards include requirements such as:

- Native 4K image capture (rather than upscaling).
- High bit depth for greater colour information.
- Professional data rates and codecs.
- Dynamic range suitable for HDR mastering.

If a camera doesn't meet these standards, it generally isn't approved for principal photography on Netflix Originals. This doesn't mean Netflix chooses the lighting, framing, or composition. Those creative decisions still belong to directors and cinematographers. But it does mean the technical foundation is standardized before filming even begins.

It's Not Bad Cinematography

Blaming cinematographers misses the point.

Many Netflix productions are photographed by Oscar-winning cinematographers and directed by acclaimed filmmakers. The issue isn't that these people suddenly forgot how to make beautiful images. They're simply working within a highly standardized production pipeline.

Creative choices still matter enormously, but they're made inside technical constraints designed for consistency across an enormous streaming library.

The Thumbnail Algorithm

Netflix also thinks differently about how audiences discover content.

The company has developed machine-learning systems that analyze frames from films and television episodes to help identify compelling artwork and thumbnail candidates. Rather than selecting images manually for every title, algorithms can evaluate factors such as facial expressions, brightness, contrast, and visual clarity before human teams make final creative decisions.

The goal is simple: produce artwork that encourages viewers to click.

It's another example of Netflix treating entertainment not just as filmmaking, but as a software platform optimized through data.

The Trade-Off

Netflix's technical standards have genuine benefits. Productions are captured at high quality, preserved for the future, and optimized for HDR televisions and global streaming. At the same time, some critics argue that the emphasis on consistency has contributed to a more uniform visual language across modern streaming content. When thousands of productions follow similar technical specifications, they can begin to resemble one another, even when their stories, budgets, and casts are completely different.

Whether you love or dislike the "Netflix look," it represents a significant shift in filmmaking. The medium has become increasingly shaped not only by directors and cinematographers, but also by engineers, data scientists, and software infrastructure.

In many ways, that reflects Netflix's origins. A company that began by solving a distribution problem eventually changed not only how we watch movies, but also how many of them are made.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CURVED

The Science Behind Banana's Curved Shape

The difference in light exposure is the key to understanding the banana's curve

Bananas are one of the most recognizable fruits in the world, known for their bright yellow colour and distinctive curved shape. But why aren't bananas straight? The answer lies in plant biology, specifically in how banana plants respond to light and gravity through a process known as tropism.

Bananas grow on large herbaceous plants belonging to the genus Musa. Although often called "banana trees," these plants are technically giant herbs. They produce enormous, thick leaves that can stretch several feet long. These leaves spread outward and upward, forming a dense canopy over the developing fruit.

The Deep Shadow Effect

As bananas begin to grow, they emerge from a large flower cluster near the top of the plant. At first, the young bananas hang downward. This early downward growth happens because of gravity, a response known as positive gravitropism.

However, the giant, overlapping leaves of the banana plant create a deep shadow around the hanging fruit. Beneath this canopy, the developing bananas are partially starved of direct sunlight. Light becomes uneven, with one side of the fruit receiving more exposure than the other. This difference in light exposure is the key to understanding the banana's curve.

Negative Tropism and Light Response

Plants respond to environmental stimuli through tropisms, directional growth responses. In the case of bananas, two forces are at work:

- **Gravitropism**- growth in response to gravity
- **Phototropism**- growth in response to light

When bananas first form, gravity pulls them downward. But as they continue developing, they begin responding strongly to light. Even though they start in deep shade, the fruit shifts direction and begins growing upward towards the available sunlight.

This upward bending happens because the side of the banana exposed to more light grows faster than the shaded side. The uneven growth rate causes the fruit to curve. This is a classic example of phototropism in action.

Nature's Efficient Design

The curved shape of a banana is not random. By bending upward, the fruit positions itself for better light exposure, which supports healthy development. In wild banana species, this positioning may also make the fruit more visible to animals that help disperse seeds.

In essence, bananas grow curved because they begin life hanging downward in deep shadow under massive leaves. As they seek sunlight, uneven growth caused by differential light exposure makes them bend upward. The familiar crescent shape is the result of gravity, light, and the remarkable adaptability of plant growth. The next time you hold a banana, remember that its curve tells a story, one shaped by sunlight, shadow, and the natural forces guiding its growth.

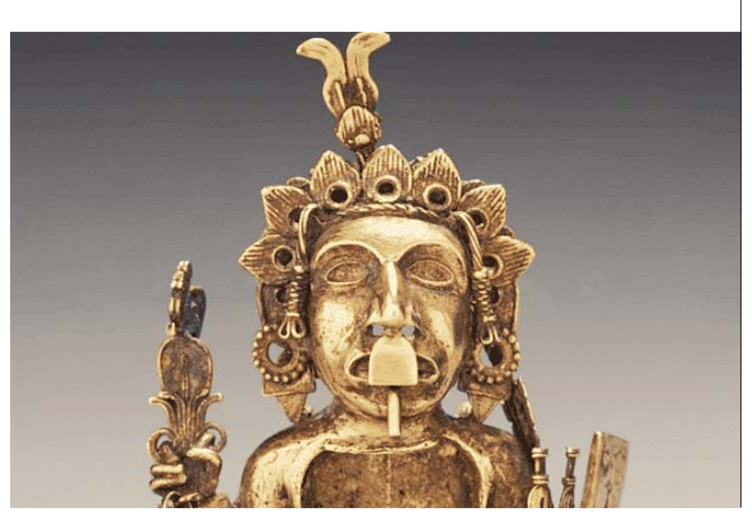

THE WALL

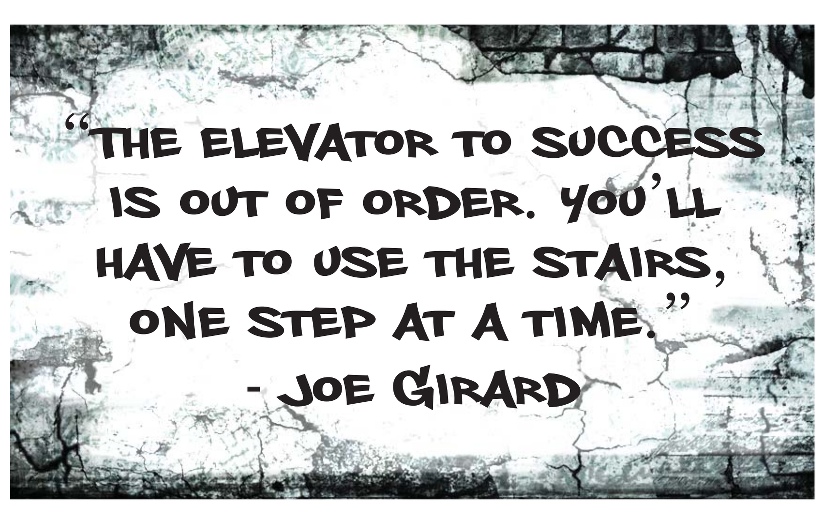

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

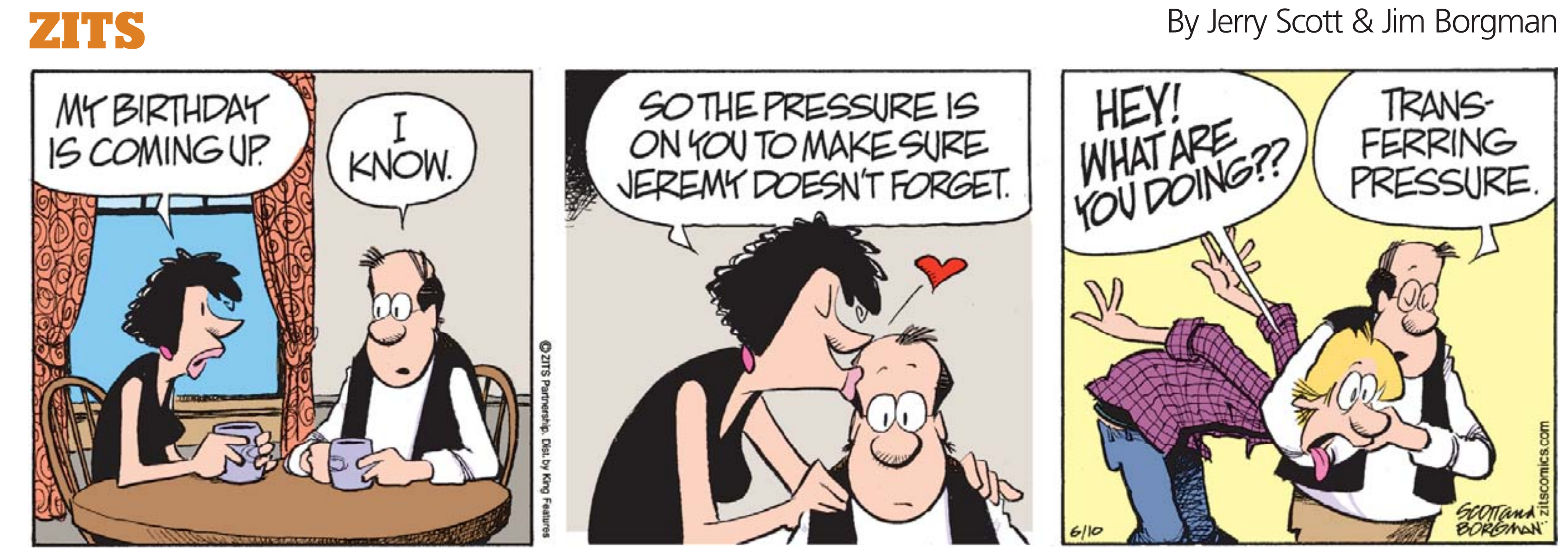

18 साल से काम कर रहे नौकर पर 750 ग्राम सोना और 15 लाख की चोरी का आरोप

ज्वैलर्स के यहां कार्यरत था आरोपी और दुकान के लेन-देन सहित कई जिम्मेदारियां संभालता था

- घटना के बाद व्यापारी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई, पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की

अजमेर, (कासं)। नया बाजार चौपड़ स्थित लखोटिया ज्वैलर्स में लंबे समय से काम कर रहे एक नौकर पर दुकान से करीब 750 ग्राम सोना और 15 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार होने का आरोप लगा है। आरोपी पिछले 18 वर्षों से ज्वैलर्स के यहां कार्यरत था और दुकान के लेन-देन सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालता था। घटना के बाद व्यापारी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार दुकान संचालक सूरज नारायण लखोटिया ने बताया कि सोमवार को रोजाना की तरह दुकान बंद की गई थी। मंगलवार को दुकान का साप्ताहिक अवकाश था। बुधवार सुबह दुकान खोलने के बाद आरोपी नौकर दिलीप चौरसिया ने फोन कर बताया कि वह एक-दो घंटे देरी से पहुंचेगा। काफी देर तक उसके नहीं पहुंचने पर दुकान मालिक ने उसके परिजनों से संपर्क किया। परिजनों ने बताया कि दिलीप सुबह करीब नौ बजे दुकान जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद उसका मोबाइल फोन लगातार बंद आने लगा। संदेह होने पर दुकान में रखे जेवरात और नकदी की जांच की गई। जांच के दौरान करीब 750 ग्राम सोना और 15 लाख रुपये की नकदी गायब मिली। इसके बाद व्यापारी ने पुलिस को सूचना दी। व्यापारी के अनुसार आरोपी लंबे समय से दुकान पर काम कर रहा था और उसे दुकान के कई महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उसकी तलाश कर रही हैं। मामले में पुलिस दुकान के आसपास लगे निगरानी कैमरों और अन्य संभावित सुरागों की भी जांच कर रही है।

कुएं से सिंचाई की पांच मोटर चोरी, ढाई लाख का नुकसान

- घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में रोष, सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है
- रात के समय कुएं के आस पास संदिग्ध लोगों की आवाजाही

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 36 में फिल्टर प्लांट के सामने स्थित कुएं से अज्ञात चोर पांच सिंचाई मोटर चोरी कर ले गए। चोरों ने मोटरों से जुड़े पाइप काटकर वारदात को अंजाम दिया। चोरी की घटना से किसानों को करीब दो से ढाई लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में रोष और सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

पीड़ित किसान खुर्शीद अहमद ने रामगंज थाने में शिकायत देकर बताया कि रात के समय कुएं के आसपास अक्सर नशेड़ियों और संदिग्ध लोगों का जमावड़ा रहता है। ऐसे में यहां चोरी की घटनाओं को लेकर पहले से ही आशंका बनी हुई थी।

किसान का आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर चोरों ने कुएं पर लगी पांच सिंचाई मोटरों को निशाना बनाया। किसान के अनुसार चोरों ने मोटरों को निकालने के लिए उनके पाइप काट दिए और मोटरों को लेकर फरार हो गए। सुबह जब किसान कुएं पर पहुंचे तो मोटर गायब मिलने पर चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी गई और रामगंज थाना पुलिस को शिकायत दी गई। शिकायत मिलने के बाद रामगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। किसान ने पुलिस से आरोपियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने तथा चोरी हुई मोटरों को बरामद करने की मांग की है।

खाली वॉयल में कैंसर की घटिया दवा बेचने की जांच होगी

- कैंसर मरीजों के लिए जरूरी बोवेंशियो 200 एमजी/10 एमएल इंजेक्शन के 2700 वॉयल की खेप बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर मेडिकल कॉलेजों को भेजी थी
- इन्हीं में से चार वॉयल क्राइम ब्रांच दिल्ली ने ब्लैक मार्केट से बरामद किए थे, चारों मेडिकल कॉलेजों की जांच के लिए तीन कमेटियां बनाई

बीकानेर, (निसं)। कैंसर मरीजों के लिए जरूरी बोवेंशियो 200 एमजी/10 एमएल इंजेक्शन के 2700 वॉयल की खेप राजस्थान मेडिकल सप्लाई कॉर्पोरेशन लिमिटेड से बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर मेडिकल कॉलेजों को भेजी थी। इन्हीं में से चार वॉयल क्राइम ब्रांच दिल्ली ने ब्लैक मार्केट से बरामद किए थे। चारों मेडिकल कॉलेजों की जांच के लिए तीन कमेटियां बनाई गई हैं। दवाओं के वितरण की पूरी सप्लाई चेन, अस्पतालों द्वारा भेजे गए इंडेंट की प्रक्रिया और वेयरहाउस से डिस्पैच रिकॉर्ड की जांच की जाएगी। पीबीएम अस्पताल में कैंसर के मरीजों को 50 हजार रुपए से महंगी दवा देने के लिए ट्यूमर बोर्ड बना हुआ है। ड्रग वेयर हाउस से सब स्टोर और वहां से मरीज को दवा लगाने तक की प्रक्रिया का लिखित रिकॉर्ड रखा जाता है।

सूत्रों का कहना है कि आरएमएससीएल से लेकर मरीज के लिए दवा वितरण करने तक की सप्लाई चेन की कड़ी में कहीं खामी है। इसी वजह से कैंसर के महंगे इंजेक्शन दिल्ली के ब्लैक मार्केट में पहुंचे। आशंका है कि या तो दवा के खाली वॉयल चोरी हो रहे हैं और उनमें घटिया दवा भरकर बेची जा रही है या ब्लैक मार्केट में दवा बेचने के लिए मरीजों के नाम से फर्जी इंडेंट तैयार किए गए हैं। इधर, पीबीएम प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार तुलसी कैंसर संस्थान में कीमोथेरेपी दवाओं का अलग स्टोर नहीं है। 50,000 से अधिक कीमत वाले इंजेक्शन ट्यूमर बोर्ड, एचओडी, रेजीडेंट डॉक्टर और प्राचार्य की स्वीकृति के बाद ही स्वीकृत किए जाते हैं।

बीकानेर कैंसर इंस्टीट्यूट में कैंसर के मरीजों के लिए निशुल्क सप्लाई होने वाला इंजेक्शन दिल्ली के ब्लैक मार्केट में बरामद होने के खुलासे के बाद सरकार ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि सरकार मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोग होने वाली महंगी दवाओं की उपलब्धता और उनके सुरक्षित उपयोग की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। आरएमएससीएल एवं संबंधित अधिकारियों से दवा की पूरी सप्लाई चेन, स्टॉक रजिस्टर, इंडेंट, डिस्पैच एवं अस्पताल स्तर पर वितरण का रिकॉर्ड तत्काल जांचने के निर्देश दिए हैं। जांच में सरकारी दवा की आपूर्ति में किसी स्तर पर अनियमितता अथवा मिलीभगत सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

कार्यस्थल पर तबीयत बिगड़ने से युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 23 में एक युवक की कार्यस्थल पर संदिग्ध हालात में तबीयत बिगड़ गई। पहले निजी अस्पताल फिर एम्स अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। इस बारे में रिश्तेदार की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि शिक्षक कॉलोनी, गली नंबर 6 में रहने वाला वीरेंद्र प्रताप सिंह सेक्टर 23 में बेलकिट में कार्यरत था। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसकी कार्यस्थल पर संदिग्ध हालात में तबीयत बिगड़ने पर निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से बाद में एम्स अस्पताल रैफर किया गया, मगर वहां उसकी मौत हो गई। उसके रिश्तेदार शिक्षक कॉलोनी, गली नंबर 6 निवासी भारत सिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। शव को पोस्टमार्टम करवा परिजन के सुपुर्द किया गया।

सीकर के तनिष्क शोरूम पर फायरिंग के आरोपी की मौका तस्दीक कराई

आरोपी ने मैसूर में भी 10 करोड़ के सोने की लूट की वारदात की थी

- आरोपी इससे पहले पुलिस की गिरफ्त से निकलने के लिए हथियार छीनकर भागने की कोशिश कर चुका था, जिस दौरान पुलिस कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी थी
- 26 जुलाई की सुबह तनिष्क शोरूम पर तीन फर्जी नंबरों की बाइक पर आये छह बदमाशों ने लूट के इरादे से एक फायर किया था

सीकर। सीकर में तनिष्क शोरूम पर फायरिंग के मामले में गिरफ्तार आरोपी बिट्टू कुमार को पुलिस घटनास्थल पर लेकर पहुंची और वारदात से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की। आरोपी इससे पहले पुलिस की गिरफ्त से निकलने के लिए हथियार छीनकर भागने की कोशिश कर चुका था, जिस दौरान पुलिस कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है और उस पर मैसूर में करीब 10 करोड़ रुपए के सोने की लूट में शामिल होने का भी आरोप है। आरोपियों ने वारदात को अंजाम कैसे दिया, इस पर पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की। हालांकि, मामले में पांच आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं।

जानकारी के अनुसार 26 जुलाई की सुबह करीब 11:40 बजे सिल्वर जुबली रोड स्थित तनिष्क शोरूम पर वारदात हुई थी। जहां तीन फर्जी नंबरों की बाइक पर छह बदमाश आए थे। इस दौरान बदमाशों ने लूट के इरादे से वहां एक फायर भी किया था। शोरूम स्टाफ के द्वारा सायरन बजाने पर आरोपी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने 8 अगस्त को घटना में शामिल मास्टरमाइंड बिट्टू कुमार उर्फ अजीत आनंद (28) निवासी मोती बिहारी और घटना में सहयोग करने वाले अन्य दो आरोपी राहुल और संजीव को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद सीकर के रघुनाथगढ़ में आरोपी बिट्टू ने पुलिस के टॉयलेट करने की बात कहकर गाड़ी रुकवाई और पुलिस जवान के हाथ से हथियार छीनकर भागने लगा।

इस दौरान इंस्पेक्टर सुनील जांगिड़ ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से आरोपी बिट्टू के पैर में गोली मार दी थी। जिसका करीब एक सप्ताह तक सीकर के एसके हॉस्पिटल में चल रहा था। बुधवार को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज करने के बाद पुलिस कस्टडी में लिया गया। हालांकि, आरोपी राहुल और संजीव को पहले ही जेल भेज दिया गया है। लेकिन आरोपी बिट्टू को आज (गुरुवार) पुलिस रिमांड के लिए कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद पुलिस उसे मौका तस्दीक के लिए घटनास्थल पर लेकर आई। जहां आरोपी ने पुलिस को घटना के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस आरोपी को वापस थाने ले गई। जहां पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुट गई है।

गौरतलब है कि कि 28 दिसंबर 2025 को भी आरोपी बिट्टू कुमार मैसूर में स्काई शोरूम पर 10 करोड़ रुपए के सोने की लूट की वारदात को अंजाम दे चुका है। आरोपी बिट्टू उस घटना का मास्टरमाइंड था। आरोपी पर पूर्व में 12 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी बिट्टू बिहार में 2 मर्डर भी कर चुका है। फिलहाल पुलिस अब सीकर में उसके साथ घटना में शामिल अन्य 5 फरार आरोपियों के बारे में पूछताछ कर रही है। वहीं आरोपी बिट्टू सरदार गैंग का मेंबर भी बताया जा रहा है। गैंग भारत के कई इलाकों में लूट और डकैती जैसी वारदातों को अंजाम दे चुकी है। गैंग के लोग फर्जी नंबरों के वाहनों से वारदात करते है। जहां पर रुकते हैं, वहां फर्जी आईडी से बुकिंग करते है। वारदात करने के बाद गाड़ियों के जरिए फरार हो जाते हैं।

प्रेमी युगल का 10.76 लाख की नगदी का बैग ट्रेन में छूटा

जोधपुर, (कासं)। शादी के सपने लेकर घर से निकले प्रेमी जोड़े को मेड़ता रोड स्टेशन पर ट्रेन से उतरना भारी पड़ गया। दोनों प्लेटफॉर्म पर उतरकर बातचीत में मशगूल हुए और ट्रेन चल पड़ी। वे चाह कर भी ट्रेन नहीं पकड़ पाए। देखते ही देखते ट्रेन आंखों से ओझल हो चुकी थी। ट्रेन में उनका बैग रह गया था। जिसमें में 10 लाख 76 हजार नकद, जेवर और लाखों रुपए का कीमती सामान था।

घटना के अनुसार 19 वर्षीय युवक और 17 साल 8 माह की किशोरी जोधपुर से ट्रेन संख्या 19407 साबरमती-लालगढ़ एक्सप्रेस में सवार हुए थे। दोनों घर से बिना बताए शादी करने निकले थे। मेड़ता रोड पर उतरते समय उनका काला बैग सीट पर ही छूट गया। आरपीएफ मेड़ता रोड पोस्ट को इसकी सूचना मिली तो तत्काल नागौर आरपीएफ को अलर्ट किया गया। ट्रेन के नागौर पहुंचते ही हेड कांस्टेबल भूरामल मय स्टाफ सामान्य कोच में पहुंचे। यात्रियों से पूछताछ करते हुए सीटों के आसपास तलाशी शुरू की गई। आखिरकार वही काला बैग मिल गया। नागौर स्टेशन के बुकिंग कार्यालय में आरपीएफ एसआई रमेश कुमार, आरपीएफ स्टाफ तथा जीआरपी हेड कांस्टेबल नाथूलाल मय स्टाफ की मौजूदगी में बैग खोला गया। इसमें 10 लाख 76 हजार 30 नकद, चांदी जैसी धातु के चार सिक्के, दो बिछियां, एक घूघरी और सोने जैसी धातु की चार लोंग मिलीं। बैग में आईफोन-15 प्रो, स्मार्ट वॉच भी थे। इसके अलावा दो रेल टिकट, युवक के शैक्षिणक दस्तावेज, आधार कार्ड और आईफोन का 67 हजार का बिल भी मिला। पूछताछ में युवक ने अपना नाम शिवा (19), निवासी बासनी निकुबा,जोधपुर बताया जबकि किशोरी की उम्र 17 साल 8 माह थी। दोनों साथ में पढ़ते हैं और आपसी प्रेम के चलते शादी करने के लिए घर से निकले थे। आरपीएफ ने परिजनों से संपर्क किया तो युवक की गुमशुदगी डांगियावास थाने में दर्ज मिली, जबकि किशोरी के पिता की शिकायत पर बनाड़ थाने में गुमशुदगी दर्ज थी। इसके बाद बनाड़ थाना पुलिस के उप निरीक्षक पुखराज मय स्टाफ मेड़ता रोड आरपीएफ पोस्ट पहुंचे। कार्रवाई के बाद दोनों को बरामद बैग और सामान सहित पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

जोधपुर में महिला ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के भगत की कोठी पुलिस थाना क्षेत्र मधुबन स्थित खारी ढाणी में रहने वाली एक महिला ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी शादी को पांच साल से कम ही समय हुआ था। मामले में अब एडीएम द्वितीय की तरफ से जांच की जा रही है। पिता की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

भगत की कोठी पुलिस ने बताया कि मूलतः उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर हाल खारी ढाणी मधुबन में किराए पर रहने वाली माया पत्नी सतीश पाल ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है।

उसके फंदा लगाने की सूचना पर पिता शिव पर्सन मिर्जापुर से जोधपुर पहुंचे। शव का पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया है। शादी को पांच साल से कम ही समय हुआ था। इस बारे में मर्ग की रिपोर्ट दिए जाने के साथ अब जांच एडीएम द्वितीय दौलतराम चौधरी की तरफ से जांच की जा रही है।

पाटन के ग्राम पंचायत राजपुरा में बावरिया परिवार की बेटी शिक्षक बनीं

रितु बावरिया पुत्री कैलाश बावरिया ने गणित विषय के पद पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीबी कला, डीडवाना-कुचामन में पदभार ग्रहण किया।

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत राजपुरा में बावरिया परिवार की पहली बेटी के शिक्षक बनने पर परिजनों के साथ ग्रामीणों में भी खुशी का माहौल है। रितु बावरिया पुत्री कैलाश बावरिया का गणित विषय के पद पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीबी कला, डीडवाना-कुचामन में पदस्थापन हुआ है।

प्रशासक मुकेश कुमार मीणा ने विद्यालय पहुंचकर रितु को पद ग्रहण करवाया। रितु के पद ग्रहण के दौरान उनके ताऊजी बाबूलाल, पिता कैलाश, भाई कृष्ण कुमार, राजू बावरिया एवं प्रशासक मुकेश मीणा मौजूद रहे। विद्यालय स्टाफ ने रितु का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया तथा सभी का मुंह मीठा करवाया। बताया गया कि राजपुरा ग्राम पंचायत में करीब 20-25 बावरिया परिवार निवास करते हैं। खास बात यह है कि इससे पहले इन परिवारों में किसी भी व्यक्ति की सरकारी नौकरी नहीं लगी थी। ऐसे में रितु ने शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लेकर कड़ी मेहनत की और अपने साथ परिवार के सपने को भी साकार किया। रितु की इस उपलब्धि से परिवार के साथ पूरे समाज में खुशी की लहर है। क्षेत्रवासियों ने रितु बावरिया को शिक्षक बनने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चिड़ावा में साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

चिड़ावा, (निसं)। साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चिड़ावा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 95,848 रूपए की साइबर ठगी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते पर समन्वय पोर्टल के माध्यम से अलग-अलग राज्यों से साइबर ठगी की कुल पांच शिकायतें दर्ज होना सामने आया है। पुलिस जांच में आरोपी द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों से साइबर ठगी किए जाने की बात भी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार नेशनल साइबर पोर्टल एवं समन्वय पोर्टल पर एक बैंक खाते के संबंध में पांच साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज होने पर जांच के लिए प्रकरण प्राप्त हुआ। पुलिस ने एसबीआई बैंक चिड़ावा से खाताधारक का रिकॉर्ड प्राप्त किया। जांच में बैंक खाता अंकित के नाम से होना सामने आया। खाते में कुल 95,848 रूपए की साइबर फ्रॉड राशि आने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। आरोपी अंकित उर्फ मोगा पुत्र मोहनलाल निवासी निमाजपुरा, तन ओजटू, पुलिस थाना चिड़ावा, जिला झुंझुनूं को थाना स्तर की टॉप-टेन वांछित सूची में शामिल किया गया और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने लगातार प्रयास करते हुए 18 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों के साथ साइबर ठगी करना स्वीकार किया है।

पैदल जा रही महिला की सोने की चेन तोड़ी : सीकर में पैदल जा रही महिला के गले से चेन छीनने का मामला सामने आया है। बजाज रोड निवासी नंदकिशोर ने कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार नंदकिशोर की पत्नी राखी और उनकी बेटी पैदल स्टेशन रोड से घर आ रहे थे। तभी एक बाइक पर दो बदमाश हेलमेट लगाकर आए और राखी के गले से मंगलसूत्र, सोने की चेन और लॉकेट तोड़कर फरार हो गए। मंगलसूत्र का आधा टुकड़ा गले में ही रह गया।

ब्रजेन्द्र कुमार सिंहल को ''मीरां मेड़तणी साहित्य पुरस्कार'' मिला

- ब्रजेन्द्र सिंहल को मीरांबाई के जीवनवृत पर लिखी गई पुस्तक ''मीरांबाई : प्रामाणिक जीवनी एवं मूल पदावली'' के लिए सम्मानित किया गया

मेड़ता सिटी, (निसं)। मीरां शोध संस्थान के संस्थापक एवं वयोवृद्ध वरिष्ठ साहित्यकार श्री दीपचन्द सुथार की पुण्य स्मृति में मीरां शोध संस्थान द्वारा मीरा स्मारक परिसर में आयोजित समारोह में दिल्ली प्रवासी जयपुर निवासी ब्रजेन्द्रकुमार सिंहल को भक्त शिरोमणि मीरांबाई के जीवनवृत पर लिखी गई ऐतिहासिक पुस्तक ''मीरांबाई : प्रामाणिक जीवनी एवं मूल पदावली'' के लिए ''मीरां मेड़तणी साहित्य पुरस्कार '' दिया गया, जिसमें पुरस्कार स्वरूप 21 हजार रूपए का चेक, अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, श्रीफल के साथ दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। मीरांबाई के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व, साहित्य एवं मूल पदावली के प्रामाणिक अध्ययन की दृष्टि से इस कृति को महत्वपूर्ण माना गया है। पुरस्कार के माध्यम से मीरां साहित्य के गंभीर अध्ययन , शोध एवं प्रामाणिक लेखन को प्रोत्साहन देने का प्रयास किया जा रहा है। समारोह मुख्य अतिथि कोटा धाम के महंत निरंजन महाराज, समारोह अध्यक्ष, संयोजक-राजस्थानी परामर्श मण्डल, नई दिल्ली डॉ. अर्जुन देव चारण, वरिष्ठ साहित्यकार देवकिशन राजपुरोहित, निदेशक बाबा रामदेव शोध पीठ, जयनारायण व्यास वि. विद्यालय जोधपुर डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित, मीरां जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष मुकेश जोशी एडवोकेट के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

मीरां शोध संस्थान द्वारा आयोजित समारोह में ब्रजेन्द्रकुमार सिंहल का सम्मान किया गया।

संस्थान सचिव नंदू श्री मंत्री ने बताया कि इस मौके मीरा शोध संस्थान भामाशाह हस्तीमल डोसी, भंवरलाल बजाज, नवरतन पंवार, सोहन लाल गहलोत, राजेंद्र, गोपी किशन बंग, महावीर ओस्तवाल, संजय जोशी का भी सम्मान पत्र, मोमेंटो, दुपट्टा पहनाकर कर अभिनंदन किया गया। समारोह का आगाज सरस्वती एवं मीरा के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माला पहनाकर किया गया उसके बाद अतिथियों का साफा दुपट्टा माला पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। उसके बाद मीरा शोध संस्थान परिसर में स्व दीपचंद सुथार की मूर्ति अनावरण किया गया। इस अवसर पर संरक्षक गोविंद सुथार, डॉ. जतन राज मेहता, पुखराज टाक, वीरेंद्र वर्मा,ओम प्रकाश रूनवाल, घनश्याम डालिया, धन सिंह राठौर, जे के वैष्णव, कृष्ण गोपाल गौड, प्रकाश व्यास, भीकम चंद व्यास, मनोहर लाल गहलोत, जितेंद्र सिखवाल, नरेंद्र सिंह जसनगर, उमेश सिखवाल, छोटा राम बोराना, डॉ. कालू खा देशवाली आदि उपस्थित रहे। साथ ही दीप चंद सुथार की परिजन एवं मूल पैतृक स्थान से सैकड़ों परिजन जन सहित मेड़ता क्षेत्र के जांगिड़ समाज बंधु उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन डॉ. रामरतन लाटियाल और राजीव पुरोहित ने किया।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद विद्या संबल योजना से भरे जाएंगे

- नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने बीत चुके हैं और अब स्कूलों में गेस्ट फैकल्टी लगाने की प्रक्रिया शुरू होगी
- स्कूलों को शिक्षक तो मिल जाएंगे, लेकिन बचे हुए समय में विद्यार्थियों का पूरा कोर्स करवाना चुनौती बन सकता है

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद अब विद्या संबल योजना के जरिए भरे जाएंगे। शिक्षा विभाग ने सभी जिलों में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। खास बात यह है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने बीत चुके हैं और अब स्कूलों में गेस्ट फैकल्टी लगाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस दौरान अधिकांश स्कूलों में सेकंड टेस्ट तक हो चुके हैं। ऐसे में स्कूलों को शिक्षक तो मिल जाएंगे, लेकिन बचे हुए समय में विद्यार्थियों का पूरा कोर्स करवाना चुनौती बन सकता है।

वित्त विभाग के 30 मार्च 2021 के परिपत्र में विद्या संबल योजना के तहत शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले रिक्त पदों का आकलन करने का प्रावधान है। नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होने में लगने वाले समय को देखते हुए गेस्ट फैकल्टी के माध्यम से अध्यापन व्यवस्था करने की अनुमति अब दी गई है। अब शिक्षा विभाग ने इसी व्यवस्था को वर्तमान शैक्षणिक सत्र में लागू करने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों में नया सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने हो चुके हैं। इस दौरान पढ़ाई के साथ फर्स्ट और सेकंड टेस्ट भी हो चुके हैं। अब अक्टूबर में हाफ इयरली एग्जाम है। अभी कलेक्टर को आदेश मिले हैं, जिसका प्रोसेस करने में करीब एक महीना लगेगा। ऐसे में अब रिक्त पदों पर गेस्ट फैकल्टी लगाए जाने से शिक्षकों की कमी तो दूर होगी, लेकिन विद्यार्थियों का छूटा हुआ पाठ्यक्रम पूरा करवाने के लिए शिक्षकों के पास सीमित समय रहेगा। खासकर उन विषयों में परेशानी अधिक हो सकती है, जहां लंबे समय से शिक्षक का पद खाली है।

प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया भी चल रही है। ऐसे में 12 सितंबर तक विद्या संबल योजना के तहत संविदा आधार पर गेस्ट फैकल्टी लगाने की प्रक्रिया को लेकर भी विवाद की स्थिति बन सकती है। हालांकि आदेश में गेस्ट फैकल्टी के चयन के लिए जिला स्तरीय समिति और निर्धारित प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है। आदेश के अनुसार प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय समिति होगी, जिसके अध्यक्ष जिला कलेक्टर या उनके द्वारा मनोनीत अधिकारी होंगे। संबंधित विभाग का जिला स्तरीय अधिकारी या विभागीय नोडल अधिकारी समिति का सदस्य सचिव होगा। शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले समिति की ओर से आवेदन आमंत्रित किए जाने का प्रावधान है। निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाएगी। इसके आधार पर उपलब्धता के अनुसार गेस्ट फैकल्टी की सेवाएं ली जाएंगी। प्रत्येक रिक्त पद के लिए यथासंभव तीन अभ्यर्थियों का पैनल तैयार किया जाना है।

गेस्ट फैकल्टी के लिए संबंधित सेवा नियमों में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता रखने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारी या निजी अभ्यर्थी पात्र हो सकते हैं। चयन जिला स्तरीय समिति की प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। न्यूनतम शैक्षणिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता सूची तैयार होगी। प्रत्येक रिक्त पद के लिए यथासंभव तीन अभ्यथिन्यों का पैनल बनाया जाएगा। स्कूलों में ग्रेड-थर्ड के लिए प्रति पीरियड 300 रुपए मानदेय दिया जाएगा। ग्रेड-थर्ड के लिए प्रति पीरियड 350 रुपए मानदेय दिया जाएगा। ग्रेड-प्रथम के लिए प्रति पीरियड 400 रुपए मानदेय दिया जाएगा।

अनुदेशक और प्रयोगशाला सहायक के लिए प्रति पीरियड 300 रुपए मानदेय निर्धारित है। स्कूल/प्रशिक्षण संस्थान में अधिकतम मासिक मानदेय क्रमशः ग्रेड-थर्ड 21 हजार, ग्रेड-सेकिन्ड 25 हजार और ग्रेड-प्रथम 30 हजार रुपए होगा। गेस्ट फैकल्टी के कार्य की मॉनिटरिंग की जाएगी और संतोषजनक कार्य संपादन के आधार पर भुगतान की कार्रवाई होगी।

जिस रिक्त पद के विरुद्ध गेस्ट फैकल्टी लगाई गई है, उस पद पर नियमित नियुक्ति होते ही गेस्ट फैकल्टी की व्यवस्था स्वतः समाप्त मानी जाएगी। गेस्ट फैकल्टी की व्यवस्था पूर्ण रूप से अस्थायी होगी। इसके आधार पर भविष्य में नियमित नियुक्ति का दावा नहीं किया जा सकेगा। निर्धारित शर्तों के अनुसार गेस्ट फैकल्टी से शपथ-पत्र लिया जाएगा। आवेदन में दी गई शैक्षणिक और अन्य जानकारियां गलत या फर्जी पाए जाने पर गेस्ट फैकल्टी से हटाने के साथ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी। गेस्ट फैकल्टी को आवंटित स्थान पर कार्य करना होगा और स्थान परिवर्तन की मांग नहीं कर सकेगा।

न्यायिक अधिकारी के निरीक्षण में रैन बसेरे की खुली पोल, जरूरतमंदों की जगह दुकानदारों का कब्जा मिला

सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी ने कोटकासिम का औचक निरीक्षण कर रैन बसेरे की व्यवस्थाओं की जांच की।

- सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी ने कहा संचालक का लाइसेंस निरस्त करने की होगी कार्रवाई
- नए न्यायालय भवन का किया निरीक्षण और लोक अदालत की तैयारियों की भी ली समीक्षा, अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश।

किशनगढ़ बास। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी ने गुरुवार को कोटकासिम का औचक दौरा कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के निर्देशों पर किए गए इस दौरे में रैन बसेरे से लेकर नए न्यायालय भवन तक हर जगह खामियां सामने आने पर कहा रेन बसेरा संचालक पर लाइसेंस निरस्त कराने होगी कार्रवाई । कोटकासिम निरीक्षण पर पहुंचे सचिव अजीत कुड़ी ने सबसे पहले न्यायालय परिसर के समीप स्थित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जो तस्वीर मिली वो बेहद गंभीर थी। रैन बसेरा जरूरतमंद और असहाय यात्रियों के लिए बना था, लेकिन यहां स्थानीय दुकानदारों का कब्जा मिला। परिसर के अंदर ठााम पंचायत का रिकॉर्ड रखा हुआ था और कई महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज खुले में असुरक्षित पड़े थे। साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाएं भी नहीं थीं। सचिव ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं होगा। लापरवाही बरतने वाले रैन बसेरा संचालक का लाइसेंस निरस्त करने के लिए सक्षम स्तर पर पत्र भेजने के आदेश दिए। इसके बाद सचिव ने उपखंड अधिकारी संजीव कुमार वर्मा, पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता विजयपाल और बार संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कोटकासिम में बन रहे नवीन न्यायालय परिसर की प्रगति की समीक्षा की । बैठक में तय हुआ कि नए परिसर में एडवोकेट चैम्बर, दूर से आने वाले पक्षकारों के लिए लिटिगेंट शेड, पार्किंग, पेयजल और बिजली की पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार भूमि और नक्शों का परीक्षण कर प्रस्ताव उच्च स्तर पर भेजने के निर्देश दिए गए। अधिवक्ताओं से संवाद के दौरान पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य आधारभूत समस्याओं पर भी चर्चा हुई। इस पर सचिव ने अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए कहा। बैठक में आगामी 12 सितंबर 2026 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। सचिव अजीत कुड़ी ने अधिकारियों और अधिवक्ताओं से अपील की कि राजीनामे योग्य मामलों को चिन्हित कर अधिक से अधिक प्रकरणों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कराया जाए, ताकि आमजन को त्वरित और कम खर्च में न्याय मिले। बाद में सचिव ने सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट तमन्ना कौशिक के

युवा भुनेश शर्मा के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर

पावटा। जयपुर देहात उत्तर भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा के सुपुत्र भुनेश शर्मा का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। युवा अवस्था में हुए उनके असामयिक निधन की खबर से पावटा सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। निधन की सूचना मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों, राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा परिचितों में गहरा दुख व्याप्त हो गया। भुनेश शर्मा के निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी गहरा शोक व्यक्त करते हुए भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा एवं उनके शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसी क्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा, बीकानेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जेठानंद व्यास, जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा, पूर्व देवस्थान विभाग मंत्री एसडी शर्मा, पूर्व विधायक इन्द्राज गुर्जर, कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज, पूर्व निगम पार्षद शंभू शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भुनेश शर्मा के निधन पर गहरा दुख जताया। जनप्रतिनिधियों ने कहा।

बम-बम भोले के जयकारों से गूंजा शिवालय

निवाई। कंकाली माता मन्दिर के श्री रक्तांचल महादेव मंदिर में सावन माह अष्टमी को सहस्त्रधट का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्री शक्ति पीठ सेवा संस्थान के अध्यक्ष शंकरलाल सौनी ने बताया की गुरूवार को सुबह माता रानी की आकर्षक झांकी सजाकर 21 जोड़ों से मण्डल का सामूहिक पूजन करवाया गया। इसके बाद रूद्ध अभिषेक करके कंकाली माता के दुर्गा पाठ का भव्य आयोजन हुआ। आर्चाय दधिमती दाधीच सहित कई विद्वान पण्डितों के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भोले शंकर के जल चढ़ाकर भगवान का सहस्त्रधट किया गया। इस दौरान ओम नमः शिवायः व बम बम भोले के जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। कंकाली माता मन्दिर के गर्भ गृह में माता जी व भगवान शंकरजी की मनमोहक झांकियां सजाई गई।

आदर्श आचार संहिता की हो कठोर पालना : गंभीर सिंह

- नगरीय निकाय चुनाव को लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों हुई बैठक

निवाई। पंचायत समिति सभागार में नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 को लेकर आदर्श आचार संहिता की प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एसडीएम गंभीर सिंह की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। एसडीएम गंभीर सिंह ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए शहर में आदर्श आचार संहिता की कठोर पालना करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 को लेकर सभी अधिकारी व प्रकोष्ठ प्रभारी सजग रहे एवं अपने कार्यालयों में उपस्थित रहे। आवश्यक सूचाना व आपातकालीन स्थिति में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें। उन्होंने मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करने, संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी एवं रोशनी की उपलब्धता जानने एवं व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर आम मतदाता के लिए जागरूक एवं भयमुक्त माहौल तैयार करना है। जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, भयमुक्त, निष्पक्ष, निर्भिक एवं सुव्यवस्थित मतदान सुनिश्चित किया जा सकें। उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए पुलिस अधिकारियों को अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को पूरी तरह चाक चौबंद रखने, रात्रि गश्त बढाने, मादक पदार्थ व अवैध शराब माफियों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने, मतदाताओं को डराने धमकाने वालो पर विशेष निगाह रखने के निर्देश दिए।

माण्डकलां धर्मशाला का शिलान्यास 30 को

निवाई। अखिल भारतीय रैगर महासभा के तत्वावधान में प्रमुख शिक्षाविद एवं संरक्षक भंवरलाल देवतवाल की अध्यक्षता एवं जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल की मौजूदगी में बैठक आयोजित हुई। जिसमें माण्डकलां धर्मशाला का शिलान्यास समारोह की तैयारियों सहित कई महत्पूर्ण मुददों पर चर्चा। जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश धवलपुरिया ने बताया कि बैठक में माण्डकला तहसील नगरफोर्ट का धार्मिक स्थान हैं। जहां लम्बे समय से समाज की धर्मशाला निर्माण करवाने की मांग रही हैं। बैठक में सबकी सहमति से धर्मशाला के निर्माण कार्य को लेकर प्रस्तावित नक्से का अनुमोदन किया गया एवं धर्मशाला का 30 अगस्त को शिलान्यास करवाने का निर्णय लिया गया। जिसको लेकर अधिक आर्थिक सहयोग करने वालें भामाशाहों से संपर्क करने पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल ने बताया कि 5100 या उससे अधिक राशि का आर्थिक सहयोग करने वालें भामाशाहों के नाम का शिलालेख धर्मशाला पर लगाया जाएगा। इच्छुक भामाशाह अपने पूर्वजों की पुण्य स्मृति में कमरे की लागत वहन करके धर्मशाला के कमरों पर अपने परिजनों के नामों का शिलालेख लगवा सकते हैं। इस दौरान धर्मशाला निर्माण समिति अध्यक्ष हरिनारायण चोमिया ने दीवार निर्माण का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए 1 लाख 36 हजार 800 रूपए की कुल राशि खर्च होना बताया। जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक में रैगर अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा ने सभी कर्मचारियों को संगठन से जुडने एवं धर्मशाला में सहयोग करने का आ ाान किया। सभापति ने आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए धर्मशाला निर्माण में यथाशक्ति आर्थिक सहयोग करने का आ ाान किया। बैठक में नगरफोर्ट से चिरंजी लाल, अशोक कुमार, सुनील इंदौरिया, नानेर से ओमप्रकाश वर्मा, फुलेता से शंकरलाल बांसींवाल एवं पूरण मंडोलिया, मालपुरा से त्रिलोकचंद सांटीवाल, मालीपुरा से प्रभुलाल मौर्य, बनेठा से कल्लू लाल चोमियाँ, दूनी से अर्जुन थलहेटिया एवं अमित, निवाई से महेन्द्र मंडरावलिया, ताराचंद मंडरावलिया, धुंआ से शंकरलाल सेवलिया, लाम्बा से मदन लाल, पलाई से मदन लाल, लादूलाल, किशनलाल, रामस्वरूप, सत्यनारायण, बालापुरा से शिवपाल, प्रकाश, रामप्रकाश, मोहन लाल एवं बालून्दा से नैनु लाल व कैलाश चन्द सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

खोया पाया

आवास संख्या 5/367 मानसरोवर जयपुर का आवंटन पत्र, कब्जा पत्र और अदेय प्रमाण पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करे। इन्द्रजीत मो. 9610571190

नाम परिवर्तन

मै, चेतना देवी मेरे शैक्षिणक दस्तावेजों में मेरा नाम चेतना बेदी अंकित है, जबकि आधार कार्ड में चेतना देवी दर्ज है। विवाह के पश्चात मैंने अपना नाम चेतना बेदी से चेतना देवी कर लिया है। दोनों नाम मेरे ही हैं। भविष्य में मुझे चेतना देवी के नाम से जाना जाए।

मै मानसी सेजवानी पत्नी श्री यश सेजवानी निवासी 523 ए, सिन्धी कॉलोनी, जवाहर नगर, जयपुर। मैंने अपना नाम करमानी मानसी दीपककुमार (KARMANI MANSI DEEPAKKUMAR) से बदलकर मानसी सेजवानी (MANSI SEJWANI) रख लिया है। भविष्य में मुझे मानसी सेजवानी (MANSI SEJWANI) के नाम से जाना जाये।

मैं Hubb Lal सत्यापित करता हूं कि मेरी पीएनबी मेटलाइफ पॉलिसी 21972996 में मेरा नाम Hubba Lal है जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम Hubb Lal है। अतः भविष्य में मुझे Hubb Lal S/o Ummed Singh के नाम से जाना व पहचाना जावें।

तीये की बैठक

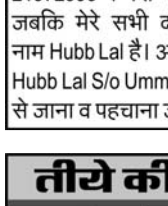

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय माताजी **श्रीमती तुलसी देवी** का स्वर्गवास दिनांक 19.08.2026 को हो गया। तीये की बैठक दिनांक 21.08.2026 (शुक्रवार) को सायं 5:00 से 6:00 बजे तक एमपीएस स्कूल तिलक नगर, लाहोटी हॉल, जयपुर पर होगी।

शोकाकुलः स्व. रामचन्द्र- पुष्पा, मदन- सन्तोष, राजेन्द्र- अम्बिका (पुत्र-पुत्रवधु), मदन- सरला, ओमप्रकाश- सुधा, कान्ताप्रसाद- सुलोचना (पुत्री-दामाद), सुशील- ममता, अंकुर वर्षा, कृष्णकान्त- कृष्णा, अविनाश- मिताली (पौत्र-पौत्रवधु), सुनीता-प्रवीण, ज्योति-पवन, कुसुम- गजानन्द, सविता-मनीष, रीता-राकेश, जया-सौरभ (पौत्री-दामाद), अभिषेक (पौत्र), दर्श, घनिश (प्रपौत्र), ख्याती, देवांशी (प्रपौत्री)

नम्बर मिलाइए 8890333139

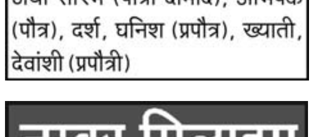

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भाजपा नगर मण्डल चौमूं की महत्वपूर्ण बैठक आज

चौमूं / कालाडेरा । आगामी नगर निकाय चुनाव -2026 की तैयारियों को सुदृढ़ करने और संगठनात्मक रणनीति तय करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल चौमूं की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को दिनांक 21 अगस्त, 2026 को सायं 5.00 बजे रेनवाल रोड स्थित रजवाड़ा गार्डन में आयोजित होगी। बैठक में सुमन शर्मा चुनाव प्रभारी, नगर परिषद चौमूं , जितेन्द्र शर्मा जिलाध्यक्ष, जयपुर जिला देहात उत्तर, रामलाल शर्मा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक बैठक में कार्यकर्ताओं को चुनावो की रणनीति और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। आगामी निकाय चुनावों में पार्टी का परचम लहराने और बूथ स्तर तक रणनीति को मजबूत करने के लिए इस बैठक में संयोजक, सह-संयोजक, प्रभारी, सह-प्रभारी, मण्डल पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केन्द्र प्रमुख, संचालन समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधिगण तथा समस्त भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

जुआ खेलने के आरोप में तीन गिरफ्तार

निवाई। सदर थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर ताश पत्ती पर जुआ खेलने के आरोप में तीन जनों को गिरफ्तार किया है। जिनसे ताश पत्ती सहित 6 हजार 350 रूपए जब्त किए है। थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि गांव मूण्डिया में सार्वजनिक स्थान पर ताश पत्ती पर जुआ खेल रहे।

विराटनगर, पावटा, भाबरू में चोरों की धमाचौकड़ी

- लगातार चोरी की घटनाओं से दहशत में ग्रामीण, पुलिस गश्त पर उठ रहे सवाल
- चोर मकान के पीछे स्थित कमरे का जंगला तोड़कर अंदर दाखिल हुए।

पावटा। विराटनगर, पावटा और भाबरू थाना क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है। आए दिन सामने आ रही चोरी और चोरी के प्रयास की घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। रात होते ही चोर सक्रिय होने की आशंका के चलते लोग अपने घर, दुकान और वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

पिछले दिनों क्षेत्र में प्रागपुरा थाना क्षेत्र के कल्याणपुरा क्षेत्र में एक ही रात में चार-पांच मकानों में चोरों ने सेंध लगाकर लाखों रुपये की नकदी और आभूषण चोरी कर लिए। चोरों ने सुनसान और बंद मकानों को निशाना बनाया। वही विराटनगर थाना क्षेत्र के श्यामपुरा निवासी हरफूल रातावाल ने मामला दर्ज करवाया था कि अज्ञात चोर मकान के पीछे स्थित कमरे का जंगला तोड़कर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद चोरों ने कमरे की अंदर से कुंडी लगा दी और अलमारी व बेड में रखे सोने-चांदी के आभूषण, नकदी सहित अन्य कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। भाबरु थाना क्षेत्र के बागावास अहिरान में एक्सीलेंट लाइब्रेरी से एसी का कंप्रेसर चोरी, प्रागपुरा थाना क्षेत्र के उपजिला अस्पताल पावटा परिसर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर से पीतल की घंटियां चोरी सहित पूर्व में कई स्थानों पर चोरों की गतिविधियां सामने आने के बाद ग्रामीणों में पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कहीं मकानों को निशाना बनाया जा रहा है तो कहीं खेतों और सुनसान स्थानों पर खड़े वाहनों को चोर निशाना बना रहे हैं। कई मामलों में चोर वारदात को अंजाम देने में सफल रहे, जबकि कुछ जगह लोगों की जागरूकता के चलते चोरी की कोशिश नाकाम हुई। ठाामीणों का कहना है कि आबादी क्षेत्र के साथ-साथ गांवों और मुख्य मार्गों पर रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाई जानी चाहिए। संदिग्ध लोगों और वाहनों की नियमित जांच हो तथा चोरी की पुरानी वारदातों का जल्द खुलासा किया जाए। लगातार घटनाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर चोरों में पुलिस का कितना खौफ रह गया है? यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में चोरी की घटनाएं और बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। विराटनगर, पावटा और भाबरू थाना क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित कर संदिग्ध गिरोहों का पता लगाया जाए, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएं और रात्रिकालीन गश्त को प्रभावी बनाया जाए। ठाामीणों की मांग है कि पुलिस केवल वारदात के बाद जांच तक सीमित न रहे, बल्कि चोरों की गतिविधियों पर पहले से शिकंजा कसकर क्षेत्र में सुरक्षा का भरोसा कायम करे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने ली संगठन की बैठक

टोंक। नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला बीजेपी कार्यालय में पार्टी की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई ।

टोंक। नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला बीजेपी कार्यालय में पार्टी की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल ने कार्यकर्ताओं को पूरी तैयारी के साथ जुटने का आव्हान किया। बैठक में जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने भाजपा प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल को साफा पहनाकर उनका स्वागत किया।

बैठक में प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल ने कहा कि निकाय चुनाव में हर कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ पूरी ऊर्जा से चुनावी तैयारियों में जुटें और केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर आमजन के बीच जाएं। भाजपा प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल ने कहा- संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और हर वार्ड में प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाएं। घर घर जाकर लोगों को भाजपा सरकार की उपलब्धियों को लेकर चर्चा करें और उनका फीडबैक लें।

इस दौरान जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि भाजपा संगठन आगामी निकाय चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है, पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरेगा। कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की मजबूत संरचना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों के आधार पर भाजपा जनता के बीच पहुंचेगी। चौहान ने कहा कि निकाय चुनाव में पार्टी की विजय के लिए प्रत्येक मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से जनसंपर्क करें, स्थानीय समस्याओं को समझें तथा जनता की अपेक्षाओं और सुझावों को संगठन तक पहुंचाएं। पार्टी पदाधिकारियों ने आगामी निकाय चुनाव में भाजपा को मजबूत स्थिति में पहुंचाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला प्रभारी रामानंद गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता, राजेन्द्र पराणा, सतीश चंदेल, गणेश माहुर, शंकर लाल ठाड़ा, पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी, सरोज बंसल, माधोराम चौधरी, प्रभु बाडोलिया, संतकुमार जैन, शैलेन्द्र चौधरी, राजेन्द्र राणावत, प्रधान काबरा, बीना छामुनिया आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहीद देवालाल गुर्जर स्कूल में पौधारोपण

निवाई। शहीद देवालाल गुर्जर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जौंला में कार्यरत शिक्षक के प्रमोशन को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसके दौरान विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य काशीपुर नरेन्द्र कुमार सौगानी, प्रधानाचार्य लक्ष्मणलाल मीणा, प्रधानाचार्य मेहंदवास बद्रीलाल जाट, प्रधानाचार्य पन्नालाल बैरवा, प्रधानाचार्य मौहम्मद ईरफान खां, व्याख्याता लालाराम मीणा, व्याख्याता रजनी बंशीवाल, भगवत सिंह, नव प्रधानाचार्य सैयद मूशीर अहमद को सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी अतिथियों ने एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत अशोका का पौधा लगाकर पौधारोपण किया। इस अवसर पर व्याख्याता हनुमान प्रसाद बैरवा, दयाराम बैरवा, सीमा गोयल, बद्रीलाल जाट, मौहम्मद रीजवान खां, मंजू अग्रवाल, राजपाल यादव, सुरेश गुर्जर, रामप्रसाद गुर्जर, रामस्वरूप रैगर, सिंटू चौधरी, हर्षित शर्मा, फरहाना बी, यास्मीन बानो, श्योजीलाल जाट, अंशुमान सिंह व मनोज महावर सहित कई शिक्षक मौजूद थे।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य गौरी शंकर कुमावत पुत्र श्री बद्रीलाल कुमावत, पता- ए-199ई, जगदम्बा नगर-ए, हीरापुरा पावर हाउस के पास, जयपुर द्वारा ग्राम पीथावास, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर में स्थित आराजी खसरा नम्बर 600, 696/600 की भूमि खरीदना तय किया है। उक्त खसरा नम्बर के सम्बन्ध में स्वामित्व, हक सम्बन्धी कोई उज्ज आपत्ति है तो 7 दिवस में मय सबूत पेश करे, बाद की कोई उज्ज आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
जयपुर (राकेश यादव) एडवोकेट
दिनांकः 20/08/2026 मो. 9414254160

आम सूचना सर्वसाधारण को विदित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्या श्रीमती नन्छी देवी पत्नी स्व0 श्री मालीराम, उम्र 64 वर्ष निवासी-प्लाट नम्बर-223, रामखोल, फतेहराम का टीबा, ब्रहमपुरी, जयपुर-राजस्थान जो कि वरिष्ठ विधवा महिला है उनका पुत्र नरेन्द्र योगी व उनकी पुत्रवधु श्रीमती आंकाक्षा योगी मेरी अभिभाष्या के कहने में नही हैं, उनके साथ आये दिन गाली गलौच, मारपीट करते है, ना ही उनको खाना देते है जिससे व्यथित होकर मेरी अभिभाष्या के निर्देशानुसार सूचित करता हूँ कि मेरी अभिभाष्या अपनी चल व अचल सम्पति जो वर्तमान में है व भविष्य में होगी से अपने पुत्र नरेन्द्र योगी व उनकी पुत्रवधु श्रीमती आंकाक्षा योगी को आज से बेदखल करती है तथा इनके किसी भी कृत्य के लिये मेरी अभिभाष्या किसी भी प्रकार के जिम्मेदार नही होगी।
जयपुर अमित कुमार वर्मा, एडवोकेट
दिनांक :20/8/2026 मो.-8947065470

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
280
20/7/26 (आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (उत्तर), जयपुर महानगर, द्वितीय, जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरूद्ध विशन सिंह राठौड़ एवं अन्य
वाद बाबत वसूली 1,05,131.00/- रूपये वाद संख्या 148 सन् 2022 पेशी-14/10/26
बनाम 1. विशन सिंह राठौड़ पुत्र श्री माधो सिंह राठौड़, निवासी:-मकान संख्या सी-353, मस्जिद वाली गली, मुरलीपुरा स्कीम, मुरलीपुरा, सीकर रोड, जयपुर-302039 2. श्रीमती गायत्री देवी पत्नि विशन सिंह राठौड़, निवासी:-मकान संख्या सी-353,मस्जिद वाली गली, मुरलीपुरा स्कीम, मुरलीपुरा, सीकर रोड, जयपुर-302039 एवं केयर ऑफ आरोही स्कूल, ई-205, बैंक कॉलोनी, मुरलीपुरा, जयपुर-302039
वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 14 माह 10 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 20 माह 07 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर जयपुर महानगर द्वितीय
सील

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
281
20/7/26 (आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (उत्तर), जयपुर महानगर, द्वितीय, जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरूद्ध शिव शंकर अग्रवाल एवं अन्य
वाद बाबत वसूली 1,85,338.00/- रूपये वाद संख्या 178 सन् 2022 पेशी-14/10/26
बनाम 1. शिव शंकर अग्रवाल पुत्र श्री गुलजारी लाल अग्रवाल निवासी-मकान संख्या 19-बी-ए, गोवर्धन बाड़ी, कुम्हार कॉलोनी, प्रेम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 एवं मकान संख्या 1-बी-18, राधा निकुंज, गोवर्धन बाड़ी, कुम्हार कॉलोनी, प्रेम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 एवं केयर ऑफ जय श्री फॉरमा, 202, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर एवं मकान संख्या सी-35, कृष्णा कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 2. श्रीमती सुन्दर बिन्दल w/o गुलजारी लाल अग्रवाल निवासी-मकान संख्या ई-347, ई-ब्लॉक, वैशाली नगर, जयपुर-302021 एवं सी-2, जगदम्बा टॉवर, वैशाली नगर, जयपुर-302021
वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 14 माह 10 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 20 माह 07 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तर जयपुर महानगर द्वितीय
सील

आम सूचना

मेरी अभिभाष्या श्रीमति अनिता सोनी पत्नी स्वर्गीय श्री धर्मदास निवासी ए-123, नारायण विहार, जयपुर का पुत्र दीपक सोनी, पुत्रवधु दीपा मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं है एवं अलग रहते है, दीपा लडाई झगडा करती है। मेरी अभिभाष्या द्वारा दोनों को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने समस्त रिश्ते, सम्बन्ध समाप्त कर लिए है। इनसे जो भी कोई संव्यवहार करेगा वह स्वयं उत्तरदायी होगा। **(एडवोकेट योगेश अग्रवाल),** राजस्थान हाईकोर्ट, मो. 9351450501

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 3085 दिनांक :- 12/08/2028

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 67/200 (HIG), (एरिया 189.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती शान्ति माथुर पत्नी स्व. श्री ओम प्रकाश माथुर एवं श्री विरेन्द्र माथुर पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश माथुर को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2172 दिनांक 17.04.2004 को जारी किया गया। श्रीमती शान्ति माथुर एवं श्री विरेन्द्र माथुर के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 03.09.2014 को उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती शान्ति माथुर की मृत्यु दिनांक 28.12.2024 को हो जाने के कारण पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर इनके पुत्र श्री विरेन्द्र माथुर पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश माथुर द्वारा उक्त आवास का 1/2 भाग को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री विरेन्द्र माथुर पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश माथुर का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 79/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री दीपचन्द अध्यक्ष व श्री सुनील बख्शी मंत्री ने पंजीकृत प्रन्यास श्री दिगम्बर जैन मंदिर, चाकसू का चौक, हल्दियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर जिसका पंजीयन कमांक 238 दिनांक 31.01.1966 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास की बैठकों में लिये गये निर्णयों अनुसार निर्वाचित सदस्यों के नाम अभिलेख में दर्ज करने तथा श्री सुरेश कुमार का देहान्त हो जाने के कारण अभिलेख से नाम हटाने हेतु प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11.8.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 15.9.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 195/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री सुभाष परवाल पुत्र श्री जगदीश परवाल निवासी एम-69 महेश कॉलोनी टोंक फाटक जयपुर राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री श्याम सेवक कल्याण संघ खाटूश्याम जी सीकर शाखा कार्यालय 8 सी 30 प्रताप नगर टोंक फाटक जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23.7.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 30.9.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

राजस्थान सरकार-शिक्षा विभाग
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
काजीपुरा, जिला-जयपुर (राज.)
क्रमांक-रा.उ.मा.वि.काजीपुरा/सांभर लेक/नीलामी/2026/767 दिनांक-20/08/2026
नीलामी विज्ञप्ति

श्रीमान सीबीईओ कार्यालय सांभर लेक के आदेश क्रमांक सीबीईओ/सांभर/जय/लेखा/2026-27/1219 दिनांक 17/8/26 की अनुपालना में स्थानीय विद्यालय की अक्रियाशील ICI लैब के सामान की राशि 50000 अक्षरे पचास हजार रूपये से अधिक होने पर आईसीटी लैब के सामान की नीलामी दिनांक 08/09/26 को प्रातः 10.30 बजे से स्थानीय विद्यालय में करवाई जायेगी। इस हेतु जीएसटी पंजीकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि नीलामी स्थल पर उपस्थित होवें। बोलीदाता 2 प्रतिशत राशि नगद जमा करवाकर बोली में भाग ले सकता है। नीलामी संबंधी अंतिम अधिकार कमेटी का होगा।
प्रधानाचार्य
रा.उ.मा.वि.काजीपुरा सांभरलेक जयपुर

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड
CONTAINER CORPORATION OF INDIA LTD.
एक नवरत्न कम्पनी (भारत सरकार का उपक्रम)
A Navratna Company (A Govt. of India Undertaking)
कॉनकॉर CONCOR
एनएसआईसी नई एमडीबीपी बिल्डिंग, तृतीय तल, ओखला इंडस्ट्रीयल एस्टेट (एनएसआईसी ओखला मेट्रो स्टेशन के सामने), नई दिल्ली-110020

निविदा सूचना (केवल ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से)

आईसीडी / कनकपुरा, जयपुर, राजस्थान में अग्निशमन एवं अग्नि चेतावनी प्रणालियों के संचालन एवं रखरखाव हेतु व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध के लिए 36 माह की अवधि हेतु केवल ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से एकल बोली प्रणाली में ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा दस्तावेज केवल ₹1000.00 का ऑनलाइन भुगतान करने के पश्चात वेबसाइट www.tenderwizard.com/CCIL से डाउनलोड किया जा सकता है।

निविदा क्रमांक	CON/AREA-1/KKU/TECH/O&M FIRE FIGHTING SYSTEM/2026-27
कार्य का नाम	आईसीडी / कनकपुरा, जयपुर, राजस्थान में अग्निशमन एवं अग्नि चेतावनी प्रणालियों के संचालन एवं रखरखाव हेतु 36 माह की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। ₹ 3916569 / – (जीएसटी सहित)
अनुमानित लागत	₹ 39,16,569/- (जीएसटी सहित)
अनुबंध की अवधि	36 माह (धारा-II के खंड-6 के अनुसार)
धरोहर राशि (ईएमडी)	₹ 78,332/- (ई-भुगतान के माध्यम से), धारा-I के खंड 2.1 (a) के अनुसार
निविदा दस्तावेज की लागत	₹1,000 / – (सभी करों एवं शुल्कों सहित), ई-भुगतान के माध्यम से
निविदा प्रसंस्करण शुल्क	₹2,312 / – (18% जीएसटी सहित), ई-भुगतान के माध्यम से, जो अप्रतिदेय है
ऑनलाइन बिक्री की तिथि	21.08.2026 को 15:00 बजे से 11.09.2026 को 16:00 बजे तक
जमा करने की तिथि एवं समय	12.09.2026 को 15:00 बजे तक (केवल ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से)
खोलने की तिथि एवं समय	14.09.2026 को 15:30 बजे

*ई-भुगतान के माध्यम से
कॉनकॉर को बिना कोई कारण बताए किसी एक या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। विस्तृत जानकारी के लिए www.tenderwizard.com/CCIL पर लॉग ऑन करें।
समूह महाप्रबंधक / तकनीकी (क्षेत्र-1)

कार्यालय नगरपरिषद कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)
Email : co.jmcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in, munibkcity@gmail.com
फोन नं. 01586-220022, 01586-221526
क्रमांक :- न.प.कु. / 2026-27 / 3758 दिनांक :- 19.08.2026

आम निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष के लिए नया बस स्टैण्ड एवं पुराना बस स्टैण्ड कुचामन सिटी से निजि बसे संचालित होने वाली बसो एवं परिषद क्षेत्र से बस स्टैण्ड शुल्क प्रतिमाह वसूल करने का ठेका का निस्तारण निविदाओं के आधार पर किया जाना है। निविदाएं दिनांक 31.08.2026 को सुबह 11.00 बजे से दोपहर दोपहर 2.00 बजे तक आमंत्रित की जावेगी। प्राप्त निविदाएं इसी तिथि को निविदाताओं के सम्मुख बोली लगाई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति ठेकेदारों के निम्न विवरण अनुसार निविदाओं में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जाता है। निविदाओं कि शर्ते एवं अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय से ली जा सकेगी।

निविदाओं का विवरण :-

क्र.सं.	ठेका का विवरण	अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क
1	कुचामन सिटी से रेलवे स्टेशन, मकराना, बोरावड, अजमेर, पुष्कर, जयपुर रूट पर एवं कुचामन सिटी से डीडवाना, खाटू, नागौर, सुजानगढ़, सालासर रूट पर संचालित होने वाली बसो से प्रतिमाह बस स्टैण्ड शुल्क वसूली की दर	प्रतिमाह 44000/-	3000/-	100/-

आयुक्त
नगरपरिषद कुचामन सिटी

विराटनगर में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट

पावटा। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर विराटनगर उपखंड प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से उपखंड कार्यालय विराटनगर में कानून व्यवस्था संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता उपखंड अधिकारी लालाराम यादव ने की। बैठक में तहसीलदार, नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी, थानाधिकारी, डिप्टी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, मतदान केंद्रों की सुरक्षा, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान तथा चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। एसडीएम लालाराम यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर क्षेत्र के सभी वार्डों में स्थित मतदान केंद्रों का सुरक्षा की दृष्टि से आकलन कर संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों को चिन्हित किया जाए। ऐसे मतदान केंद्रों पर सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, विवाद अथवा कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में चुनाव के दौरान अवैध गतिविधियों, धन-बल के इस्तेमाल, मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास तथा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

कानून व्यवस्था बैठक में एसडीएम लालाराम यादव ने सख्त निर्देश दिए।

■ संवेदनशील मतदान केंद्रों पर रहेगी विशेष नजर

प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा गया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि नगरीय निकाय आम चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक मतदाता को बिना भय और दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी को याद किया

चौमूं / कालाडेरा । चौमूं शहर के कचौलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, संचार क्रांति के जनक, आधुनिक भारत के शिल्पकार एवं युवा नेतृत्व के प्रतीक राजीव गांधी जी की जयंती कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों, ब्लॉक एवं मण्डल अध्यक्षों, पार्षदगण, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्व. राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित कांठोसजनों ने स्व. राजीव गांधी जी के दूरदर्शी विचारों, देश के विकास में उनके योगदान तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी जी ने देश की युवा शक्ति को नई दिशा देने के साथ ही आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम भारत की मजबूत नींव रखी।

सार-समाचार

हर-हर महादेव से गूंजा घाटेश्वर नाथ मंदिर, महिलाओं ने किया सहस्त्र घट

लालसोट। श्रावण मास में धर्म और आस्था का उत्साह चरम पर है। गुरुवार को घाटेश्वर नाथ महादेव मंदिर में घाटेश्वर नाथ महादेव महिला मित्र मंडल के तत्वावधान में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का सहस्त्र घट किया गया। पंडित राम खांडल के मुखारविंद से वैदिक मंत्रों की गूंज के बीच महिला मंडल की सदस्यों ने भगवान घाटेश्वर नाथ महादेव का जलाभिषेक कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। महिला मित्र मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी चौबे ने बताया कि सनातन परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंचम कांवड यात्रा निकाली जाएगी। शुक्रवार 21 अगस्त को सुबह 6 बजे कांवड यात्रा ब्याई माता के लिए प्रस्थान करेगी। कांवड़िए वहां से पवित्र गंगाजल लेकर लौटेंगे और शाम 4 बजे घाटेश्वर नाथ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का पवित्र गंगाजल से जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने बताया कि महिला मित्र मंडल की ओर से लगातार पांचवें वर्ष कांवड यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। कांवड यात्रा को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है और यह आयोजन सनातन संस्कृति, शिवभक्ति और धार्मिक आस्था का संदेश देगा। सहस्त्र घट एवं धार्मिक आयोजन में लक्ष्मी चौबे, ममता चौबे, पुष्पा जोशी, मधु कोटखावदा, विजय लक्ष्मी गुद्याका, रुक्मणी शर्मा, मुनी ढाबा, मुस्कान चौबे सहित सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहीं।

पोस्टर का विमोचन

खैरथल। पैसों के अभाव में पढ़ाई बीच में न छूटे, इसके लिए इंजीनियर्स पॉइंट खैरथल ने बड़ा कदम उठाया है। संस्था ने प्रदेशभर के टैलेंटेड विद्यार्थियों के लिए ई.पी. टैलेंट सर्च एग्जाम कम स्कॉलरशिप टेस्ट 2027 की घोषणा की है। इसमें विद्यार्थी 3 करोड़ तक की स्कॉलरशिप और 15 लाख तक के नकद पुरस्कार जीत सकते हैं। बुधवार को संस्था ने परिसर में 2027 के पोस्टर का विमोचन भी किया है। संस्था निदेशक आजाद चौधरी ने बताया कि इंजीनियर्स पॉइंट का उद्देश्य जिले और आसपास के क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा इस एग्जाम के जरिए हम मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद करना चाहते हैं, ताकि वे बिना किसी रुकावट के अपना भविष्य बना सकें।

ठगी के 70 हजार रुपए पीड़ित को लौटाए

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में दत्तवास थाना पुलिस ने अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के 7 मामलों में अपराधियों के कब्जे से पीड़ितों के 70,671 रुपए बरामद किये है। दत्तवास थाना प्रभारी निरमा मीणा ने बताया कि जांच के दौरान एक नाबालिग किशोर के साइबर ठगों के संपर्क में आने और पीड़ितों से ठगी करने की बात सामने आई, पुलिस टीम को साइबर ठगी से संबंधित जानकारी मिलने पर जांच शुरू की गई थी। पुलिस ने किशोर के परिजनों को सूचित किया और ठगी से संबंधित पूरी जानकारी दी। इसके बाद, एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज 7 शिकायतों से संबंधित कुल 70,671 रुपए की राशि पीड़ितों को वापस दिलवाई।

मोटरसाइकिल को ट्रैक्टर चालक ने कुचला

टोंक। बरोनी थाना क्षेत्र के अरावली पर्वत श्रृंखला स्थित नोहटा-पहाड़ क्षेत्र में बुधवार देर शाम को वन विभाग की टीम को कुचलने की कोशिश की गई। इस दौरान आरोपी ने मोटरसाईकिल पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिसके बाद बाइक सवार कर्मचारियों ने समय रहते कूदकर जान बचाई, घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। निवाई रेंजर धारीलाल ने बताया कि सिरस नाका टीम को चेजा पत्थर के अवैध खनन की सूचना मिली थी। गश्त करते हुए टीम नोहटा पहाड़ क्षेत्र में पहुंची, जहां विभाग की टीम ने एक ट्रैक्टर ट्रॉली को चेजा पत्थर को खनन करते हुए देखने के बाद टीम ने चारों तरफ से ट्रैक्टर को घेर लिया और रुकने के लिए कहा, लेकिन चालक अंकित योगी निनाली करीरिया ने ट्रैक्टर को तेज भगाने की कोशिश की। ट्रैक्टर के सामने नाका प्रभारी रमेश ताखर और वनरक्षक ओमप्रकाश गुर्जर बाइक लेकर खड़े थे, ट्रैक्टर को देख दोनों कर्मचारियों ने बाइक से कूदकर जान बचाई। ट्रैक्टर चालक ने बाइक को कुचलता हुआ आगे चला गया, लेकिन बाइक टायरों में फंसने से ट्रॉली मौके पर पलट गई। साथी ही कर्मचारियों ने तुरंत ट्रैक्टर ड्राइवर को पकडा और नीचे उतारने की कोशिश करने लगे। इतने में ट्रैक्टर ड्राइवर झपट्टा मारकर मौके से फरार हा गया। बाद में वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर निवाई रेंज कार्यालय में खड़ा करवा दिया है। मामले को लेकर वन विभाग की ओर से बरोनी थाने में ट्रैक्टर ड्राइवर अंकित योगी निवासी करीरिया के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

तप कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

निवाई/गुन्सी। सकल दिगम्बर जैन समाज एवं चातुर्मास कमेटी गुन्सी विज्ञातीर्थ के तत्वावधान में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ के सानिध्य में भगवान नेमीनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सेंकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान नेमीनाथ की विधिवत पूजा अर्चना कर श्रीफल चढ़ाया। विज्ञातीर्थ के कार्याध्यक्ष सुनिल भाणजा व मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि समाजसेवी महावीरप्रसाद पराणा, राजेश सांवलिया एवं पवन सांवलिया ने भगवान नेमीनाथ के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पूजा अर्चना शुरू करवाई। प्रेमचंद जैन, राजेश जैन, पवन सांवलिया, कवि चन्द्रेश जैन, दीपक कठमाणा, मोहित जैन, विमल पाटनी व पदम टोंग्या द्वारा मूलनायक भगवान शांतिनाथ एवं भगवान नेमीनाथ जी की शांतिधारा की। उन्होंने बताया कि धार्मिक कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रीजी का अभिषेक करके पूजन किया। जिसमें देव शास्त्र गुरु, भगवान आदिनाथ, भगवान चंद्र प्रभु, भगवान शांतिनाथ, भगवान नेमीनाथ, भगवान पाश्र्वनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की एवं गणाचार्य विराग सागर महाराज के साथ आर्यिका विज्ञाश्री माताजी की महिलाओं ने श्रीफल चढ़ाकर पूजा अर्चना की। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो सच्चे मन से भगवान की पूजा अर्चना एवं भक्ति करते हैं, उनके कार्य एवं भावनाएं सहज ही पूर्ण हो जाती है। वैसे यथार्थता तो यह है कि वीतरागी सर्व दोष मुक्त भगवान किसी का भला बुरा नहीं करते हैं, निःस्वार्थ निश्चल भक्ति से जो पुण्य का संचय होता है, उससे हमारे कार्य स्वत ही सिद्ध होते हैं।

पेड़ों की टहनियों से होने वाले हादसों को तुरंत रोको : मीणा

मनोहरपुर । मानसून के दौरान आमजन को सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मनोहरपुर डिवीजन में गुरुवार को एक विशेष समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अधीक्षण अभियंता जयपुर नॉर्थ एमएल मीणा ने की। इस दौरान विद्युत व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर गहन मंथन हुआ। बैठक में अधिशाषी अभियंता राजेंद्र कुमार परेवा,सहायक अभियंता (एच टी एम) शाहपुरा मनोहर सिंह यादव सहायक अभियंता शाहपुरा हरदेव कुलदीप, सहायक अभियंता राडावास सी एम मीना सहित सभी फीडर प्रभारी, अधिकारी और एज इन्फ्रा टीम के प्रतिनिधि मौजूद रहे । सुरक्षा पहले मीणा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि टूटे हुए तार, झुके हुए पोल और बिजली लाइनों को छू रही पेड़ों की शाखाओं से संभावित दुर्घटनाओं को तत्काल रोका जाए। लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। फीडर ट्रिपिंग, फाल्ट की त्वरित लोकेशन, मरम्मत, फाल्ट रिस्पांस टीम और उपभोक्ता शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की समीक्षा की गई। एज इन्फ्रा टीम ने विद्युत नेटवर्क के डिजिटलीकरण, परिसंपत्तियों के डिजिटल रिकॉर्ड और डिजिटल मानचित्रण की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कर्मचारी नेता मुकेश कुमार नटवाडिया ने बताया कि इस अवसर पर चंदवाजी के कनिष्ठ अभियंता राकेश कुमावत, कर्मचारी नेता राकेश जाट कर्मचारी नेता प्रकाश मोहनपुरिया आदि उपस्थित थे

नर्सिंग ऑफिसर 1,000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. चौकी भरतपुर इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हलैना में पदस्थापित मुरारीलाल मीना, नर्सिंग ऑफिसर को परिवादी से 1,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कि ए.सी.बी. चौकी भरतपुर को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि आरोपी मुरारीलाल मीना द्वारा उसके बेरोजगारी भत्ते की उपस्थिति करने एवं उपस्थिति को ऑनलाइन करने की एवज में 500 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से चार माह के 2,000 रुपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर ए.सी.बी. के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी भरतपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में रिश्वत राशि मांग का सत्यापन करवाया गया।

सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा 1,500 रुपये रिश्वत राशि लेने पर सहमति जताते हुए 500 रुपये रिश्वत राशि प्राप्त की गई। मांग की पुष्टि के उपरांत ट्रैप कार्यवाही करते हुए आरोपी मुरारीलाल मीना, नर्सिंग ऑफिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हलैना को परिवादी से शेष 1,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ एवं अग्रिम कार्यवाही जारी है। ए.सी.बी. द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

राजीव गांधी को भावभीनी श्रद्धांजलि

फुलेरा। गुरुवार को नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में विधायक निवास पर पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांठोस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जयपुर जिला देहात कांग्रेस कमेटी के मिडिया प्रभारी शैलेन्द्र शर्मा ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश को आधुनिक एवं प्रगतिशील दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके द्वारा दिखाए गए विकास और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में जयपुर जिला देहात महिला कांठोस की अध्यक्ष पुष्पा मेघवाल, ब्लॉक अध्यक्ष निरंजनलाल चौधरी, राकेश वर्मा, जितेन्द्र अग्रवाल, अब्दुल लतीफ कुरैशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक ली

टोंक। नगर निकाय चुनाव-2026 की घोषणा के साथ ही शहरी क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। इसे लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) टीना डाबी ने जिले के राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक लेकर आदर्श आचार संहिता की पालना करवाने को लेकर चर्चा की। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी चुनाव तिथियों के मुताबिक जिले के नगर निकायों में 2 चरणों में 9 व 11 सितम्बर को मतदान होगा। जिसके लिए 10 नगर निकायों में 405 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि समस्त मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के दौरान राजनैतिक प्रचार के लिए सरकारी वाहनों के उपयोग पर पूर्ण रुप से प्रतिबंध रहेगा। बिना स्वीकृति के निजी वाहनों (राजनैतिक प्रचार-प्रसार हेतु), लाउडस्पीकर, राजकीय गेस्ट हाउस, डाक बंगला का उपयोग नहीं किया जाए। कोलाहल अधिनियम से संबंधित आदेशों की पालना सुनिश्चित की जाएं। किसी भी सरकारी वाहन, भवन का उपयोग राजनैतिक कार्य के लिए नहीं करें। मतदाता एवं आम नागरिकों को प्रलोभन के लिए नकदी, शराब, ड्रग्स, बहुमूल्य धातु, फ्री सामग्री आदि का वितरण नहीं किया जाएं।

किसी भी धार्मिक स्थल को भाषण, पोस्टर, संगीत आदि या निर्वाचन संबंधी कार्यों सहित निर्वाचन प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाए। ऐसी कोई भी गतिविधि आयोजित नहीं करें जिससे विभिन्न जातियों, समुदायों, धार्मिक एवं भाषाई समूहों के बीच मौजूदा मतभेद बढ़ सकते हों अथवा उनके बीच आपसी घृणा या तनाव पैदा हो।

नगर निकाय चुनाव-2026 के तहत आदर्श आचार संहिता की अक्षरशः पालना के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) टीना डाबी ने सभी प्रकोष्ठ प्रभारी एवं सह प्रभारियों को निर्देश जारी किए है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आदर्श आचार संहिता की प्रभावी पालना, आगामी 48-72 घंटे की समय सीमा में की जाने वाली कार्रवाई, प्रशिक्षण, कानून-व्यवस्था समेत सभी प्रकोष्ठों के कार्यों और दायित्वों के बारे में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अक्षरशः पालना के लिए पाबंद किया।

जयन्ती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया

टोंक। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर सद्भावना दिवस मनाया। इस अवसर पर राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि राजीव गाँधी ने भारत के युवाओं में केवल भविष्य नहीं देखा, बल्कि भविष्य गढ़ने की शक्ति देखी। उन्होंने कहा कि सद्भावना दिवस युवा सोच, उस दूरदृष्टि और उस भारत के सपने को नमन, जो आज भी हर नई पीढ़ी को आगे बढ़ने, नया सोचने और बड़ा सपना देखने की प्रेरणा देता है, राजीव गांधी ने मतदान की आयु 21 वर्ष से घटकर 18 वर्ष की तथा पंचायती राज को सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए कार्य किया, उन्होंने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और सशक्तीकरण को बढ़ाने की दिशा में भी पहल की। इस मौके पर महमूद शाह, देवकरण गुर्जर, अब्दुल खालिक, जर्रार खान, इम्तियाज़ खान, मनिंदर बेरवा, मोहम्मद शकील, शबाना बी आदि वक्ताओं ने अपने विचार रखें। इस दौरान कैलाशी देवी मीणा, कमलेश चावला, पंकज यादव, इरशाद खान, सूरज चौधरी, प्रिया, नफीस अहमद आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी ने स्वर्गीय राजीव गांधी को याद किया।

बिजली लाइन की चपेट में आया मजदूर, पीड़ित परिवार पहुंचा एसपी की शरण में

भरतपुर (निसं)। शहर के सारस चौराहा पुलिस चौकी के पास मकान निर्माण कार्य के दौरान एक मजदूर 11 हजार केवी विद्युत लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। घायल मजदूर बादल, निवासी सेवर, के परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद ठेकेदार ने उचित इलाज कराने नहीं कराया और वहां से चला गया। परिजनों का कहना है कि बादल करीब 75 प्रतिशत तक झुलस चुका है। मथुरा गेट थाना पुलिस ने दर्ज मामले में साढ़े तीन महीना के बाद भी नामजद आरोपी नहीं पकड़े है जिससे पुलिस कार्यवाही से नाराज होकर पीड़ित परिवार न्याय की आस में झुलसे हुए युवक को लेकर एसपी की शरण में में पंहुचा है। एसपी राजेश मीणा ने कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया है।

घायल बादल एवं उसके परिजनों ने बताया कि वह मकान निर्माण के लिए मजदूरी करने गया था। काम के दौरान ठेकेदार ने उसे ऊपर छत से कट्टा लाने और उसमें बजरी भरकर ऊपर पहुंचाने के लिए कहा। एवं छत के ऊपर से जा रही 11 हजार केवी की विद्युत लाइन गुजरने की जानकारी नहीं दी। कट्टा लेने के दौरान वह विद्युत लाइन की चपेट में आ गया और करंट लगने से मौके पर ही बेहोश हो गया। बादल के मुताबिक उसे होश भरतपुर के आरबीएम अस्पताल में आया, जहां उसे बताया गया कि वह गंभीर रूप से झुलस चुका है।

मकान निर्माण के दौरान बिजली लाइन की चपेट में मजदूर आने के बाद परिजनों ने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया

■ 75 प्रतिशत झुलसा; परिजनों ने ठेकेदार पर लापरवाही का लगाया आरोप, मथुरा गेट थाना पुलिस पर नामजद आरोपी नहीं पकड़ने का लगाया आरोप

परिजनों के अनुसार हादसे के बाद घायल को पहले अस्पताल ले जाया गया और बाद में जयपुर भी ले जाया गया। पिता किशन लाल का आरोप है कि इलाज के खर्च में। लाखो रुपए के खर्च को लेकर उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि परिवार ने ठेकेदार से इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगी, लेकिन कथित तौर पर उन्हें जिम्मेदारी दूसरे पक्ष पर डालकर टाल दिया गया।किशन लाल का आरोप है कि उनके बेटे का शरीर बुरी तरह झुलसा हुआ है और वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा है। इसके बावजूद मामले में उनकी अपेक्षा के अनुसार कार्रवाई नहीं हुई।मथुरा गेट थाने में रिपोर्ट, कार्रवाई नहीं होने का आरोप परिजनों ने बताया कि घटना को लेकर मथुरा गेट थाना पुलिस में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई थी, लेकिन तीन से चार महीने बीतने के बाद भी पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की है और ठेकेदार को गिरफ्तार भी नहीं किया है। उनका कहना है कि पुलिस की ओर से कार्रवाई का आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन उन्हें लगातार थाने के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसी मामले को लेकर घायल मजदूर और उसके परिजन भरतपुर एसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। परिजनों के अनुसार एसपी ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पूर्व विधायक ने दिव्यांग राजप्रित मीणा को भेंट की स्कूटी

चौमूं / कालाडेरा । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को संबल प्रदान करने की दिशा में एक और संवेदनशील पहल की है। उन्होंने ग्राम मोरीजा निवासी दिव्यांग राजप्रित मीणा पुत्र सरदार मीणा को दैनिक आवागमन को सुगम बनाने हेतु स्कूटी भेंट की। इस दौरान उन्होंने राजप्रित मीणा का माला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन भी किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा, "नर सेवा ही नारायण सेवा है। अंत्योदय के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए समाज के हर वंचित, पीड़ित और जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुँचाना तथा उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही हमारा मुख्य ध्येय है।" उन्होंने कहा कि शारीरिक दिव्यांगता के कारण राजप्रित जी को रोजमर्रा के कार्यों और आवागमन के लिए काफी संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत करना पड रहा था। इस छोटी सी पहल से अब उनका जीवन सुगम व आसान हो सकेगा और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ सकेंगे। इस अवसर पर प्रशासक मंगल चंद सैनी, पूर्व सरपंच बलवीर शर्मा, सरदार मीणा, रामलाल चोपड़ा, कैलाश चोपड़ा, सुरेंद्र स्वामी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामवासी और परिवारजन उपस्थित रहे।

एक पेड़ लोकतंत्र के नाम अभियान का आगाज

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में एक पेड़ लोकतंत्र के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर मीनाक्षी बघेल ने पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। प्राचार्य प्रो. मीनाक्षी बघेल ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब हम प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। डॉ प्रभा गुप्ता ने बताया कि एक पेड़ लगाना सिर्फ पर्यावरण बचाना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ लोकतंत्र की नींव रखना है। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं ईएलसी प्रभारी रूपा चौधरी ने मतदाता जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वच्छ पर्यावरण व जागरूक नागरिक ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान हैं। इस दौरान स्वयंसेवकों ने पूरे परिसर में छायादार एवं फलदार पौधे लगाए। वहीं नशा मुक्ति नोडल अधिकारी राजेशकुमार मीणा ने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ शरीर, स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ लोकतंत्र का संदेश दिया।

किशनगढ़बास में राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी, आपसी सहमति से लम्बित मामले निपटाने पर जोर

किशनगढ़ बास। आमजन को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा सचिव अजीत कुड़ी की अध्यक्षता में आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर किशनगढ़बास में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के निर्देशों के क्रम में आयोजित की गई। सचिव अजीत कुड़ी ने बैठक में कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित और प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को आपसी सहमति और समझाइश के जरिए निपटाना है। इससे आम आदमी को महंगे और लंबे मुकदमों से राहत मिलेगी। बैठक में बैंक, वित्तीय संस्थाएं, बीमा कंपनियां, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और भारत संचार निगम लिमिटेड के अधिकारी व प्रतिनिधि शामिल हुए। सचिव ने विभागवार लंबित मामलों की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बैंकों को लोन रिकवरी और एनपीए से जुड़े मामलों में नियमानुसार रियायत देकर समझौते के माध्यम से निपटारा करने के निर्देश दिए गए। वहीं सोनाटा फाइनेंस के अधिकारियों को कहा गया कि वे सूक्ष्म ऋण से जुड़े पक्षकारों से संवाद कर आपसी सहमति से समाधान निकालें। सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए कि लोक अदालत से पहले संबंधित पक्षकारों को समय पर नोटिस तामील करवाए जाएं। साथ ही उन्हें समझाइश की जाए कि वे 12 सितंबर को आकर आपसी सहमति से अपने विवाद खत्म कराएं। राष्ट्रीय लोक अदालत न्याय पाने का सबसे आसान रास्ता है। यहां न वकील की लंबी फीस, न तारीख का झंझट है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अजीत कुड़ी ने आमजन से अपील की है कि वे अपने लंबित चैक बाउंस, बिजली-पानी के बिल, बीमा क्लेम, बैंक लोन, मोटर दुर्घटना, वैवाहिक और अन्य सिविल मामलों को लेकर 12 सितंबर 2026 को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में जरूर पहुंचें और आपसी सहमति से मौके पर ही निस्तारण कराएं और त्वरित न्याय का लाभ उठाएं।

■ 12 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत बैंक, बिजली, पानी, बीमा के लंबित मामले निपटारे पर सचिव ने विभागों को दिए निर्देश

विधिक सेवा प्राधिकरण जिला सचिव अजीत कुड़ी ने बैठक में लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की ।

बैठक में जेडीवीएनएल के अधिशासी अभियंता रामरतन वर्मा, एसबीआई किशनगढ़बास शाखा प्रबंधक एस.एन. हुंदीवाल, केनरा बैंक प्रबंधक हितेश कुमार शर्मा, इंडियन ओवरसीज बैंक प्रबंधक राज किरण, पीएनबी प्रबंधक लेखराम और राघवेन्द्र तिवारी, यूको बैंक प्रबंधक पंकज मीणा तथा एसबीआई खैरथल के मेघ सिंह सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वर्ष 2036 ओलंपिक के लिए भारत की खिलाड़ी प्रतिभा का मजबूत पूल तैयार करने के लिए तेज और व्यापक प्रतिभा पहचान की कार्ययोजना, आधारभूत ढांचे को शामिल किया जाना चाहिए।

- डॉ. मनसुख मांडविया

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, वर्ष 2036 ओलंपिक को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ नीरज चोपड़ा

भारत के भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और श्रीलंका के उभरते सितारे रमेश पथिरागे शुक्रवार को लुसाने डायमंड लीग में फिर से आमने सामने होंगे, जिसमें भारतीय खिलाड़ी डायमंड लीग फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगा। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में पथिरागे ने स्वर्ण और चोपड़ा ने रजत पदक जीता था। इसके तीन सप्ताह बाद ये दोनों खिलाड़ी फिर से एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद चोपड़ा स्विट्जरलैंड के बील चले गए थे, जहां वह अपने बचपन के कोच जयवीर चौधरी और फिजियो ईशान मारवाह के साथ अभ्यास कर रहे थे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1975 में एकमात्र हॉकी विश्व कप जीता है तथा ओलंपिक इतिहास में सबसे अधिक मैच जीतने और गोल करने का रिकॉर्ड बनाया है।

फीफा महिला विश्व कप 2027 का कार्यक्रम जारी, माराकाना में अभियान शुरू करेगा ब्राजील

नई दिल्ली, 20 अगस्त। फीफा ने गुरुवार को महिला विश्व कप 2027 के मुकाबलों का कार्यक्रम जारी कर दिया। ब्राजील में होने वाले इस टूर्नामेंट के सभी 64 मुकाबले आठ मेजबान शहरों में खेले जाएंगे। कार्यक्रम की घोषणा स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख स्थित फीफा मुख्यालय में महिला विश्व कप 2027 प्लेऑफ टूर्नामेंट के प्रारंभिक चरण के लाइव ड्रॉ के दौरान की गई।

मेजबान ब्राजील अपने अभियान की शुरुआत 24 जून को रियो डी जेनेरियो के प्रतिष्ठित माराकाना स्टेडियम से करेगा। इसके बाद ब्राजील 29 जून को साओ पाउलो के अरेना इताकेरा में अपना दूसरा ग्रुप मैच खेलेगा, जबकि ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला चार जुलाई को ब्रासीलिया के एस्टाडियो नैशनल में होगा।

आठों मेजबान शहरों में कम से कम सात मुकाबले खेले जाएंगे और प्रत्येक शहर में कम से कम एक नॉकआउट मुकाबला होगा।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, हम अगले वर्ष ब्राजील में महिला फुटबॉल इतिहास के एक नए अध्याय को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जहां दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, कोच, प्रशंसक और स्थानीय समुदाय इस मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

उन्होंने कहा, मैं अभी से यह सोचकर रोमांचित हूं कि जब ब्राजील के प्रशंसक दुनिया का स्वागत करेंगे तो वे टूर्नामेंट में कितना जुनून, रंग और ऊर्जा लेकर आएंगे।

आठ शहरों में होंगे मुकाबले : ब्रासीलिया, पोर्टो एलेग्रे, रेसिफे और साल्वाडोर में अंतिम-16 तक के मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं बेलो होरिजोंटे और फोर्टालेजा के साथ रियो डी जेनेरियो और साओ पाउलो को क्वार्टर फाइनल मुकाबलों की मेजबानी मिलेगी। साओ पाउलो में एक सेमीफाइनल और कांस्य पदक मुकाबला खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल और फाइनल रियो डी जेनेरियो के प्रतिष्ठित माराकाना स्टेडियम में होगा।

इतिहास रचेगा माराकाना : माराकाना दुनिया का ऐसा तीसरा स्टेडियम बन जाएगा, जिसने पुरुष और महिला दोनों फीफा विश्व कप के फाइनल की मेजबानी की है। इससे पहले स्वीडन के सोलना स्थित रासुंडा स्टेडियम ने 1958 पुरुष और 1995 महिला विश्व कप फाइनल की मेजबानी की थी। अमेरिका के पासाडेना स्थित रोज बाउल में 1994 पुरुष और 1999 महिला विश्व कप फाइनल खेले गए थे।

टूर्नामेंट के दौरान पूरे ब्राजील में फीफा फैन फेस्टिवल भी आयोजित किए जाएंगे, जहां प्रशंसकों को विश्व कप के उत्सव का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

2027 महिला विश्व कप में आठ मेजबान शहरों में कुल 64 मुकाबले खेले जाएंगे। कार्यक्रम को इस तरह तैयार किया गया है कि ग्रुप चरण से लेकर नॉकआउट मुकाबलों तक रोमांच लगातार बढ़ता जाए और अंततः माराकाना में होने वाले फाइनल के साथ टूर्नामेंट का समापन हो।

सिनक्विफील्ड कपः आर्मगेडन में हार के बाद प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर रहे

सेंट लुइस, 20 अगस्त । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने बुधवार को सिनक्विफील्ड कप में उपविजेता के रूप में अपना अभियान समाप्त किया। खिताब के लिए हुए आर्मगेडन मुकाबले में उन्हें अमेरिका के वेस्ली सो के हाथों हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंद ने अंतिम क्लासिकल मुकाबले में नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली। इसके बाद उन्हें शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो के खिलाफ टाईब्रेकर खेलना पड़ा। सो ने काले मोहरों से ड्रॉ हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। नियमों के मुताबिक, बराबरी की स्थिति में पहले दो रैपिड बाजियां खेली जाती हैं। अगर इसके बाद भी फैसला नहीं होता है तो आर्मगेडन मुकाबला कराया जाता है, जिसमें सफेद मोहरों वाले खिलाड़ी को पांच मिनट और काले मोहरों वाले खिलाड़ी को चार मिनट दिए जाते हैं। प्रज्ञानानंद और सो के बीच दोनों रैपिड बाजियां ड्रॉ रहीं, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। इसके बाद हुए आर्मगेडन मुकाबले में सो ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और खिताब पर कब्जा जमाया।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि पर विवाद, जांच के आदेश

नई दिल्ली, 20 अगस्त । बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की जन्मतिथि को लेकर विवाद सामने आया है। जम्मू की स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उनकी जन्मतिथि में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने नवाबाद पुलिस को मामले की जांच कर 3 सितंबर 2026 या उससे पहले रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

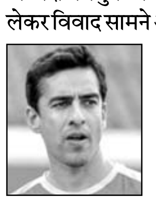

मिथुन मन्हास जम्मू-कश्मीर से बीसीसीआई अध्यक्ष बनने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्हें सितंबर 2025 में इस पद के लिए चुना गया था। पूर्व भारतीय फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर मन्हास ने अपने क्रिकेट करियर में जम्मू-कश्मीर और दिल्ली को रिप्रेजेंट किया है। मामला पूर्व डिप्टी एसपी और जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व संयुक्त मानद सचिव सुदर्शन मेहता की शिकायत के बाद सामने आया। मेहता का आरोप है कि मन्हास ने जूनियर क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की पात्रता का फायदा लेने के लिए अलग-अलग जगहों पर अलग जन्मतिथि दर्ज कराई।

मेहता ने इसी आधार पर धोखाधड़ी, चीटिंग और जालसाजी से जुड़े मामलों में एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने अभी एफआईआर का आदेश नहीं दिया है।

दो रिकॉर्ड में अलग जन्मतिथि

शिकायत में बताया गया है कि मन्हास की जन्मतिथि अलग-अलग रिकॉर्ड में अलग है। महाराजा हरि सिंह एग्रीकल्चर कॉलेजिएट स्कूल, नागबनी के रिकॉर्ड के मुताबिक उनकी जन्मतिथि 9 दिसंबर 1977 है। वहीं, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ वेबसाइट पर यह तारीख 12 अक्टूबर 1979 दर्ज होने का दावा किया गया है। यानी दोनों रिकॉर्ड में करीब दो साल का अंतर है। शिकायतकर्ता ने इसी अंतर को जन्मतिथि में कथित गड़बड़ी का आधार बनाया है। मेहता की शिकायत में भारतीय दंड संहिता की धारा 415, 420 और 462 का भी जिक्र है।

महिला एशिया कप में मोहसिन नकवी और बीसीसीआई आमने-सामने, ट्रॉफी पर फंसा पेंच

नई दिल्ली, 20 अगस्त । दुबई में अगले सप्ताह से शुरू होने वाले महिला एशिया कप में अगर भारत फाइनल तक पहुंचता है तो भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पुरस्कार वितरण समारोह को लेकर अजीब स्थिति में फंस सकता है क्योंकि पाकिस्तान के मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख होने के नाते फिर से मंच पर आकर यह सम्मान प्रदान कर सकते हैं। पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद दोनों देशों के बीच हुए सैन्य टकराव के कारण भारतीय पुरुष टीम ने नक़वी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। नक़वी ट्रॉफी लेकर चले गए, जो अभी तक विजेता टीम को नहीं सौंपी गई है।

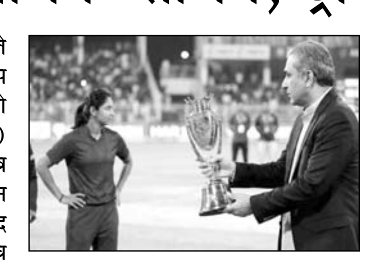

नक़वी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और अपने देश के गृह मंत्री भी हैं। महिला एशिया कप 28 अगस्त से 13 सितंबर तक खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है और लीग चरण का उनका मुकाबला पांच सितंबर को होना है।

इसके बाद इन दोनों टीम का मुकाबला फाइनल में हो सकता है और ऐसे में पुरस्कार वितरण का मसला फिर से सुर्खियों में आ सकता है। अब स्वाभाविक सवाल यह उठता है कि अगर हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम महिला एशिया कप जीत जाती है और नक़वी पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मंच पर मौजूद होते हैं तो फिर आगे क्या होगा? क्या भारतीय महिला टीम भी सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों की तरह नक़वी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर देगी?

इस मामले में बीसीसीआई का रुख अभी स्पष्ट नहीं है। बोर्ड का यह स्पष्ट मत है कि दोनों टीमों के बीच किसी प्रकार की औपचारिक बातचीत नहीं होगी, लेकिन वह पुरस्कार वितरण समारोह के लिए इंतजार करने की नीति अपनाएगा। पिछले साल की तरह विवाद से बचने का एक तरीका यह हो सकता है कि नकवी स्वयं ट्रॉफी प्रदान नहीं करें और एशियाई क्रिकेट परिषद के किसी अन्य अधिकारी को यह सम्मान प्रदान करने दें।

भारतीय पुरुष टीम के नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार करने के बाद इसे एसीसी के कार्यालय में रखा गया है। नकवी ने बाद में कहा था कि भारत एसीसी कार्यालय में आकर उनसे ट्रॉफी ले सकता है। इस गतिरोध को समाप्त करने का भी प्रयास किया गयाजिसमें बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आईसीसी की बैठक के दौरान नकवी से मुलाकात की। सैकिया ने कहा था कि दोनों पक्षों के बीच गतिरोध समाप्त हो गया है लेकिन उस समय भी ट्रॉफी का मुद्दा नहीं सुलझ पाया था।

लॉर्ड्स में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को हराया, गांगुली स्टाइल में जश्न

लॉर्ड्स, 20 अगस्त । भारतीय मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम ने यहां खेले गए सातवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को 118 रन से करारी शिकस्त देने के बाद लॉर्ड्स की बालकनी में सौरव गांगुली के शर्ट लहराने वाले बहुचर्चित जश्न को दोहराया। अर्जुन गावरे की 44 गेंदों पर 68 रन और कप्तान माजिद मगरे की महज 19 गेंदों पर नाबाद 63 रन की तूफानी पारी की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 206 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम केवल 88 रन पर आउट हो गई।

भारत की तरफ से हिलाल अहमद वानी ने 21 रन देकर चार और जयेश परमार ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। इंग्लैंड ने इस तरह से सात मैचों की श्रृंखला 4-3 से अपने नाम की। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने लॉर्ड्स की बालकनी में खिलाड़ियों और अधिकारियों द्वारा अपने ब्लेज़र उतारने का एक वीडियो पोस्ट किया, जो 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में इसी मैदान पर भारत की इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद गांगुली का शर्ट उतार कर जश्न मनाने की नकल थी।

मेस्सी के गोल और असिस्ट से इंटर मियामी ने मुकाबला 2-2 से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, 20 अगस्त । लियोनेल मेस्सी ने एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ खेला। बुधवार रात को खेले गए मैच में 21वें मिनट में मेस्सी के क्रॉस पर लुई सुआरेज़ ने हेडर लगाकर गेंद को फॉरवर्ड डैनियल पिंटर की ओर बढ़ाया, जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। इसके बाद मेस्सी ने 26वें मिनट में 12 गज की दूरी से गोल दागा। यह अपने पिता के निधन के बाद उनका पहला गोल था। मेस्सी ने इस सत्र में एमएलएस के 17 मैचों में 13 गोल और नौ असिस्ट (गोल करने में मदद) किए हैं। पहले हाफ में इंडियाना वासिलेव ने गोल करके यूनियन को बढ़त दिलाई। इसके बाद 18 वर्षीय नील पियरे ने 58वें मिनट में हेडर से गोल दागकर स्कोर बराबर किया।

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 3 रन से जीती

जयपुर, 20 अगस्त । यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी और लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया । लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 233/8 40.0 ओवर मे रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी की ओर से प्रियंक जेफ ने 123 रन, विहान शर्मा ने 25 रन और हनुमंत सिंह ने 17 रन बनाये। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए हर्षित सैनी ने 23 रन देकर 3 विकेट, और यश मीना ने 19 रन देकर के 2 विकेट लिया। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 230/8 40.0 ओवर मे रन बनाये। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी कि ओर से यश मीना ने 59रन, वैभव खतना ने 96 रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए आदित्य यादव ने 53 रन देकर के 2 विकेट, गर्वित कौशिक ने 26 रन देकर के 2 विकेट लिया। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 3 रन से विजेता हुई।

पाकिस्तान अक्टूबर से श्रीलंका और इंग्लैंड के साथ खेलेगा त्रिकोणीय श्रृंखला

नई दिल्ली, 20 अगस्त । पाकिस्तान में अक्टूबर से क्रिकेट का एक्शन तेज होने वाला है। पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच तीन देशों की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी, जिसे अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। तीनों टीमें पहले ही विश्व चैंपियन रह चुकी हैं और ऐसे में इस श्रृंखला में कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

मौजूद जानकारी के मुताबिक, श्रृंखला की शुरुआत 18 अक्टूबर को रावलपिंडी में पाकिस्तान और श्रीलंका के मुकाबले से होगी। इसके बाद 20 अक्टूबर को पाकिस्तान और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। 22 अक्टूबर को श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा। शुरुआती तीनों मैच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद मुकाबले लाहौर पहुंचेंगे। 25 अक्टूबर को पाकिस्तान और इंग्लैंड, 27 अक्टूबर को पाकिस्तान और श्रीलंका तथा 29 अक्टूबर को श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा। श्रृंखला का फाइनल 31 अक्टूबर को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। एकदिवसीय श्रृंखला से पहले पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20 श्रृंखला भी खेली जाएगी।

पीसीबी की अपील के बाद आईसीसी ने गद्दाफी स्टेडियम का डिमेरिट अंक हटाया

नई दिल्ली, 20 अगस्त । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को जून में खेले गए मुकाबलों की पिच रेटिंग को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और क्रिकेट कनाडा की अपील पर तीन मामलों में अपना फैसला सुनाया। अपील के बाद लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम पर लगाया गया एक डिमेरिट अंक हटा दिया गया है।

आईसीसी के अनुसार, अपील पैनल ने मैचों के वीडियो फुटेज, मैच रेफरी की रिपोर्ट और कप्तानों की टिप्पणियों की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम को 04 जून को पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे एकदिवसीय मुकाबले की पिच के लिए 'असंतोषजनक' रेटिंग दी गई थी। इसके साथ ही स्टेडियम के खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया था।

आईसीसी अपील पैनल ने माना कि मैच रेफरी ने आईसीसी की पिच और आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के दिशा-निर्देशों का पालन किया था। हालांकि, पैनल के अनुसार पिच पर अत्यधिक असमान उछाल या जरूरत से ज्यादा टर्न देखने को नहीं मिला। इसलिए गद्दाफी स्टेडियम पर लगाया गया डिमेरिट अंक रद्द कर दिया गया।

मैपल लीफ क्रिकेट ग्राउंड का एक डिमेरिट अंक हटाः टोरंटो के किंग सिटी स्थित मैपल लीफ क्रिकेट ग्राउंड से जुड़े दो मामलों पर भी अपील पैनल ने फैसला सुनाया। 8 जून को अमेरिका और नीदरलैंड के बीच आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग-2 मुकाबले के लिए मैदान की पिच को 'असंतोषजनक' रेटिंग मिली थी। वहीं, इसी श्रृंखला में 16 जून को कनाडा और नीदरलैंड के बीच खेले गए मुकाबले की पिच को 'अनफिट' यानी खेलने के लिए अनुपयुक्त करार दिया गया था। अपील पैनल ने 08 जून की पिच के संबंध में डिमेरिट अंक वापस ले लिया। पैनल ने माना कि उस दिन इस्तेमाल की गई पिच की स्थिति संतोषजनक पिच के अनुरूप थी और उसमें अत्यधिक असमान उछाल, सीम मूवमेंट या टर्न नहीं था।

हेप्टाथलॉन गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय डोप टेस्ट में पॉजिटिव, स्वप्ना बर्मन को नाडा ने सस्पेंड किया

नई दिल्ली, 20 अगस्त । भारत की एथलीट और 2018 एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट स्वप्ना बर्मन डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई हैं। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है। 29 साल की स्वप्ना के सैंपल में बोल्डेनोन नाम का प्रतिबंधित पदार्थ मिला है। स्वप्ना ने इसी महीने एथलेटिक्स से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने चोटों शरीर को फिट नहीं बताते हुए अपना करियर खत्म करने का फैसला लिया था। **2018 में रचा था इतिहासः** स्वप्ना बर्मन ने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन में गोल्ड मेडल जीता था। वह एशियन गेम्स में हेप्टाथलॉन का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनी थीं। हेप्टाथलॉन एथलेटिक्स का मिक्स्ड इवेंट है। इसमें खिलाड़ी दो दिनों में 7 इवेंट्स में हिस्सा लेते हैं। इनमें 100 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, गोला फेंक, 200 मीटर, लंबी कूद, भाला फेंक और 800 मीटर शामिल हैं। स्वप्ना ने एशियन चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था।

राजस्थान राज्य जूनियर बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पन्न

जयपुर, 20 अगस्त। राजस्थान एथलेटिक संघ के तत्वावधान में पटेल स्टेडियम, अजमेर स्थित सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक पर आयोजित की जा रही राजस्थान राज्य जूनियर बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026 एथलीट्स को पदक वितरण के साथ सम्पन्न हई। आयोजन सचिव गिरिराज सांखला के अनुसार इस प्रतियोगिता में राज्य भर से 34 टीमों की 569 बालिका एथलीटों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया एवं विजेता एथलीट्स को पदक देकर सम्मानित किया गया।

अंडर 20 वर्ष 3000 मीटर दौड़ में मुक्ता हनुमानगढ़ प्रथम खुशबू नागौर द्वितीय शिवानी शर्मा भीलवाड़ा तृतीय, अंडर 20 वर्ष 800 मी दौड़ में मुस्कान अलवर प्रथम वंशिका अजमेर द्वितीय सुमन जाट कोटा तृतीय, अंडर 20 वर्ष हाई जंप में पूजा नागौर प्रथम, कंचन जोधपुर द्वितीय भावना झुंझुनू तृतीय। **अंडर 16 वर्ष लंबी कूद** में सोनम कंवर हनुमानगढ़ प्रथम आराध्या राजावत टोंक द्वितीय रामेति चूरू तृतीय रहे। इसी प्रकार अंडर 16 वर्ष हाई जंप सोनम कंवर हनुमानगढ़ प्रथम मानवी दास बीकानेर द्वितीय गंगा शर्मा चूरू तृतीय, अंडर 20 वर्ष 400 मीटर हर्डल में पूजा गोस्वामी चूरू प्रथम, कोमल श्री गंगानगर द्वितीय निरमा कुमारी बीकानेर तृतीय, अंडर 20 वर्ष लंबी कूद में पूजा चूरू प्रथम अंकिता झुंझुनू द्वितीय रही।

डॉ. सी.पी. जोशी राजीव गांधी स्मृति लाइफ़ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

जयपुर, 20 अगस्त। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब द्वारा आर सी ए एकेडमी में एक भव्य समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सी.पी.. जोशी को 7वे राजीव गांधी स्मृति लाइफ़ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। अवार्ड समारोह में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रोहित बोहरा व विधायक रफीक खान, विधायक अमीन कागजी, उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, पूर्व एआईसीसी के पूर्व सचिव सी पी मित्तल, पूर्व विषयक गोपाल मीणा ने डॉ सी पी जोशी को साफा, साल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर 35वे राज्य स्तरीय राजीव गांधी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम राजीव गांधी एकेडमी व उपविजेता टीम संस्कार एकेडमी को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह में पूर्व केबिनेट मंत्री बृज किशोर शर्मा, पूर्व विधायक गंगा सहाय शर्मा, पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, पूर्व रणजी कप्तान संजय व्यास, पूर्व रणजी कप्तान मोहम्मद असलम, सहित सैकड़ों खिलाड़ी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में क्लब के सचिव मोहम्मद इकबाल ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया व धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंडर 23 पुरुष टीम का चयन ट्रायल 23 को

दौसा, 20 अगस्त । जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा बताया गया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 23 पुरुष प्रतियोगिता 10 सितंबर से आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 23.08.2026 रविवार को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर सुबह 9.00 बजे ली जाएगी ट्रायल के लिए आने वाले खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र डिजिटल बोनाफाइड प्रमाण पत्र डिजिटल अपना और अपने माता-पिता के आधार कार्ड और पिछले तीन वर्ष की मार्कशीट ओरिजिनल लाना अनिवार्य है।

भारतीय महिला टीम हॉकी वर्ल्डकप के टॉप-8 में पहुंची : इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, 20 अगस्त । भारतीय महिला हॉकी टीम ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप के टॉप-8 यानी दूसरे राउंड में जगह बना ली है। एम्सटेलवीन में खेले गए पूल- के आखिरी मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 0-0 से ड्रॉ पर रोक दिया। भारत को अगले राउंड में पहुंचने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। वहीं इंग्लैंड के लिए जीत जरूरी थी। मैच के आखिरी क्षणों में इंग्लैंड ने अपनी गोलकीपर मिरियम प्रिचर्ड को बाहर बुलाकर एक अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी उतार दिया। इसके बाद इंग्लैंड ने 11 आउटफील्ड खिलाड़ियों के साथ भारतीय सर्कल पर लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय डिफेंस नहीं टूटा। भारत ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। पहले क्वार्टर में टीम को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले। चौथे मिनट में नवनीत कौर के शॉट से गेंद गोल में पहुंची, लेकिन रास्ते में इशिका के शरीर से टकराने के कारण गोल को मान्यता नहीं मिली।

भारत को पहले क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम एक को भी गोल में नहीं बदल सकी। इशिका के पास फील्ड गोल का मौका भी आया, लेकिन इंग्लैंड की गोलकीपर प्रिचर्ड ने शानदार बचाव किया। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने हमले जारी रखे। 26वें मिनट में दीपिका के ड्रैगफ्लिक को इंग्लैंड की गोलकीपर ने पैर से रोक दिया। इसके बाद रिबाउंड पर सलिमा ने मौका बनाया और भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। दूसरे क्वार्टर से इंग्लैंड ने दबाव बढ़ाना शुरू किया। टीम को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता पुनिया और डिफेंस ने हर बार खतरा टाल दिया। 38वें मिनट में सविता ने बिंघम के रिवर्स हिट को शानदार तरीके से बचाया। 43वें मिनट में साक्षी ने गोललाइन पर शानदार बचाव कर भारत को गोल खाने से बचाया। हाफ टाइम तक इंग्लैंड को 9 पेनल्टी कॉर्नर मिल चुके थे, लेकिन वह एक को भी गोल में नहीं बदल सका।

विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में वांग झी यी से हारी पीवी सिंधु

नई दिल्ली, 20 अगस्त । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में सफर गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी के हाथों हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-11, 15-21, 21-17 से शिकस्त झेलनी पड़ी। यह विश्व चैंपियनशिप में किसी चीनी खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु की पहली हार है। इससे पहले उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में चीनी खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार आठ मुकाबले जीते थे। वांग ने पहले गेम में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। 7-7 की बराबरी के बाद चीनी खिलाड़ी ने लगातार बढ़त बनानी शुरू की और सिंधु को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वांग ने पहला गेम 21-11 से जीतकर मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप से बाहर हुए आयुष शेट्टी, अल्वी फरहान ने हराया

नई दिल्ली, 20 अगस्त। भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी का बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में अभियान इंडोनेशिया के अल्वी फरहान के खिलाफ हार के साथ समाप्त हो गया। आयुष को प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फरहान ने 21-19, 21-11 से हराया। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मध्यांतर तक फरहान ने 11-9 की मामूली बढ़त बना रखी थी। इसके बाद इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने 18-14 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, आयुष ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच अंक जुटाए और 19-18 से आगे हो गए।

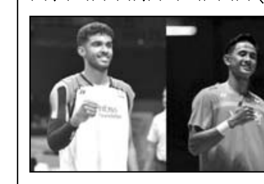

फरहान के दो असफल अपील के बावजूद आयुष ने अपना संयम बनाए रखा, लेकिन निर्णायक क्षणों में फरहान ने फिर बढ़त हासिल कर ली और 21-19 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में फरहान ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 3-1 की बढ़त ले ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच कई रोमांचक रैलियां हुईं, लेकिन फरहान ने बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए मध्यांतर तक 11-6 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आयुष को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और 21-11 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ फरहान ने आयुष के खिलाफ वरिष्ठ स्तर के आमने-सामने मुकाबलों में अपनी बढ़त 3-2 कर ली। इससे पहले आयुष ने श्रीलंका के अबेविक्रमा को 21-8, 21-10 से हराकर आसान जीत दर्ज की थी। उन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व नंबर एक और गत चैंपियन चीन के शी यू क्वी को हराकर बड़ा उलटफेर भी किया था।

विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी

नई दिल्ली, 20 अगस्त । भारत की महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को बीएफडब्ल्यू विश्व चैंपियनशिप 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दुनिया की 39वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए राउंड ऑफ-16 मुकाबले में जापान की सातवीं वरीय रिन इवानागा और की नाकानिशी की जोड़ी को सीधे गेमों में 21-16, 21-12 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

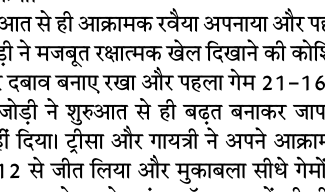

ट्रीसा और गायत्री ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और पहले गेम में अपनी लय बनाए रखी। जापानी जोड़ी ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाने की कोशिश की लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाकर जापानी खिलाड़ियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। ट्रीसा और गायत्री ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए दूसरा गेम 21-12 से जीत लिया और मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर अंतिम आठ में प्रवेश किया। इससे पहले राउंड ऑफ-32 में भी ट्रीसा और गायत्री ने शानदार प्रदर्शन किया था। भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को अमेरिका की 16वीं वरीय लॉरेन लैम और एलिसन ली को 21-15, 21-12 से हराकर राउंड ऑफ-16 में प्रवेश किया था। अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ भी भारतीय खिलाड़ियों ने दोनों गेमों में मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और अपनी प्रतिद्वंद्वियों को लगातार दबाव बनाने का मौका नहीं दिया। पहले गेम में 21-15 की जीत के बाद ट्रीसा और गायत्री ने दूसरे गेम में अपने आक्रमण को और धार देते हुए 21-12 से जीत दर्ज की थी।

एशियाई खेलों से पहले ईरानी महिला कबड्डी टीम का सोनीपत के साई केंद्र में अभ्यास

नई दिल्ली/सोनीपत, 20 अगस्त । एशियाई खेल-2026 की तैयारियों के बीच ईरान की महिला कबड्डी टीम ने भारतीय खिलाड़ियों के साथ अभ्यास मुकाबले खेलकर महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल किया। सोनीपत के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में छह दिवसीय अभ्यास शिविर का उद्देश्य दोनों देशों की टीमों को अलग-अलग खेल शैली और रणनीति के खिलाफ खुद को परखने का अवसर देना रहा।

ईरान की टीम 13 अगस्त को सोनीपत पहुंची थी। उसने साई परिसर में भारतीय महिला कबड्डी टीम के अलावा स्थानीय टीमों के खिलाफ भी अभ्यास मुकाबले खेले। इन मुकाबलों से जहां ईरानी टीम को एशियाई खेलों की तैयारी में मदद मिली। भारतीय खिलाड़ियों को भी अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ खेलकर अपनी कमजोरियों और रणनीति को परखने का मौका मिला। ईरान की महिला टीम के मुख्य कोच घोलामरेजा मजांदरानी ने शिविर को युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि पिछली एशियाई खेलों की तुलना में उनकी टीम में 80 प्रतिशत से अधिक बदलाव हुआ है। मजांदरानी ने साई मीडिया से कहा, हमारे लिए अभ्यास मुकाबले खेलने, खिलाड़ियों को बेहतर करने और टीम की रणनीति सुधारने का यह बहुत अच्छा मौका है। हम एशियाई खेलों में बेहतर टीम दिखाना चाहते हैं। हमारी टीम अभी काफी युवा है और पिछली एशियाई खेलों की तुलना में 80 प्रतिशत से अधिक खिलाड़ी बदल चुके हैं।

मोंटी देसाई ने छोड़ा मुख्य कोच का पद

टोरंटो, 20 अगस्त । कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम को अब नए मुख्य कोच की तलाश है। टीम के मुख्य कोच मोंटी देसाई ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। देसाई मई में दूसरी बार कनाडा की टीम से जुड़े थे और उनके कार्यकाल में टीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग-2 की दो त्रिकोणीय श्रृंखलाओं में हिस्सा लिया, जिसमें एक श्रृंखला कनाडा में और दूसरी स्कॉटलैंड में खेली गई। पद छोड़ने के बाद देसाई ने सोशल मीडिया पर कहा, यह छोटा अध्याय रहा, लेकिन मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा।

मुख्यमंत्री ने यूएई को ऊर्जा, हॉस्पिटैलिटी क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया

उन्होंने यूएई के पर्यटन मंत्री के साथ जयपुर में टूरिज़्म एवं इन्वैस्टमैंट राउन्ड टेबल में भाग लिया

जयपुर, 20 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर के रामबाग पैलेस होटल में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी के साथ यूएई-राजस्थान टूरिज़्म और इन्वेस्टमेंट राउंड टेबल बैठक में शिरकत की।

■ यूएई के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक-अल मरी ने कहा कि यूएई की कंपनियां राजस्थान व हॉस्पिटैलिटी में निवेश करने के लिए इच्छुक हैं। हम जयपुर और दुबई के बीच हवाई सेवाओं को और बेहतर बनाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामबाग पैलेस होटल में यूएई के पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी के साथ यूएई-राजस्थान टूरिज्म और इन्वेस्टमेंट राउंड टेबल बैठक में भाग लिया। इस दौरान बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पर्यटन शासन सचिव शुचि त्यागी, धामानी ग्रुप के सीईओ अमित धामानी, लैंडमार्क ग्रुप के सीईओ राज राणा सहित यूएई-राजस्थान के हॉस्पिटिलिटी क्षेत्र के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

इस दौरान उन्होंने यूएई को राजस्थान में ऊर्जा, हॉस्पिटैलिटी सहित, विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किले, महल, हवेलियों, रेगिस्तान, अभ्यारण्य, जैम्स एंड ज्वेलरी, हैंडिक्राफ्ट, टैक्सटाइल्स, खनिज से समृद्ध राजस्थान में यूएई की कंपनियों के लिए निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राजस्थान में निवेश के लिए प्रदेश सरकार हर संभव सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री ने यूएई नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि खाड़ी संकट के दौरान यूएई ने भारतीय समुदाय की सुरक्षा और आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई नेतृत्व के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं।

यूएई के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के रिश्ते बेहद खास हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और यूएई के मध्य कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

अब्दुल्ला बिन तौक-अल-मरी ने भारत के प्रति अपने लगाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां के व्यंजन अद्भुत हैं, विशेषकर राजस्थान की काजूकतली। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटिलिटी का राजस्थान की तरह ही यूएई में बड़ा योगदान है। यूएई की कंपनियां राजस्थान के हॉस्पिटैलिटी में निवेश करने को इच्छुक हैं। साथ ही, हम जयपुर और दुबई के बीच हवाई सेवाओं को और बेहतर बनाना चाहते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार श्रीनंद झा की माताजी का निधन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो के वरिष्ठ सदस्य श्रीनंद झा की माता श्रीमती सीता झा का गुरुवार सुबह निधन हो गया।

उन्होंने नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वह पिछले कुछ महीनों से गंभीर रूप से बीमार थीं। श्रीनंद झा एक जाने-माने पत्रकार हैं और करीब चार दशकों से पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। उनके बड़े भाई डॉ. अजयानंद झा प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन हैं। उनकी एक बहन भी हैं। गुरुवार शाम नोएडा में परिवार के सदस्यों, मित्रों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया गया, सभी लोग दिवंगत आत्मा को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए थे।

■ श्रीनंद झा की माता श्रीमती सीता झा ने दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली, वे गत कुछ महीनों से काफी बीमार थीं।

राष्ट्रदूत परिवार श्रीमती सीता झा के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करता है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है। हम ईश्वर से यह भी प्रार्थना करते हैं कि वह शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षित को सहन करने की शक्ति और साहस प्रदान करें।

विपक्ष की गैरमौजूदगी में शुरु हुआ राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र

शोकाभिव्यक्ति और 2 विधेयक सदन में पेश होने के बाद स्थगित हुई सदन की कार्यवाही

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 20 अगस्त। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र में सदन की कार्यवाही गुरूवार को विपक्ष की गैरमौजूदगी में शुरू हुई। कांग्रेस ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके सड़कों पर आंदोलन किया। वहीं, सदन के भीतर विधानसभा के पहले दिन कार्यवाही की शुरुआत शोकाभिव्यक्ति के साथ हुई।

सदन में पूर्व राज्यपाल डी.वाई. पाटिल, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. भास्कर राव सहित, पूर्व सांसद-विधायक विष्णु मोदी, पूर्व सदस्य ब्रह्मदेव कुमावत, बाबूलाल बैरवा और नवनीत लाल निनामा को श्रद्धांजलि दी गई।

इसके बाद विधायी कार्य के तहत उपमुख्यमंत्री डॉ. पीसी बैरवा ने गीतांजलि ग्लोबल विश्वविद्यालय जयपुर विधेयक, 2026 सदन के पटल पर रखा।

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने राजस्थान वृक्ष संरक्षण विधेयक, 2026 पेश किया। पहले दिन की कार्यवाही पूरी होने के बाद 11 बजकर 21 मिनट पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सदन में विपक्ष की खाली कुर्सियां देखकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में रखने का विपक्ष को पूरा अधिकार है और उसे अपनी बात विधानसभा के भीतर ही रखनी चाहिए। देवनानी ने कहा कि विपक्ष के पास सरकार से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दे उठाने का पूरा अवसर और अधिकार है। ऐसे में सदन की कार्यवाही से दूर रहने के बजाय विपक्ष को सदन में उपस्थित होकर अपनी बात रखनी चाहिए।

■ स्पीकर देवनानी ने कहा, ''विपक्ष की खाली कुर्सियां देखकर मुझे पीड़ा हुई, विपक्ष को यहाँ आकर जनता के मुद्दे उठाने चाहिए थे।''

उधर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने विपक्ष की गैरमौजूदगी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का बिना किसी कारण सदन में नहीं आना समझ से परे है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि संभवत: विपक्ष इसलिए सदन में नहीं आया, क्योंकि उसे वंदे मातरम् के गायन में शामिल होना पड़ता।

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विपक्षी सदस्य बिना किसी पूर्व सूचना के सदन में अनुपस्थित रहे। विधानसभा सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेताओं से चर्चा हुई थी और राजस्थान विधानसभा की गौरवपूर्ण परंपराओं का पालन करते हुए सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी पर सहमति बनी थी। पटेल ने कहा कि पहले से हुई सहमति के बावजूद विपक्ष का सदन में नहीं आना उचित नहीं है।

वंदे मातरम् के दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीति अब नहीं चलेगी। भाजपा कांग्रेस के इस फैसले की निंदा करती है।'' कांग्रेस कार्य समिति का यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने हाल ही में राष्ट्रीय गीत के पूर्ण गायन को आधिकारिक प्रोटोकॉल का हिस्सा बना दिया है।

इसके जवाब में कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरे गाने के अपने फैसले पर पार्टी पूरी तरह कायम है और वह इस संबंध में स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिखाए गए रास्ते पर ही चलेगी।

यह फैसला कांग्रेस कार्य समिति द्वारा एक दिन पहले लिया गया था, कांग्रेस कार्य समिति ने 1937 में लिए गए अपने फैसले से स्थापित परंपरा को जारी रखने का संकल्प लिया था। इसके तहत कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल पहले दो अंतरे गाए जाते हैं।

यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत के पूर्ण गायन को अधिकारिक प्रोटोकॉल का हिस्सा बना दिया है।

मिर्ज़ा फखरुल इस्लाम बांग्लादेश के नये राष्ट्रपति चुने गये

ढाका, 20 अगस्त (हि.स.)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार मिर्ज़ा फखरुल इस्लाम आलमगीर गुरुवार को बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति चुन लिए गए। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में अपने एकमात्र प्रतिद्वंद्वी-जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन के उम्मीदवार कर्नल (रि.) ओली अहमद को भारी अंतर से हराया। मिर्ज़ा फखरुल इस्लाम को 255 वोट, जबकि ओली अहमद को 88 वोट मिले। सरकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव अधिकारी एएमएम नासिर उद्दीन ने संसद के कक्ष में मतदान के बाद चुनाव नतीजों की घोषणा की। कुल 349 पंजीकृत वोटरों के लिए 349 बैलेट पेपर छापे गए, जबकि इनमें से 343 बैलेट पेपर का इस्तेमाल हुआ। 349 वोटरों में से छह सांसदों ने राष्ट्रपति चुनाव में वोट नहीं डाला।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 20 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर याद किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि।

दिवंगत नेता के परिवार के सदस्य, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा श्रद्धांजलि देने के लिए राजीव गांधी के समाधि स्थल वीरभूमि पहुंचे। राजीव गांधी को लोकसभा अध्यक्ष और रक्षामंत्री ने भी याद किया। वीरभूमि में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पहुंचे सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करके याद किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने राजीव गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि दी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, ''पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन।'' रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, ''भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत की विकास यात्रा में उनका भी अहम योगदान रहा है।''

■ सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका श्रद्धांजलि देने समाधि स्थल पर गए।

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की बेंच लद्दाख में स्थापित होगी

नई दिल्ली, 20 अगस्त। केन्द्र सरकार ने लद्दाख के दूरदराज के इलाकों में न्याय की त्वरित पहुंच के लिए वहां उच्च न्यायालय की एक बेंच स्थापित करने का फैसला किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को मंत्रिमंडल के इस फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि है कि सरकार लद्दाख के सर्वांगीण विकास और संवैधानिक सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

गृह मंत्री ने एक्स पर कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लद्दाख में जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय की एक बेंच स्थापित करने का निर्णय लिया है। इससे लद्दाख के दूरदराज के इलाकों में रहने वाले नागरिकों के लिए न्याय तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा और उन्हें मिलने वाली कानूनी सेवाओं का लाभ उठाने में लगने वाला समय कम हो जाएगा।

झारखंड, सिविल सेवा परीक्षा की नियुक्ति रद्द करने के आदेश पर रोक

झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार व जेपीएससी से जवाब मांगा

रांची, 20 अगस्त। झारखंड सरकार की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर नियुक्त कर्मियों को हटाने के आदेश को चुनौती देने वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर गुरुवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति दीपक रौशन की अदालत ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा और फूड सेफ्टी ऑफिसर की नियुक्तियां रद्द करने के सरकार के आदेश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अदालत ने मामले में राज्य सरकार और झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अधिवक्ता अमृतांश वत्स और अधिवक्ता पीएएस पति ने पक्ष रखा।

■ अदालत ने यह फैसला तीन अलग-अलग याचिकाओं पर लिया।

दो अलग-अलग याचिकाओं में दीपमाला एवं अन्य तथा सोनम कुमारी ने सरकार की उस अधिसूचना को चुनौती दी है, जिसमें जेपीएससी की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा के विज्ञापन संख्या 1/2024 को रद्द करने का आदेश दिया गया है। वहीं, एक अन्य याचिका में सौरव सिंह एवं अन्य ने जेपीएससी की ओर से आयोजित फूड सेफ्टी ऑफिसर परीक्षा (विज्ञापन संख्या 18/2023) के आधार पर की गई नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के आदेश को चुनौती दी है।

उल्लेखनीय है कि सीआईडी जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर रात उन परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी, जिनमें टीडीपीएल शामिल रहा था। इसके साथ ही वर्ष 2014 से आयोजित सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितताओं को देखते हुए जांच कराने की भी घोषणा की गई थी। उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के बाद अब जेपीएससी की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा और फूड सेफ्टी ऑफिसर नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के फैसले पर आगे की न्यायिक सुनवाई के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

'महाराष्ट्र के ड्राइवर एक महीने में मराठी सीखें'

मुंबई, 20 अगस्त (हि.स.)। महाराष्ट्र में कमर्शियल वाहन चालकों के लिए सामान्य मराठी की जानकारी जरूरी कर दी गई है। इस नियम को लागू करने के लिए पूरे राज्य में गुरुवार से जांच मुहिम शुरू की गई है। पहले दिन मराठी न बोल पाने वाले 1268 ड्राइवरों को नोटिस जारी किया गया। नोटिस जारी होने के बाद यदि एक महीने के अंदर संबंधित वाहन चालक मराठी नहीं सीख लेता तो उसका लाइसेंस और बैज तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। इसके बाद भी लगातार नियमों का उल्लंघन करने पर चालक का लाइसेंस और बैच रद्द किया जा सकता है।

■ पहले दिन मराठी नहीं बोल पाने वाले 1268 ड्राइवरों को नोटिस भेजा।

लिव-इन रिलेशनशिप में परिजन दखल नहीं दें- हाई कोर्ट

नई दिल्ली, 20 अगस्त। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि आपसी सहमति से बालिग लोगों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप शादी जैसा ही है और उनकी पसंद में न तो माता-पिता और न ही दोस्त दखल दे सकते हैं या उनकी जान को खतरा पहुंचा सकते हैं। जस्टिस सौरभ बनर्जी की बेंच ने लड़की के परिवार से धमकियां झेल रहे एक लिव-इन जोड़े को पुलिस सुरक्षा दी। कोर्ट ने कहा कि बालिग होने और अपनी मर्जी से साथ रहने के कारण, उन्हें किसी के दखल के बिना अपनी पसंद के साथी को चुनने और उसके साथ रहने का पूरा अधिकार है।

कोर्ट ने कहा कि आपसी सहमति से शादी करने वाले बालिग लोगों की शादी को उनकी जाति, पंथ, रंग, धर्म या आस्था से अलग मान्यता दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि संविधान से मिले उनके मौलिक अधिकारों को सामाजिक नैतिकता और पूर्वाग्रहों के आधार पर सीमित करना, किसी व्यक्ति की अपनी निजी पहचान को छीनने जैसा है।

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता भले ही लिव-इन रिलेशनशिप में हैं और उन्होंने कानूनी तौर पर शादी नहीं की है, लेकिन बालिग होने और आपसी सहमति से साथ रहने के कारण यह रिश्ता शादी जैसा ही है।

भारत सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टिप्पणी पर अमेरिका के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई थी। श्रीनगर की यात्रा के दौरान भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर को भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया था और घाटी में सुरक्षा स्थिति की भी सराहना की थी। इन टिप्पणियों से पाकिस्तान में नाराजगी पैदा हुई और उसने इस्लामाबाद में अमेरिकी प्रभारी राजदूत नताली बेकर को तलब कर विरोध दर्ज कराया। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर की गई यह कार्रवाई कश्मीर पर गोर की टिप्पणियों को लेकर इस्लामाबाद की प्रतिक्रिया से जुड़ी है।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर. सुभाष रेड्डी करेंगे।

न्यायमूर्ति रेड्डी के अलावा समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व डीजीपी एल. आर. बिश्नोई सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

सोनिया गांधी अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनेता के पीछे छिपी महिला की जिंदगी की एक दुर्लभ झलक पेश करने का वादा करती है। इसमें विश्व युद्ध के बाद के इटली में उनका बचपन, राजीव गांधी के साथ उनका प्रेम और विवाह, तथा उन गहरी व्यक्तिगत क्षतियों का जिक्र है, जिन्होंने अंतत: उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया।

यह पुस्तक ऐसे समय में आ रही है, जब सोनिया गांधी एक बार फिर सार्वजनिक और राजनीतिक चर्चा के केन्द्र में हैं। ऐसे में, जब उनकी निजी कहानी सामने आने वाली है, एक बड़ा सवाल उठता है: ''क्या भारतीय राजनीतिक चर्चाएं सोनिया गांधी के प्रति निष्पक्ष रही हैं?''

पूर्व सांसद सज्जन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुआ था। संजय गांधी के करीबी माने जाने वाले सज्जन कुमार बाहरी दिल्ली क्षेत्र से कांग्रेस के मजबूत चेहरे थे। साल 1984 के सिख विरोधी दंगों में उन पर भीड़ को उकसाने और हत्या के आरोप लगे। दिल्ली हाई कोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को पालम कॉलोनी मामले में उन्हें दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई।

'अभयारण्य के पास एन.एच. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ताओं द्वारा रिट याचिका इन तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए दायर की गई कि जिस क्षेत्र में ''रैस्ट एरिया'' का निर्माण करने के लिए जमीन अवाप्त की जा रही है वह सरिस्का अभयारण्य से एक किलोमीटर के भीतर है और उक्त क्षेत्र में राज्य सरकार के 2015 के आदेश के तहत, कोई भी व्यवसायिक गतिविधि नहीं की जा सकती।

न्यायाधीश आनंद शर्मा ने अपने आदेश में कहा है कि केन्द्र सरकार व एन.एच.ए.आई. के पास सामाजिक कार्यों के लिए जमीन अवाप्त करने का अधिकार है परंतु इस अधिकार में भी कानूनी बंदिशें लागू होती हैं और वर्तमान स्थिति में अभयारण्य के नजदीक अवाप्त की जा रही जमीन पर वन्य जीवन की सुरक्षा के लिए बनाये गये नियम-कायदे लागू होंगे।

उक्त मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अक्षय शर्मा पैरवी के लिए पेश हुए थे।

उल्लेखनीय है कि उक्त मामले में नेशनल हाईवे 248ए, जो शाहपुरा - अलवर से होकर गुजरता है, इस क्षेत्र में द्वारमाला गांव से गुजर रहे हाईवे के एक भाग पर एन.एच.ए.आई. द्वारा उक्त क्षेत्र में आ रहे हाईवे को चौडा कर एक ''रैस्ट एरिया'' के निर्माण हेतु अवाप्त करने के लिए 29 अक्टूबर 2024 को नोटिफिकेशन जारी किया था।

■ परंतु एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों और उपखण्ड अधिकारी ने याचिकाकर्ताओं की शिकायत खारिज करते वक्त इस तथ्य पर भी ध्यान नहीं दिया।

जिसके खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने थानागाजी क्षेत्र के संभागीय आयुक्त को आपत्ति पेश की उक्त क्षेत्र सरिस्का अभयारण्य के प्रतिबंधित क्षेत्र में आता है जहां पर व्यवसायिक गतिविधि करना व निर्माण कार्य करना निषेध है। इस संबंध में वर्ष 2015 में राजस्थान सरकार द्वारा आदेश भी पारित किया गया था।

अदालत में वन विभाग व एन.एच.ए.आई. व अन्य संबंधित विभागों द्वारा दिये गये रिकॉर्ड से यह भी स्पष्ट हो गया कि उक्त प्रोजैक्ट के इंजीनियर ने रैस्ट एरिया के निर्माण के लिए विकल्प ढूंढने का प्रयास भी किया था। एक अन्य दस्तावेज से यह भी स्पष्ट हुआ कि याचिकाकर्ताओं की शिकायत पर वन विभाग ने भी सहमति जताई थी कि उक्त क्षेत्र में रैस्ट एरिया नहीं बनाया जा सकता। परंतु इन सब तथ्यों के उजागर होने के बावजूद एन.एच.ए.आई.ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आपत्तियों को खारिज करने और जमीन अवाप्ति की प्रक्रिया को पूर्ण करने के आदेश भी दिये। इस आदेश के साथ ही संभागीय आयुक्त ने 6 अक्टूबर 2025 को उक्त जमीन की अवाप्ति के खिलाफ आई शिकायतों को खारिज कर दिया।

यहां यह भी गौर तलब है कि वन विभाग के द्वारा आपत्ति दर्ज करने के बाद स्थानीय जिला कलैक्टर ने एक कमेटी का गठन किया था, जो रैस्ट एरिया के निर्माण के लिए विकल्प के तौर पर कोई अन्य जमीन की सिफारिश प्रस्तुत करें। इस कमेटी ने बांधरोल गांव के खसरा नं. 1933 को रैस्ट एरिया के निर्माण के लिए ज्यादा उपयुक्त स्थान बताया था।

अदालत ने कहा कि इन सब तथ्यों को एन.एच.ए.आई. के अफसर उपखण्ड अधिकारी नज़रअंदाज़ किया, जिसकी वजह से हाईकोर्ट को इस मामले में हस्तपक्षेप करना पड रहा है। अदालत ने माना कि याचिकाकर्ताओं द्वारा यह मामला मुआवजे को घटाने-बढाने के निजी स्वार्थ से संबंधित नहीं है। यह पर्यावरणीय कानून की स्पष्ट अवहेलना कर रहे अधिकारियों की वजह से दायर की गई है।

इसीलिए अदालत ने स्थानीय उपखण्ड अधिकारी के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश, जिसके तहत याचिकाकर्ताओं की शिकायतें खारिज की गई थी, को रद्द कर दिया और कहा कि एन.एच.ए.आई. हाईवे की चौडाई बढ़ाने के लिए जमीन अवाप्त कर सकती है परंतु रैस्त एरिया के निर्माण के लिए नही।

ओम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संघ विभिन्न संभावित उम्मीदवारों पर विचार कर रहा है और ओम बिड़ला का नाम निश्चित रूप से चर्चा में है।

ओम बिड़ला एक समय वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते थे और कहा जाता है कि बिड़ला को उनके बारे में कई गोपनीय जानकारियां थीं।

बाद में बिड़ला ने अपना राजनीतिक रुख बदला और अमित शाह तथा नरेन्द्र मोदी के करीब आ गए।

भाजपा के लिए आगे का दौर भारी राजनीतिक उथल-पुथल वाला हो सकता है। संघ अमित शाह को टारगैट कर रहा है।

हाल में हुए संगठनात्मक फेरबदल ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि संघ किस दिशा में और क्यों आगे बढ़ रहा है और संगठन में उसका प्रभाव किस तरह बढ़ रहा है।

अगले प्रधानमंत्री की तलाश शुरू हो चुकी है, और इस पूरी राजनीतिक कवायद में बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजे क्या रहते हैं।

ट्रंप ने ईरान का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दे रहा है, जो ईरान के साथ व्यापार जारी रखे हुए हैं। इसका मकसद ईरान पर और दबाव डालने के बजाय, उसकी सभी आपूर्ति लाइनों को काटना और देश की आर्थिक मुश्किलों को बढ़ाना है।

दुर्भाग्य से, ऐसे कदमों से ईरानी सरकार को सजा मिलने के बजाय, आम लोगों की परेशानियां ही बढ़ती हैं। देश के आम नागरिक जरूरी सामान की कमी से जूझ रहे हैं, बाहरी दुनिया तक उनकी पहुंच सीमित है और उन्हें तेजी से बढ़ती कीमतों तथा सामान की बढ़ती किल्लत का सामना कर रहे हैं।

ईरानी सरकार अपने नागरिकों को लगातार कष्ट दे रही है और उसका रवैया अधिक से अधिक तानाशाही और दमनकारी होता जा रहा है। सरकार को लोगों की परेशानियों की ज्यादा चिंता नहीं है, जब तक कि वह लोगों को इन तकलीफों को स्वीकार करने के लिए मजबूर कर सके।

ईरान के व्यापारिक या प्रमुख सहयोगियों को वास्तव में सजा देने में अमेरिका के सामने सबसे बड़ी बाधा चीन है। चीन ईरानी सामान का सबसे बड़ा खरीदार और ईरान को सामान उपलब्ध कराने वाला प्रमुख देश है। चीन की आपूर्ति लाइनें बेहद महत्वपूर्ण हैं, जिन्होंने ईरान की अर्थव्यवस्था को अब तक किसी तरह चलते रहने में मदद की है। अमेरिका के पास चीन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बहुत कम विकल्प हैं।

ईरान के लिए सबसे अहम कड़ियों में से एक है, ईरान और उसके विदेशी व्यापारिक साझेदारों के बीच होने वाला वित्तीय लेन-देन। चीन के बैंकों ने ईरान को वे वित्तीय संपर्क उपलब्ध कराए हैं, जिनसे पैसों का लेन-देन जारी रह सके।

अमेरिका चीन की कंपनियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा सकता है। लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रस्तावित यात्रा नजदीक होने के कारण डॉनल्ड ट्रंप शायद ही ईरान के इन चीनी आर्थिक सहयोगियों श्पर कोई कार्यवाही करें। वैसे भी, आर्थिक और सैन्य, दोनों ही मामलों में चीन इतना ताकतवर है कि ट्रंप सीधे उससे सीधे उलझने की हिम्मत नहीं करेंगे।

इसके अलावा, चीनी कंपनियों को अमेरिकी बाजार से बाहर करके उनके व्यापार और कामकाज को रोकना ट्रंप के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकता है। अमेरिका में पहले ही कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और ईरान युद्ध में अमेरिका के शामिल होने से लोग नाराज़ हैं।

चूँकि अमेरिका में चुनावी मौसम चल रहा है, इसलिए ट्रंप इसके संभावित नतीजों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। अमेरिका के आम लोग अपनी नाराज़गी जाहिर कर रहे हैं और इस नाराज़गी का असर आने वाले चुनावों के नतीजों पर भी पड़ सकता है।

ईरान के लिए चीन की शिपिंग सेवाओं ने भी इसी तरह महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन जहाजों ने ईरान का तेल चीन तक पहुंचाया है और इस तरह देश की अर्थव्यवस्था को, जहां तक संभव हो सका, चलाए रखने में मदद की है। अमेरिकी इन चीनी जहाजों के खिलाफ बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते और न उन्हें निशाना ही बना सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908